फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 51 प्रभात जयपुर, बुधवार 21 सितम्बर , 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Perils of Perfectionism

After all VIP's are not expected to be treated in their home town. The minimum is that they be referred to AIIMS New Delhi.

Tried&Tasted: Tea Tales!

Australian Chef Fires Up Zolocrust | A one-of-its-kind plant-based barbecue menu

क्या आपने कभी हाथी को ऊंची शाखा तक पहुंचते या पानी पीते देखा है। हाथी अपनी सूंड का आकार धीरे-धीरे बढ़ाकर लक्ष्य तक पहुंचता है। लेकिन यह विशालकाय जानवर इस गतिविधि में केवल अपनी मसल्स का ही इस्तेमाल नहीं करता। एक नए शोध से पता चला है कि सूंड के ऊपर जो त्वचा होती है उसमें इस स्ट्रैचिंग का रहस्य निहित है। जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नॉलजी के शोधकर्ताओं ने ज़ू एटलांटा के साथ मिलकर अध्ययन किया कि, किस प्रकार त्वचा और मांसपेशियां मिल जुलकर काम करती हैं, जिससे हाथी की सूंड बहुत ऊंचाई पर लगी पत्तियों तक पहुँच जाती है। शोधकर्ताओं का मत है कि, इस शोध की मदद से बेहतर रोबॉट डिजाइन करने में सहायता मिल सकती है। मुख्य शोधकर्ता रॉबर्ट शुल्ज़ ने कहा, ''हाथी की सूंड में कई तरह की मसल्स होती हैं जो एक साथ काम करती हैं और सूंड की झुर्रीदार त्वचा के साथ भी तालमेल रखती हैं। सूंड में असल में अलग मांसपेशियों का संग्रह होता है जिससे सूंड स्ट्रैच करती है मुड़ जाती व चीज़ें पकड़ती है और छोटी भी हो जाती है। इस सबमें सूंड की त्वचा की अहम भूमिका होती है जिसमें गहरी झुर्रियां होती हैं।'' शोध के लिए वैज्ञानिकों ने दो अफ्रीकन सवाना हाथियों की वीडियो फिल्म बनाई, जो ज़ू में सेब और चोकर के क्यूब्स तक पहुंचने का प्रयास कर रहे थे। शोधकर्ताओं ने विडियो में देखा कि स्ट्रैचिंग के समय सूंड कैसे काम करती है। शुल्ज़ ने कहा, हम उम्मीद कर रहे थे कि सूंड भी वैसे ही स्ट्रैच करती है जैसे अन्य मस्क्युलर अंग, जीभ और टैन्टेकल्स आदि करते हैं, लेकिन हमें एकदम अलग नज़ारा मिला। हाथी एकदम अलग तरह से स्ट्रैच करते हैं ऊपर से लेकर नीचे तक सूंड एक साथ स्ट्रैच करती है। सूंड का ऊपरी भाग निचले भाग की तुलना में ज्यादा फ्लैक्सिबल होता है और जब सूंड का दस प्रतिशत तक विस्तार हो जाता है तो पृष्ठ भाग साइड के भाग की तुलना में ज्यादा बढ़ने लगता है। हाथी पहले सूंड के सिरे की त्वचा को स्ट्रैच करता है फिर उसके अगले भाग को, इस प्रकार सूंड बढ़ती है। शुल्ज़ कहते हैं कि, हाथी आलसी होते हैं पर असलियत यह है कि, वो अपनी ऊर्जा को वेस्ट नहीं करते। इसलिए ''टेलिस्कोपिंग पोल'' की तरह सूंड को स्ट्रैच करते हैं। ये नतीजे जर्नल प्रोसीडिंग्स ऑफ नैशनल एकडमी ऑफ साईंसेज में छपे हैं। शोध कहता है कि हाथी की एनाटमी और बायोमैकैनिक्स का अध्ययन करके वो सॉफ्ट रोबॉटिक्स के डिजाइन में मदद कर सकते हैं।

मंगलवार की सुबह पायलट केरल रवाना हुए

बुधवार को गहलोत भी केरल पहुंचेंगे राहुल गांधी से मिलने

- **कांग्रेस के संगठन सचिव के.सी. वेणुगोपाल ने आज स्पष्ट किया कि, 30 सितम्बर तक राहुल गांधी दिल्ली नहीं आ रहे। जैसा कि विदित ही है, तीस सितम्बर को कांग्रेस अध्यक्ष पद पर चुनाव लड़ने के लिए पर्चा भरने की अंतिम तारीख है।**
- **मंगलवार को सुबह वेणुगोपाल को दिल्ली बुलाया गया था, सोनिया गांधी से मिलने के लिये तथा अध्यक्ष पद के चुनाव के बारे में पूरा मुद्दा समझने के लिये।**
- **मुलाकात के बाद वेणुगोपाल ने पुनः दोहराया कि, जो भी चुनाव लड़ना चाहते हैं, वे चुनाव लड़ने के लिये स्वतंत्र हैं तथा कोई भी अधिकृत (ऑफिशियल) उम्मीदवार नहीं होगा।**
- **ऐसा माना जा रहा है कि, गहलोत सोनिया गांधी से मिलेंगे तथा फिर राहुल गांधी से मिलने जायेंगे, राहुल गांधी को वे बताना चाहते हैं कि, राजस्थान के कांग्रेस पार्टी के विधायक राहुल को कांग्रेस अध्यक्ष बनाना चाहते हैं। शायद इसी मकसद से मु.मंत्री गहलोत ने मंगलवार की रात को दस बजे कांग्रेस के विधायकों की बैठक आहूत की है, अपने निवास पर।**

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। अशोक गहलोत बहुत परेशान है। वे जिधर भी देखते हैं, उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी ही दिखाई देती है, जिससे भावनात्मक रूप से, भौतिक रूप से, आध्यात्मिक रूप से और हां वित्तीय रूप से भी जुड़े हुये हैं।

'उदयपुर प्रस्ताव' कहता है- एक व्यक्ति-एक पद, लेकिन अशोक गहलोत यह दबाव बना रहे हैं कि वे कांग्रेस अध्यक्ष तो बन जाए लेकिन उनकी मुख्यमंत्री की कुर्सी बनी रहे और अगर उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़नी भी पड़े तो वे मुख्यमंत्री की कुर्सी पर अपने किसी नजदीकी व्यक्ति को बैठे देखना चाहते हैं जिससे कि अप्रत्यक्ष रूप से उनका ही शासन चलता रहे। गहलोत ने वर्तमान राजनैतिक स्थिति पर चर्चा करने के लिये, आज रात 10 बजे कांग्रेस विधायक दल की मीटिंग बुलाई है।

सचिन पायलट आज सुबह राहुल गांधी की ''भारत जोड़ो यात्रा'' में शामिल होने के लिये केरल रवाना हो गये हैं। अशोक गहलोत, किसी भी तरह पीछे न रहते हुये, कल केरल जा रहे हैं, जहाँ वे यात्रा में शामिल होंगे, राहुल गांधी से मिलेंगे तथा उन्हें बतायेंगे कि मीटिंग में शामिल विधायकों की इच्छा है कि वे (राहुल) कांग्रेस अध्यक्ष बनें।

ए.आई.सी.सी. महासचिव तथा संगठन प्रभारी के.सी. वेणुगोपाल आज केरल से वापस बुला लिये गये। वे सोनिया गांधी से मिले तथा उन दोनों के बीच अध्यक्ष के चुनाव के समग्र मुद्दे पर चर्चा हुई। वेणुगोपाल ने कहा कि जो लोग चुनाव लड़ना चाहते हैं, वे इसके लिये स्वतंत्र हैं तथा अधिकृत उम्मीदवार कोई भी नहीं है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राहुल गांधी 30 सितम्बर, जो नामांकन पेश करने की अंतिम तिथि है, तक दिल्ली नहीं आयेंगे।

आशा की जाती है कि अशोक गहलोत सोनिया गांधी से तथा उनके बाद राहुल गांधी से भेंट करेंगे तथा सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनने से रोकने का अंतिम प्रयास करेंगे।

एक राजनैतिक विशेषक ने टिप्पणी की है: अगर गांधी परिवार सचिन पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनाता, तो वह राजस्थान में क्या मुँह दिखायेगा?

अब प्रश्न यह नहीं है कि कांग्रेस अध्यक्ष कौन बनेगा, बल्कि प्रश्न यह है कि अशोक गहलोत सचिन पायलट को राजस्थान का मुख्यमंत्री बनने से कैसे रोकेंगे।

26 को पर्चा भरेंगे गहलोत?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। कांग्रेस में इसके नए अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरु हो गई है। नामांकन पत्र भरने की प्रक्रिया शुरु होने से चार दिन पहले स्टेट रिटर्निंग अधिकारियों ने निर्वाचकों की सूची जारी की। गौरतलब है कि 24 से 30 सितम्बर तक नामांकन भरे जाएंगे।

चूंकि प्रत्याशी को नामांकन भरने के लिए कम से कम दस निर्वाचकों के हस्ताक्षर चाहिए, इसलिए उन्हें निर्वाचकों की सूची की जरुरत होगी। निर्वाचकों की लिस्ट गोपनीय रखे जाने पर काफी खलबली मची हुई थी और मधुसूदन मिस्त्री ने 15 सितम्बर को कहा था कि स्टेट रिटर्निंग अधिकारियों को लिस्ट दे दी गई है, जिसे वे 20 सितम्बर को जारी करेंगे। लिस्ट में 9000 है।

- **कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई है, निर्वाचकों की सूची जारी कर दी गई है तथा 24 से 30 सितम्बर तक नामांकन भरे जाएंगे, संकेत हैं कि अशोक गहलोत 26 सितम्बर तक पर्चा भर सकते हैं।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पश्चिमी देशों में एक सप्ताह बाद भी मोदी-पुतिन इन्टरव्यू की चर्चा जोरों पर है

मीडिया बार-बार इस इन्टरव्यू की क्लिप्स टी.वी. पर दिखा रहा है तथा अखबार प्रमुख स्थान दे रहे हैं

- **वो मीडिया हाउस, जो प्रायः भारत विरोधी सा रूख रखते हैं, भी इस भेड़ चाल में शामिल होकर, भारत व रूस इन्टरव्यू को भारी महत्व दे रहे हैं।**
- **रूस भी कुछ अचम्भित सा दिखा, मोदी की टिप्पणियों से। तथा पुतिन ने बड़ा संयम बरतते हुए, तटस्थ सिद्धांत की बात करते हुए विवाद को टाला।**
- **पर, क्या रूस मोदी की इस सार्वजनिक घुड़की को आसानी से भूल जायेगा या सही समय का इंतजार करके, अपनी नाराजगी व तिरस्कार का बदला लेगा?**

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ का टेलीविजन साक्षात्कार कार्यक्रम प्रसारित होने के एक हफ्ते बाद भी पश्चिमी देशों के अन्तर्राष्ट्रीय मीडिया में गूंज रहा है। सभी मीडिया घराने इन दोनों के बीच के वार्तालाप की रिकॉर्डेड क्लिप को बार-बार दिखा रहे हैं। कुछ तो मीटिंग में मौजूद इन दोनों नेताओं की बॉडी लैंग्वेज़ का भी विश्लेषण कर रहे हैं। जहां रूस के नेता में एक महाशक्ति के पूर्व के दंभ का निश्चित रूप से अभाव है, वहीं मोदी को आत्म विश्वास से लबरेज बताया जा रहा है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की यूक्रेन नीति को लेकर किसी भी अन्य नेता ने इतनी कड़ी आलोचना नहीं की होगी। ऐसा लगा जैसे कि पुतिन के अधीन का रूस युद्ध और भिड़न्त के एक प्राचीन युग में रह रहा है। मोदी के बयान ने रूस को विस्मित कर दिया है।

इसके साथ ही मोदी का बयान चीन के राष्ट्रपति शी ज़िनपिंग पर करारा प्रहार भी है, जो हर तरफ आक्रामकता और विवाद की भाषा से काम ले रहे हैं। दक्षिणी हिंद सरकार से लेकर ताईवान और हिमालयी सीमा तक शी सभी तरफ विवाद को जन्म दे रहे हैं।

महत्वपूर्ण यह है कि भारतीय पक्ष के हिसाब से बयान अधिक संयमित है क्योंकि रूस की दुर्गति का समाधान करने के साथ ही कूटनीतिक अनिवार्यताएं भी रहीं। वास्तव में समरकंद कॉनक्लेव में हालांकि मोदी और शी एक ही मंच पर मौजूद थे, लेकिन बताया जाता है कि उन्होंने ना तो एक दूसरे का अभिवादन किया और ना ही हाथ मिलाए।

इस बयान के परिणामस्वरूप भारत को वो अटैन्शन मिल रहा है जो पहले मिलना चाहिए था। शी ज़िनपिंग और पुतिन, दोनों को अपेक्षाकृत निम्न स्तर पर तवज्जो मिली। पश्चिमी देशों के कुछ सर्वाधिक सशक्त मीडिया घराने जिनका रूख प्रायः भारत विरोधी रहा है, भी भेड़चाल में शामिल हैं और कवरेज दे रहे हैं।

पश्चिमी कूटनीतिक संस्थाओं का जहां से उम्मीद नहीं थी वहां से इन्हें मजबूत समर्थन मिला है। भारत को रूस का मजबूत समर्थक माना जाता था खासकर दोनों देशों के बीच के लेन-देन को देख कर। लेकिन यह भी देखना होगा रूस के कूटनीतिक हलकों पर इसका

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोहन भागवत का मुस्लिम बुद्धिजीवियों से लम्बा संवाद

पूर्व ले. गवर्नर नजीब जंग, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस. वाय. कुरैशी, अलीगढ़ मुस्लिम युनिवर्सिटी के पूर्व उप कुलपति व आर. एल.डी. के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, शाहिद सिद्दीकी संवाद में शामिल हुए

- **पिछले कुछ समय से संघ प्रमुख मुस्लिम समुदाय की तरफ मित्रता व सहयोग की बात आगे बढ़ा रहे हैं।**

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। आज आर.एस.एस. सरसंघचालक मोहन भागवत की मुस्लिम बुद्धिजीवियों के एक ग्रुप के साथ हुई मीटिंग गंभीर उत्सुकता तथा बहस का विषय बनी रही। यह मीटिंग झन्डेवालान में स्थित आर.एस.एस. के दिल्ली मुख्यालय ''केशव कुंज'' में हुई। मीटिंग में शामिल लोग थे- दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल नजीब जंग, पूर्व सी.ई.सी.एस.वाई कुरेशी, ए.एम.यू.के. पूर्व उपकूलपति जनरल जमीरुद्दीन शाह तथा आर.एल.डी. के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शाहिद सिद्दी की।

आर.एस.एस. और भाजपा इस दिशा में संयुक्त रुप से प्रयासरत हैं कि पूरे देश में अपनी मजबूत राजनैतिक जड़े जमाने की रणनीति को आगे बढ़ाते हुये मुस्लिम मतदाताओं के ''पसमन्दा'' वर्ग को अपनी ओर आकर्षित किया जाये। एक वरिष्ठ पार्टी नेता ने कहा, ''सबसे पहले हिन्दू'' की रणनीति का राजनैतिक लाभ मिल चुका है, लेकिन भाजपा अखिल भारतीय स्तर पर कांग्रेस की वास्तविक स्थानापन्न के रुप में स्वयं को तभी स्थापित कर सकती है, जब वह मुस्लिम सहित, विभिन्न अल्पसंख्यक समुदायों को अपने साथ ला सके।

भागवत स्वयं समय-समय पर मुस्लिम समुदाय के समक्ष शांति एवं संधि प्रस्ताव प्रस्तुत करते रहे हैं। जब हिन्दू ग्रुप वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद में ''शिवलिंग'' की खोज का दावा कर रहे थे, तो भागवत ने टिप्पणी की थी: ''प्रत्येक मस्जिद में किसी शिवलिंग की खोज क्यों?'' पिछले वर्ष सितम्बर में, भागवत ने कहा था कि हिन्दुओं और मुस्लिमों के पूर्वज एक ही थे तथा ''हमारा अतीत हमारी एकता का आधार था।'' इस वर्ष जून में, भागवत ने उस समय मुस्लिम सम्पत्तियों से जुड़े विवादों तथा मुकदमेबाजी पर ही तो टिप्पणी की थी, जब उन्होंने ''आपसी सहमति के रास्ते'' की जरुरत बताई थी। सितम्बर 2018 में, आर.एस.एस. सरसंघचालक ने कहा था कि ''मुस्लिमों को शामिल किये बिना, हिन्दुत्व को हिन्दुत्व नहीं कहा जा सकता।'' गत वर्ष सितम्बर में ही, आर.एस.एस. प्रमुख ने मुम्बई में मुस्लिम बुद्धिजीवियों के एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यू.एन. जनरल असैम्बली

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77वें सत्र में भाग नहीं लेंगे। यह विश्व के नेताओं का सबसे बड़ा सम्मेलन है जो न्यूयॉर्क सिटी में 19 सितम्बर को शुरू हुआ है। इसकी बजाय उन्होंने विदेशी मामलात मंत्री एस. जयशंकर को भेजा है।

करोना महामारी की वजह से तीन साल में पहली बार जनरल असैम्बली की मीटिंग हो रही है। इसमें काफी विषाद

- **करोना महामारी की वजह से तीन साल बाद हो रही यू.एन. जनरल असैम्बली में प्रधानमंत्री मोदी शामिल नहीं होंगे, उनकी जगह विदेश मंत्री एस. जयशंकर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हिजाब कुछ मासूम छात्राओं की अनायास उठी मांग नहीं है'

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट में कहा, हिजाब का मुद्दा गैर कानूनी संगठन पी.एफ.आई. की साजिश का नतीजा है

- **सॉलिसिटर जनरल ने कर्नाटक सरकार की ओर से पैरवी करते हुए यह भी कहा कि, स्कूल/कॉलेज में युनिफॉर्म ही पहनने के बारे में पारित आदेश केवल हिजाब के लिये ही नहीं हैं, बल्कि सभी धर्मों के लिये हैं, जैसे, इसी आदेश के तहत भगवा शॉल पहन के स्कूल/कॉलेज आना भी वर्जित किया गया है।**
- **सॉलिसिटर जनरल ने यह भी कहा कि, कर्नाटक सरकार के आदेश में छात्र-छात्राओं को वह ड्रेस पहनना वर्जित किया है, जिससे शिक्षण संस्थाओं में इक्वॉलिटी, इन्टेग्रिटी व कानून व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न होता है।**
- **दूसरी तरफ से बहस करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यन्त दवे ने कहा कि, हिजाब को प्रतिबंधित करके, कर्नाटक सरकार, मुसलमानों को अलग-थलग करने का प्रयास कर रही है। दवे ने यह भी कहा कि, हिजाब पहन कर मुस्लिम महिलाएं किसी की भावना को ठेस नहीं पहुंचा रहीं। दवे ने यह भी सवाल उठाया कि, ''हिजाब पहनने से कैसे देश की अखण्डता व एकता को खतरा पहुंचता है।''**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। सॉलिसिटर जनरल (एस.जी.) तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि हिजाब विवाद एकाएक उठा विवाद नहीं है, बल्कि प्रतिबंधित संगठन पापुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पी.एफ.आई.) के एक बड़े षडयंत्र का हिस्सा है जिसने सोशल मीडिया पर ''हिजाब पहनना शुरु करो'' मुहिम शुरु की थी। तुषार मेहता इस केस में कर्नाटक सरकार की तरफ से पैरवी कर रहे है।

जस्टिस हेमंत गुप्ता व सुधांशु धूलिया की बैंच कर्नाटक के शिक्षण संस्थानों में हिजाब पहनने पर लगे प्रतिबंध को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई कर रही है।

तुषार मेहता ने दो बातों पर ध्यान खींचा कि वर्ष 2021 से पहले कोई भी लड़की हिजाब नहीं पहन रही थी और ना ही कभी यह सवाल उठा था। यह कहना गलत होगा कि सरकार ने सिर्फ हिजाब बैन किया दूसरे समुदाय के लोगों को भी भगवा गमछा पहनने से रोका है।

उन्होंने कहा कि, इसमें एक और पक्ष है। मैं इसे बढ़ा चढ़ाकर नहीं कह रहा हूँ। लेकिन अगर सरकार ने इस तरह से कदम नहीं उठाया होता तो सरकार पर संवैधानिक कर्तव्य नहीं निभाने का आरोप लगता। उन्होंने इस प्रकार कर्नाटक सरकार के 5 फरवरी 2022 को जारी आदेश को सही ठहराया जिसमें ऐसे कपड़े पहने पर रोक लगाई थी जो स्कूल कॉलेजों में समानता, एकता और व्यवस्था को बाधित करते है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने भी 15 मार्च को कहा था कि हिजाब उस धार्मिक प्रक्रिया का अंग नहीं है जिसे संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत संरक्षित किया जाए।

सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि 29 मार्च 2013 को उडुपी पी.यू.सी. (प्री युनिवर्सिटी गर्ल्स कॉलेज) द्वारा एक प्रस्ताव पारित किया गया कि जिसमें लड़कियों के लिए यूनीफॉर्म बताई गई थीं और छात्राएं वही पहन रही थी, जिसमें हिजाब शामिल नहीं था।'' बाद में वर्ष 2014 में अन्य पी.यू.सी. के सी.डी.सी ने भी सर्वसम्मति से उसी यूनीफॉर्म को अपना लिया।

तुषार मेहता ने कहा कि वर्ष 2022 में पी.एफ.आई ने सोशल मीडिया पर एक अभियान शुरु किया। बार-बार मैसेज दिए गए कि, ''हिजाब पहनना शुरु किया जाए''। यह कुछ बालिकाओं का अनायास उठाया गया कदम नहीं था। यह वृहद षडयंत्र का हिस्सा था और वे वही कर रहीं थीं, जो उनसे करने के लिए कहा जा रहा था।''

वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने हिजाब को मुसलमानों की पहचान बताते हुए सोमवार को कहा था कि कर्नाटक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोविड का अंत?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत में कोविड-19 बीमारी का खात्मा होने के कगार पर है क्योंकि दैनिक इन्फैक्शन्स की संख्या मंगलवार को कम होकर 4 हजार 43 पर आ गई और एक्टिव केसेज़ भी कम होकर 47 हजार 379 रह गए, लेकिन पिछले 24 घंटों में इस बीमारी से देश में 15 मौतें हुई हैं।

केरल में पिछले कुछ दिनों में इससे कुल छह मौतें हुईं, जबकि बीते 24 घंटों

- **स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़े तो यही दर्शा रहे हैं कि, भारत में कोविड-19 का खात्मा हो रहा है, हर गुजरते दिन के साथ नए मरीजों की संख्या व एक्टिव केस के आंकड़े घट रहे हैं।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

कस्तूरी को अपनी मौजूदगी कसम खाकर सिद्ध नहीं करनी पड़ती;
गुण स्वयं ही सामने आ जाते हैं। –अज्ञात

चीते को फिर बसाने के प्रयोग से राजस्थान वंचित रह गया

वन्य जीवों में सबसे तेज दौड़ने वाला पशु चीता भारत में 1952 में लुप्त होना अधिकृत रूप से घोषित कर दिया गया था। उसे इस देश की धरती पर फिर से बसाने के लिए अफ्रीकी देश नामीबिया से आठ चीते लाए गये हैं। इनमें पांच मादा और तीन नर चीते हैं। इन चीतों पर रेडियो फ्रिक्वेंसी कॉलर लगे हैं, जो नामीबिया से इन्हें लाने से पहले ही इन पर लगा दिए गए हैं। हालांकि यह प्रयोग विवादास्पद है कि लाए गये चीते नई धरती, नए वातावरण और नई पारिस्थितिकी में अपने को ढाल कर अपनी संतति को बढ़ा सकेंगे जिससे यहां के वनों में चीतों उनकी उपस्थिति फिर से वैसी हो सके जैसी कभी हुआ करती थी। यह भी सच है कि जब हम किसी एक जीव को लुप्त होने से बचाते हैं तो पूरी कायनात को बचाते हैं। प्रकृति का सारा पारिस्थितिकी तंत्र इस प्रकार बना हुआ है जिसमें सम्पूर्ण चर–चराचर जगत एक अनदिखे सूत्र में पिरोया हुआ है। लाखों वर्षों के पृथ्वी के इतिहास में अनेक बार प्रकृति ने विध्वंस भी किया है जिसमें जीवों की प्रजातियां पूरी तरह नष्ट हो गई। परंतु प्रकृति ने हर बार फिर से जीवन को प्रस्फुटित किया और थामा। प्रकृति की अपनी प्रकृति है किन्तु विकसित मानव अब उसमें हस्तक्षेप करने लगा है जिससे जीवों की प्रजातियां नष्ट हो कर लुप्त हो रही है। यह मानवीय हस्तक्षेप ही था जिसने चीतों को भारत की धरती से लुप्त किया। यह हस्तक्षेप आप आदमी ने नहीं किया। यह राजा, महाराजाओं तथा उनके बराबरी वालों ने किया जिन्होंने वन्य प्राणियों को मारने को अपना मनोरंजन का साधन आखेट बना लिया। भारत में अफ्रीकी नस्ल के चीतों को जिस जहां बसाया जाने की कोशिश हो रही है, उसी मध्यप्रदेश की एक रियासत कोरिया में देश में आखिरी बचे एशियाई चीते मारे गए थे। कोरिया अब छत्तीसगढ़ का हिस्सा है। इसी कोरिया रियासत के राजमहल के एक कमरे में, मारे गए इन अंतिम चीतों के सिर टंगे हुए हैं। पुराने दस्तावेज़ बताते हैं कि दिसंबर 1947 में कोरिया के महाराज रामानुज प्रताप सिंहदेव ने अपनी रियासत के रामगढ़ इलाक़े में तीन चीतों का शिकार किया था। उसके बाद भारत में एशियाई चीतों के कोई प्रमाण नहीं मिले और भारत सरकार ने 1952 में चीतों को देश में विलुप्त प्राणी घोषित कर दिया और यह वन्य पशु इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया। यह अनोखा संयोग है कि चीते के इतिहास का अंतिम पन्ना, अविभाजित मध्यप्रदेश में लिखा गया तो इसके पुनर्वास का नया अध्याय भी इसी प्रदेश से शुरू हो रहा है। राजस्थान के अनेक लोगों को मलाल है कि यह नया अध्याय उनका प्रदेश भी लिख सकता था मगर ऐसा न हो सका क्योंकि राजनीति के बड़े मसाइलों के द्वन्द्व में व्यस्त शासन के कर्ता–धर्ताओं के पास ऐसे मुद्दों पर सोचने, समझने और कुछ करने की फुर्सत ही कहां है। बहुत से वन विशेषज्ञ भी इससे सहमत नहीं थे।

वन्य प्राणी विशेषज्ञों को याद है कि विलुप्त चीते को भारत वापस लाने का विचार जब 2008–2009 में पहली बार हुआ तब दुनिया भर के विशेषज्ञों, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय सहित भारत सरकार के अन्य अधिकारियों और राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों की बैठक हुई थी जिसमें चीतों को भारत में पुन: बसाने की क्षमता वाले इलाकों का पता लगाने के लिए साइट सर्वेक्षण करने का निर्णय लिया था। फिर देहरादून स्थित भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) द्वारा गठित विशेषज्ञों की एक समिति ने तीन राज्यों – राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात की पहचान की थी जहां चीतों की आबादी को फिर से बसाया जा सकने की गुंजाइश थी। इसमें सबसे ऊपर राजस्थान के जैसलमेर के शाहगढ़ बल्ज़ का 4,220 वर्ग किमी का इलाका था तथा दूसरे स्थान पर 748 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला मध्यप्रदेश का कुनो पालपुर था। लेकिन इसी बीच सर्वोच्च न्यायालय ने 2013 में इस परियोजना की क्रियान्विति पर रोक लगा दी। फिर जब इस पर से अदालती रोक हटी तब 2020 से फिर हलचल शुरू हुई। दो साल पहले फिर प्रयास हुए थे कि चीते आयें तो वे राजस्थान के इलाकों में बसें।

> **जयपुर में तो रामगंज बाजार के नजदीक 'मौहल्ला चीतावालान' मौजूद है जो गुलाबी नगरी का चीतों के साथ सहकार की याद दिलाता है। भले ही राजस्थान चीतों को बसाने की परियोजना पाने में पिछड़ गया किन्तु हमें इसी पर संतोष करना होगा कि मध्यप्रदेश का कुनो राष्ट्रीय उद्यान इस प्रदेश से सटा हुआ ही है।**

राजस्थान के अधिकारियों ने तब कहा भी था कि राज्य सरकार चीता लाने की संभावना तलाशने के लिए एक कार्य योजना तैयार करेगी। मगर ऐसी कार्य योजना बना कर उसे आगे बढ़ाने के किसी गंभीर प्रयास किये जाने की कोई अधिकृत जानकारी कभी नहीं दी गई। सितंबर 2020 में इसका अध्ययन करने के लिए भारतीय वन्यजीव संस्थान के एक प्रस्ताव को राज्य वन्यजीव बोर्ड में विचार के लिए लिया भी गया था। इसमें इस संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा यह बताने के लिए एक प्रस्तुति भी दी गई थी कि राजस्थान चीतों के पुनर्निवास के लिए स्थल और क्षमता दोनों रखता है। राज्य के तत्कालीन वन मंत्री ने भी कहा था कि "कार्य योजना को अंतिम रूप देने के बाद जल्द ही संस्थान के प्रस्ताव पर फैसला लिया जाएगा।" मगर जैसा सरकार में होता है कि कुछ फैसले कभी हो ही नहीं पाते।

हालांकि भारत की स्थानीय रूप से विलुप्त चीते की सबसे नजदीकी उप–प्रजाति ईरान में पाई जाती है। मगर वहां भी अब इसे गंभीर रूप से लुप्तप्राय के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इसलिए ईरान से चीतों को भारत लाने का विचार त्यागना पड़ा क्योंकि इस तरह के संरक्षण प्रयासों के दौरान एक महत्वपूर्ण विचार यह भी रहता है कि जहां से जानवरों को उठाकर लाया जाना है वहां उनकी आबादी के अस्तित्व को इस कदम से खतरा नहीं होना चाहिए। दक्षिणी अफ्रीकी के चीते उस प्रजाति के वंशज है जो ईरान में पाए जाते हैं इसलिए उन्हें भारत लाकर यहां बसाने के लिए आदर्श माना गया है। हालांकि अफ्रीका से चीतों को लाकर भारत के जंगलों में छोड़ना एक विवादास्पद प्रयोग भी है जिसे लेकर वैज्ञानिकों और वन्यजीव संरक्षणवादियों में ध्रुवीकरण साफ नज़र नजर आता है। एक वर्ग जो इस प्रयोग से असहमति रखता है वह मानता है कि चीतों का यहां के वनों में स्वच्छंद जीवन संभव नहीं है। अधिक से अधिक यह किया जा सकेगा कि एक बड़े नियंत्रित इलाके में उनके जीवन यापन की हमेशा व्यवस्था की जाती रहे। चीते को पालतू बना कर उनको आखेट में शामिल करने का पुराना मुग़ल कालीन भारतीय इतिहास रहा है। उस पर अनुसंधान करने वालों का कहना है कि प्रयासों के बाद भी पालतू बनाए गये चीतों की सन्तति नहीं बढ़ी। ऐसे में देखना यह होगा कि स्थान परिवर्तन का अफ्रीका से आए चीतों के प्रजनन व्यवहार पर क्या असर पड़ता है। दूसरी तरफ यह भी कहा जा रहा है कि यह नई पहल अपने आप में पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक वरदान भी हो सकती है। चीते खुले मैदानों में रहते हैं; उनका आवास मुख्य रूप से है वहां है जहां उनके शिकार रहते हैं। घास के मैदान, झाड़ियां और खुली वन प्रणालियां, अर्ध–शुष्क वातावरण और थोड़ा गरम तापमान चीते को माफिक आता है। विशेषज्ञ कहते हैं कि फिर से बसाये चीतों के लिए न केवल उनके शिकार के आधार को बचाना होगा जिसमें कुछ खतरे वाली प्रजातियां भी शामिल हैं, बल्कि घास के मैदानों की अन्य लुप्तप्राय प्रजातियों और खुले वन पारिस्थितिकी तंत्र को बचाने की जिम्मेवारी भी निभानी होंगी। यह सुखद बात है कि बड़े मांसाहारियों में चीते का स्वभाव मानव हितों के साथ सबसे कमसंघर्षका है। वे आम तौर पर मनुष्यों के लिए खतरा नहीं होते हैं और बड़े पशुओं पर भी हमला नहीं करते हैं। इसीलिए इतिहास में हम पाते हैं कि चीतों को पालतू जैसा बना कर शिकार के खेलों में उनका उपयोग किया जाता रहा। अलेक्ज़ेंडर रोजर्स की अनुदित और हेनरी बेवेरिज के संपादन में 1909 में प्रकाशित किताबद तुज़ूक–ए–जहांगीरी ऑर मेमरी ऑफ जहांगीर में यह जिक्र आता है कि मुगल बादशाह अकबर के पास एक हजार चीते थे जिनका इस्तेमाल हिरण और चिंकारा का शिकार करने के लिए किया जाता था। जहांगीर के संस्मरणों की वर्ष 1623 की इस मूल किताब से पता चलता है मुग़ल शासक अपने सूबेदारों को इनाम के तौर पर भी चीते भेंट करते थे। यह भी पहला मौका नहीं है जब चीते बाहर से भारत में लाए गये। इतिहास में दर्ज है कि 1918 से 1945 तक अलग–अलग अवसरों पर कम से कम 200 अफ्रीकी चीतों को भारतीय राजा–महाराजाओं ने शिकार के लिये मंगवाया।

चीता जब भारत में अपनी उपस्थिति पुन: दर्ज़ करा रहा है तब लोग याद कर रहे हैं कि राजस्थान में सबसे पहले अलवर रियासत के महाराजा ने काबुल से वाजिद खान को चीता पालने के लिए बुलाया था। बाद में जयपुर रियासत में सवाई जगत सिंह के समय उसे जयपुर रियासत के शिकारखाने में नियुक्त किया गया जो चीतों को शिकार करने की ट्रेनिंग दिया करता था। इतिहास के पन्ने बताते हैं कि राजस्थान में खूब चीते थे मगर सवा सौ साल पहले उनकी नस्ल लुप्त हो गई। सन् 1921 में राजघराने के मेहमान रहे विल फ्रायड के परिवार ने ब्रिटेन से दो चीते समुद्री जहाज से बंबई और वहां से रेल से जयपुर भेजे, जो सन् 1931 तक जीवित रहे। जयपुर में तो रामगंज बाजार के नजदीक 'मौहल्ला चीतावालान' मौजूद है जो गुलाबी नगरी का चीतों के साथ सहकार की याद दिलाता है। भले ही राजस्थान चीतों को बसाने की परियोजना पाने में पिछड़ गया किन्तु हमें इसी पर संतोष करना होगा कि मध्यप्रदेश का कुनो राष्ट्रीय उद्यान इस प्रदेश से सटा हुआ ही है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोडा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

राजस्थान में कृषि उच्च शिक्षा गुणवत्ता का स्तर क्या अब कभी सत्तर-अस्सी के दशक के तुल्य पहुँच सकता है?

राजस्थान में कृषि उच्च शिक्षा गुणवत्ता स्तर क्या अब कभी सत्तर–अस्सी के दशक के तुल्य पहुँच सकता है?

लेख का शीर्षक इस बात का द्योतक है कि राजस्थान प्रदेश में कृषि शिक्षा की गुणवत्ता में इतना व्यापक ह्रास हो चुका है कि वर्ष उन्नीस सौ सत्तर–अस्सी के दसक की गुणवत्ता के स्तर पर वापस लौटने को लेखक अन्य उपायों की तुलना में अधिक श्रेयकर मानता है और इसीलिये आकाँक्षा जता रहा है कि कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान के वर्तमान स्तर जो विगत साठ–सत्तर वर्षों में निम्नतम कही जा सकती है, से उबरना कैसे संभव हो सकेगा, इस पर विचार करना ही अब दुष्कर प्रतीत होने लगा है? मूल कारण बिलकुल स्पष्ट है कि गुणवत्ता शिक्षा, जैसी व्यवस्था बनाने में शिक्षण संस्था के प्रबंधकर्ता और उसके शिक्षकों की कड़ी मेहनत और अपेक्षा से कही समय लगता है। शिक्षा के किसी जीर्ण भवन को वित्तीय स्त्रोत उपलब्ध होने पर एक–दो वर्ष में उस भवन का पूर्ण कायाकल्प संभव हो जाता है परन्तु शिक्षा की गुणवत्ता में विभिन्न कारणों से घटित ह्रास को संस्था और उसके प्रबंधकीय सदस्य अपनी अथक मेहनत, ईमानदारी और प्रतिबद्धता से व्यक्तिस: व सामूहिक प्रयासों से दो दशक के समय में भी पुराने स्तर को प्राप्त कर लें तो यह एक बड़ी उपलब्धि और प्रसंशनीय कार्य होगा। क्योंकि ऐसे कार्य में मानवीय पक्ष कही अधिक महत्वपूर्ण है अन्य कारकों की अपेक्षा।

सर्व प्रथम कृषि उच्च शिक्षा जिसके साथ अनुसंधान भी सम्मिलित है, के लिए छात्रों को पढ़ाने वास्ते कक्ष होना इतना आवश्यक नहीं, जितना प्रयोगात्मक परीक्षणों के लिए प्रयोगशालाएं और कृषि भूमि, आवश्यक उपकरणों सहित। हमें याद है अपने समय के महान विद्वान रवीन्द्रनाथ जी टैगोर का, शांति निकेतन जिनके पास छात्रों को पढ़ाने के लिए न तो आजकल के सामान कक्ष था और न कोई फर्नीचर। कक्ष के स्थान पर एक बड़े पेड़ की छाया और फर्नीचर की जगह मिट्टी का साफ़ फर्श। भारत के लोग संभवत: उन्हें भूल गए होंगे। भूलना स्वावाभिक है, क्योंकि आज़ादी के बाद हमें वह पढ़ना लाजमी था जिससे हमारी और हमारो की सर्वत्र जय जयकार हो।

केंद्र सरकार को चाहिए कि स्वतंत्र रूप से इस विषय पर एक श्वेत पत्र परिषद् से और स्वतंत्र विचार सभी कृषि वैज्ञानिकों, किसान आयोग के सदस्यों व अन्य विचारकों और सर्वेक्षण से प्राप्त कर व्यापक बहस कर समुचित कदम उठाये। मेरा दृढ़ मत है कि वर्तमान पढ़ाई और अर्जित ज्ञान पूर्व के उन दो सालों के समक्ष कही नहीं टिकता। भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् नई दिल्ली ने एकरूपता और उच्च स्तर का कृषि ज्ञान छात्रों को दिलवाने के लिए पाठ्यक्रम चार वर्ष का तो कर दिया किन्तु विषय वस्तु की वांछित फैकल्टी कही थी ही नहीं, और न ही ऐसे विशेषज्ञों की भर्ती के लिए कोई ठोस कदम उठाये। साल दर साल अनुभवी अध्यापक अन्यत्र चले गए या रिटायर हो गए और रिक्त हुए पद कभी भरे नहीं जा सके। जिसमे सबसे बड़ी बाधा प्रदेश सरकार उसमे भी विशेष रूप से सचिवालय के बड़े अफसर की लालफीताशाही, संलिप्तता तथा उनके अड़ंगे मुख्य कारक रहे। दुर्भाग्य से इस देश में ऐसे पदों पर आसीन व्यक्तियों की कभी कोई जवावदेही नहीं रही और न आज है।

कक्षाओं में चूंकि छात्र प्रवेश तो लेते ही हैं क्योंकि उन्हें पता ही नहीं होता कि जिस विषय/संकाय में वे प्रवेश ले रहे हैं उसके लिए पढ़ाने वाले अनुभवी स्थाई शिक्षक वर्षों से नहीं है। पढ़ाने की जिम्मेदारी कुलपति और महाविद्यालय के डीन पर आ जाती है। महाविद्यालय को जो मिला जैसा भी मिला, उसको कुलपति की सलाह से ठेके पर पढ़ाने के लिए प्रति कालांश के आधार पर रख लिया। और विषय पढ़वाने की प्रक्रिया चलने लगी, दिखावटी तौर पर ही सही। बाहर से सब ठीक ठाक लगता रहा। समय से परीक्षाएं भी होती रही और विद्यार्थी उत्तीर्ण भी होते गए। सरकार में बैठे प्रशासनिक अधिकारियों को यह प्रणाली ऐसी भा गयी कि सरकारी बजट बचाने का सूत्र उन्हें हाथ लग गया।

प्रो. (डॉ.) वीर बहादुर सिंह

फलस्वरूप जब कभी विश्वविद्यालय ने भर्तिओं के लिए आदेश मांगे, सरकार के अधिकारी ने उसमे कोई रूचि नहीं दिखाई और मांग को जरूरत से अधिक लंबित रखे रहे ताकि मांग ठंडे बस्ते में डाल दी जाय। नतीजन दशकों से रिक्त पदों पर कोई भर्ती नहीं की गई और आज भी 60 प्रतिशत से अधिक पद विषय विशेषज्ञों के प्रदेश के सभी कृषि विश्वविद्यालयों में खाली पड़े हैं। कोई पूछने वाला नहीं और किसी की भी जवावदेही नहीं कि बिना विषय विशेषज्ञों के पढ़ाई की गुणवत्ता कैसे बनाई रखी जाती है? जवाव तो मिलता है संबंधित महाविद्यालय के उच्च अधिकारी से कि सभी छात्र अच्छे अंकों से पास होते हैं।

उपरोक्त वर्णन से यह स्पष्ट होता है कि कृषि विश्वविद्यालयों में ठेके पर व्याख्यान कोचिंग संस्थानों सदृश्य ही है। पूर्व में मैं कोचिंग व्यवस्था को अनुचित मानता था परन्तु अब राजकीय संस्थानों की हालत देख मेरा दृष्टिकोण बदल गया है और मेरा अब सरकार को सुझाव है कि व्याख्यान तो किसी कोचिंग वाले से ही दिलवा लें और प्रैक्टिकल के लिए कुछ प्रयोगशालाएं निर्धारित अनुबंध कर प्रैक्टिकल वही से छात्रों को करवाएं। ऐसा करने से सरकार का धन कही अधिक बचेगा, जिसे मुफ्त की रेवड़ी और अन्य ऐसे ही प्रकल्पों में जिनसे पार्टी विशेष का वोट बैंक धनी होता, हो उनमे व्यय कर लिया जाय।

डिग्री तो विश्वविद्यालय देता ही है वह देता रहेगा छात्रों को तो आज डिग्री चाहिए पढ़ने–पढ़ाने से उन्हें कोई सरोकार नहीं है। डिग्री प्राप्त उपरांत छात्र का अपना भाग्य और स्वयं की राजनीति के अखाड़े में निपुणता। वर्तमान व्यवस्था को सुचारू चलने के लिए कुछ तो हाथ–पैर मारना ही पड़ता है। चाहे कितना ही विरोध हो और अनेक बाधाएँ उत्पन्न की जाय फिर भी जनता को लगना चाहिए कि उनके लाभ के लिए कुछ हो रहा है। कृषि अनुसन्धान परिषद् से सभी प्रकार की निर्भरता समाप्त हो समन्वित अनुसन्धान योजनाएं परिषद् के अपने केंद्रों पर शिफ्ट कर दी जाय। कृषि विश्वविद्यालयों को आत्म निर्भर करने की कोई जरूरत नहीं। बल्कि संस्था के नाम से शब्द विश्वविद्यालय और यूनिवर्सिटी हटा दिए जाये। क्योंकि इन संस्थाओं में अब विश्व स्तर का कुछ है ही नहीं। अत: इन सभी संस्थानों को राज्य महाविद्यालय का नाम देना श्रेयकर होगा। इसलिए कुलपति पद समाप्त कर दिया जाय क्योकि कुलपति ही सभी प्रकार के घोटालों, नियुक्तिओं में, खरीद में, निर्माण आदि कार्यों में व चाटुकारिता में उत्पत्ति केंद्र है। जाति वाद से लेकर अन्य जो अनियमिताएं प्रकाशित होती रही हैं, उन सब में कुलपति सीधे अथवा अप्रत्यक्ष रूप से संलग्न रहते रहे हैं। कृषि शिक्षा व अनुसन्धान में निरन्तर पतन कुलपति की नाकाबिलियत के कारण से है। इसके साथ ही अन्य सभी अधिकारिओं की कत्तर्व्य परायणता और जबाव देहि निश्चित करने की बहुत आवश्यकता है।

निदेशक कृषि राज्य सरकार की अध्यक्षता में प्रबंध मंडल का गठन हो जिसमे राजकीय अधिकारी समेत कुल ग्यारह सदस्य हों एक विधायक, और एक महिला सामाजिक कार्यकर्त्ता सदस्य लिए जायँ। प्रत्येक निर्णय की जवाब देही निदेशक की हो। कुलसचिव वरिष्ठ अध्यापकों में से नियुक्त किये जाए और वित्त नियंत्रक चयन प्रक्रिया से राज्य आयोग नियुक्त करे। अध्यापकों व अन्य कर्मचारिओं के समयबद्ध तरक्की पर रोक लगे। इन कदमों से चाटुकारिता पर अंकुश लगेगी और कर्तव्य परायणता बढ़ेगी।

मुझे आश्चर्य है कि अभी तक छात्र या उनके अभिभावक विश्व विद्यालय की प्रति वर्ष की धोकेबाजी के विरुद्ध न्यायलय कियों नहीं गए? एक बार सैद्धांतिक तौर पर यदि इस प्रकरण पर सहमति बनती है तो मैं फिर और सुझाव प्रेषित कर सकता हूँ। जिसमे कृषि शिक्षा के प्राइवेट करने पर भी एक विकल्प हो सकता है। कुछ भी हो भावी पीढ़ियां कृषि में अभी अशिक्षितों से भी निम्नतर पैदा हो रही हैं। अशिक्षित मज़दूरी से जीवन तो काट लेगा लेकिन ये तथाकथित शिक्षित मजदूरी भी नहीं कर पाएंगे।

–प्रो. (डॉ.) वीर बहाद सिंह,
पूर्व कुलपति एवं डेरी खाद्य विज्ञ, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान

डीएपी व यूरिया के लिए किसान उमड़े

मालपुरा,(निसं)। दो महिनों के लम्बे समय बाद मंगलवार को केवीएसएस मालपुरा पर खाद आने की मिली सुचना पर हजारों किसानों की भीड़ उमड़ पड़ी। खाद लेने आये किसानों की लगी लम्बी कतारों में शामिल किसान 2 से 3 घंटे की कडी मशक्कत के बाद काउंटर पर तो पहुंचे लेकिन स्टॉक खत्म हो जाने के चलते बिना खाद के ही किसान निराश होकर लौट गये। दस हजार से अधिक यूरिया बैग की डिमांड के बावजूद केवीएसएस को महज 507 कट्टों का स्टॉक मिलने से व्यवस्थाएं चरमरा गई। खाद का स्टॉक खत्म होने की सूचना के साथ ही परिसर में एकाएक भगदड सी मच गई। इतनी बडी संख्या मे किसानों की भीड के बावजूद प्रबंधकों द्वारा ना तो छाया पानी की व्यवस्थाएं की गई और ना ही पुलिस जाप्ता लगाया गया।

महिला शौचालय में आठ माह का भ्रूण मिला

देवगढ़, (निसं)। देवगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के महिला शौचालय में करीब 8 माह का परिपक्व नर भ्रूण मिलने से हॉस्पिटल प्रशासन में हड़कंप मचा गया। आनन–फानन में इसकी सूचना पुलिस को दी गई जिसके बाद पुलिस ने भ्रूण को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम करवाया।

जानकारी के अनुसार देवगढ़ के सरकारी अस्पताल में सुबह के वक्त जब सफाई कर्मचारी शौचालय की सफाई करने जा रहे थे, इस दौरान उन्हें महिला शौचालय में भ्रूण पड़ा मिला। यह भ्रूण करीब 8 माह का बताया जा रहा है। अंदेशा जताया जा रहा है कि मंगलवार–बुधवार रात को किसी ने यह भ्रूण शौचालय में फेंका होगा। भ्रूण

> ■ **देवगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के महिला शौचालय की घटना**

किसने फेंका है, फिलहाल इसका पता नहीं चल सका है।

सीएचसी प्रभारी डॉ. अनुराग शर्मा ने इसकी जानकारी देवगढ़ थानाधिकारी शैतान सिंह नाथावत को दी जिस पर उन्होंने एएसआई गिरधारी सिंह मय जाप्ता को मौके पर भेजा। पुलिस ने मौका मुआयना करते हुए आवश्यक कार्यवाही कर भ्रूण को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की एवं पोस्टमार्टम करवाने के लिए मोर्चरी में रखवाया ओर पोस्टमार्टम कराया जिसमे पता चला कि यह नर भ्रूण है।

सीएचसी प्रभारी डॉ. अनुराग शर्मा ने बताया कि सुबह के वक्त जब सफाई कर्मचारी शौचालय की सफाई कर रहे थे, उसी वक्त यह भ्रूण मिला है। देखने मे यह भ्रूण लगभग 8 माह का लग रहा था, जिसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी है, फिलहाल भ्रूण का पोस्टमार्टम करवाया गया जिसमे पता चला कि यह भ्रूण नर का है। साथ ही हॉस्पिटल के सीसीटीवी कैमरे खंगालकर किसके द्वारा इस भ्रुण को यहां डाला गया इसका पता लगाया जाएगा, उसके बाद कार्यवाही की जाएगी।

कचरे के ढेर में पांच माह का भ्रूण मिला

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के प्रतापनगर कॉलोनी में एक 5 महीने का भ्रूण मिला है। भ्रूण मिलने की सूचना मिलने पर मौके पर लोगों की भीड जमा हो गई। जिसके बाद लोगों ने इस बात की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने भ्रूण को जब्त कर मोर्चरी में रखवाया है और भ्रूण फैंकने वाली महिला की तलाश शुरू कर रही है। अस्पताल चौकी के कॉन्स्टेबल ईश्वरलाल ने बताया कि प्रतापनगर कॉलोनी से रेलवे की ओर जाने वाले कुछ लोगों ने मंगलवार सुबह कचरे के ढेर में एक बच्चे को देखा। जिसके बाद मौके पर भारी भीड जमा हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की। लेकिन भ्रुण को फेंककर जाने वाले के बारे में किसी को कुछ भी जानकारी नहीं थी।

चीतों के भोजन के लिए चीतलों को अन्य क्षेत्रों से लाने की बात तथ्यहीन

गत 17 सितम्बर, 2022 को प्रधानमंत्री द्वारा नामीबिया से लाये गये चीतों को कूनो राष्ट्रीय उद्यान में छोड़ा गया है। देश में चीता विलुप्त होने के 75 वर्ष के बाद पुन: स्थापित करने के उद्देश्य से चीता लाये गये हैं, यह देश एवं प्रदेश के लिये एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

कतिपय समाचार पत्रों एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया में इस आशय के समाचार प्रसारित किये जा रहे हैं कि चीतों के भोजन हेतु चीतलों को अन्य क्षेत्रों से लाया जाकर कूनों राष्ट्रीय उद्यान में छोड़ा जा रहा है। कुछ समाचार पत्रों में तो राजस्थान से चीतल लाये जाने के भी समाचार प्राप्त हो रहे हैं। यह स्पष्ट किया जाता है कि विभिन्न समाचार माध्यमों तथा सोशल मीडिया में फैल रही इस खबर में कोई सत्यता नहीं है। राजस्थान से कोई चीतल मध्यप्रदेश नहीं लाया गया है। अंतर्राज्यीय वन्यप्राणियों के स्थानान्तरण के लिए भारत सरकार एवं

> ■ **कूनो राष्ट्रीय उद्यान में नामीबिया से लाये गये चीतों की स्थापना**

दोनों राज्य सरकारों की सहमति आवश्यक होती है, अत: राजस्थान से चीतल लाये जाने की पुष्टि राजस्थान सरकार की सक्षम अधिकारियों द्वारा की जा सकती है। कूनों राष्ट्रीय उद्यान में वर्तमान में 20,000 से अधिक चीतल मौजूद हैं । ऐसे में चीतों के भोजन के लिये अन्यत्र से चीतल लाकर छोड़ा जाना एक कल्पना मात्र है। वस्तुत: चीता लाये जाने के उपरांत कूनो राष्ट्रीय उद्यान में कोई चीतल लाकर नहीं छोड़े गये हैं।

मध्यप्रदेश में वर्ष 2015 से लगातार सक्रिय वन्यप्राणी प्रबंधन किया जा रहा है। प्रदेश में की राष्ट्रीय उद्यान/ अभयारण्य ऐसे हैं जहां चीतलों की संख्या काफी अधिक बढ़ गई है जिससे गर्मियों में चारा की समस्या उत्पन्न होती है।

अत: ऐसे जगहों से चीतलों को ऐसे राष्ट्रीय उद्यान/अभयारण्य में छोड़ा जाता है जहां इनके चारे की पर्याप्त उपलब्धता होती है। इसके तहत पेंच राष्ट्रीय उद्यान, वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान तथा नरसिंहपुर अभयारण्य से चीतलों को निकालकर सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान, संजय राष्ट्रीय उद्यान, कूनों राष्ट्रीय उद्यान तथा नौरादेही अभयारण्य में भेजे गये हैं। यह सही नहीं है कि केवल राष्ट्रीय उद्यान पार्क में ही चीतलों को छोड़ा गया है। प्रदेश में अब तक 6000 से अधिक चीतल एक संरक्षित क्षेत्र से दूसरे संरक्षित क्षेत्र में स्वच्छंद विचरण हेतु छोड़े जा चुके हैं। इसके मुख्य उद्देश्य शाकाहारी वन्यप्राणियों में अनुवाशिंक समस्याओं को दूर करना, उच्च घनत्व वाले क्षेत्रों में फसल की नुकसानी कम करने तथा गांवों के द्वारा रिक्त किये गये स्थलों पर समुचित वन्यप्राणियों की संख्या स्थापित करना है। प्रदेश के अनेक राष्ट्रीय उद्यान जैसे बांधवगढ़ , कान्हा तथा पेंच में काफी संख्या में चीतल पाये जाते हैं जिसके कारण वहां का पर्यावास भी प्रभावित होता है। पर्यावास को बचाये रखने के लिये भी यह आवश्यक है कि वन्यप्राणियों के अत्यधिक जैविक दबाव को कम किया जाये। इस कार्य को इन वन्यप्राणियों को अन्यत्र छोड़े जाने से ही सम्पन्न किया जा सकता है। वर्तमान में कान्हा राष्ट्रीय उद्यान में 30,000 से अधिक, पेंच राष्ट्रीय उद्यान में 50,000 से अधिक तथा बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान में 30,000 से अधिक चीतल मौजूद है जबकि क्षेत्रफल में अधिक होने के बावजूद सतपुडा राष्ट्रीय उद्यान में लगभग 10,000 चीतल उपलब्ध हैं। विभाग द्वारा सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान, संजय राष्ट्रीय उद्यान तथा नौरादेही अभयारण्य जो कम घनत्व के संरक्षित क्षेत्र है वहां शाकाहारी वन्यप्राणियों की संख्या को बढ़ाने के उद्देश्य से कान्हा, बांधवगढ़ तथा पेंच राष्ट्रीय उद्यान से शाकाहारी वन्यप्राणियों को छोड़ा जा रहा है। मध्यप्रदेश वन विभाग द्वारा वन्यप्राणियों का उच्च कोटि का प्रबंधन किया जा रहा है तथा ऐसा कोई कृत्य न तो किया गया है और न ही भविष्य में किया जायेगा जिससे विश्नोई समाज, जो वन्यप्राणी संरक्षण में अपने योगदान के लिये विश्व विख्यात है, की भावनाओं को ठेस पहुंचे। यहां यह भी तथ्य उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा विश्नोई समाज की अमृता देवी के नाम पर वन्यप्राणी संरक्षण में उच्च कोटि का योगदान देने के लिये पुरस्कार दिये जाते हैं।

प्रारुप प्रमुख सचिव,
वन द्वारा अनुमोदित
(जसवीर सिंह चौहान)
मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी), म.प्र.

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 21 सितम्बर, 2022

आश्विनी मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2079, पुषय नक्षत्र रात्रि 11:47 तक, परिद्य योग प्रात: 9:12 तक, बव करण दिन 10:31 तक, चन्द्रमा कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–कन्या, चन्द्रमा–कर्क, मंगल–वृष, बुध–कन्या, गुरू–मीन, शुक्र–सिंह, शनि–मकर, राहु–मेष, केतु–तुला राशि में।

आज राजयोग रात्रि 11:35 से रात्रि 11:47 तक है। आज इन्दिरा एकादशी व्रत है और एकादशी का श्राद्ध और आखिरी चाहर शम्बा है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ–अमृत सूर्योदय से 9:19 तक, शुभ 10:50 से 12: 20 तक, चर 3:21 से 4:21 तक, लाभ 4:51 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:18, सूर्यास्त 6:22

मेष
परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों में वृद्धि होगी। परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

सिंह
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। मन में असंतोष और भय बना रहेगा।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

वृश्चिक
परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आवश्यक कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त–व्यस्त हो सकती है।

मकर
परिवार में प्रसन्नता–हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ
व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। घर–परिवार में प्रसन्नता–हर्षोल्लास का माहौल रहेगा।

मीन
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। किसी भी कारण से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

गौवंश बचाने की मांग को लेकर भाजपा का सड़क से लेकर सदन तक हल्ला बोल

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने कार्यकर्ताओं के साथ बैरिकेडिंग पर चढ़कर विधानसभा की ओर बढ़ने का प्रयास किया तो पुलिस ने उनके साथ धक्का-मुक्की की और बैरिकेड्स से नीचे धकेल दिया, जिससे उनके पैर और जबड़े में चोट आई।

प्रदर्शन के दौरान पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी के हाथ में भी चोट आई।

- लम्पी बीमारी से जिन पशुपालकों के गौवंश की मौत हुई है, प्रत्येक पशुपालक को राज्य सरकार द्वारा 50 हजार रुपये का मुआवजा दिया जाए : डॉ. पूनियां
- 'अशोक गहलोत सरकार गायों के प्रति संवेदनहीन, लम्पी के उपचार के लिए ना तो कोई एक्शन प्लान बनाया है, ना कोई टास्क फोर्स का गठन किया है, इलाज, वैक्सीनेशन और दवाइयों की राज्य सरकार के स्तर पर कोई उचित व्यवस्था नहीं है, जिससे गायें तड़प-तड़प कर मर रही'

जयपुर। राजस्थान में लंपी स्किन डिजीज से हो रही गायों की मौत, गोवंश की स्वास्थ्य सुरक्षा, वैक्सीनेशन, दवाई एवं इलाज, बढ़ी बिजली दर एवं बिजली कटौती, बेरोजगारी, बिगड़ी कानून व्यवस्था, किसान कर्जमाफी इत्यादि जनहित के मुद्दों को लेकर राजस्थान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां के नेतृत्व व आव्हान पर जयपुर में भाजपा ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ विशाल प्रदर्शन किया। डॉ. सतीश पूनिया के नेतृत्व में भाजपा प्रदेश कार्यालय से लेकर विधानसभा की ओर भाजपा कार्यकर्ताओं ने कूच किया, जहां बाइस गोदाम सर्किल से पहले पुलिस ने उन्हें रोक दिया, इस दौरान पुलिस से तीखी झड़प में काफी कार्यकर्ताओं को चोटें आईं। वहीं पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी के हाथ में व जितेंद्र गोठवाल के अंगुली में चोट आई।

सतीश पूनिया ने कार्यकर्ताओं के साथ बैरिकेडिंग पर चढ़कर विधानसभा की ओर बढ़ने का प्रयास किया तो पुलिस ने उनके साथ धक्का-मुक्की की और बैरिकेड्स से नीचे धकेल दिया, जिससे उनके पैर और जबड़े में चोट आई।

पुलिस के साथ झड़प में पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा, प्रदेश मंत्री जितेन्द्र गोठवाल, लक्ष्मीकांत भारद्वाज, भाजपा जयपुर देहात उत्तर जिलाध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा सहित काफी कार्यकर्ताओं को भी चोटें आईं। विधानसभा की ओर कूच से पहले भाजपा प्रदेश कार्यालय पर डॉ. सतीश पूनिया ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि, गहलोत सरकार गौ हत्यारी सरकार है, अभी श्राद्ध पक्ष चल रहे हैं और जल्द ही प्रदेश की कांग्रेस सरकार का श्राद्ध हो जाएगा, जिससे 2023 में कांग्रेस देश और प्रदेश से हमेशा के लिए मुक्त हो जाएगी। पूनिया ने कहा कि राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार गायों के प्रति संवेदनहीन है, लम्पी के उपचार के लिए इन्होंने ना तो कोई एक्शन प्लान बनाया है, ना कोई टास्क फोर्स का गठन किया है, इलाज, वैक्सीनेशन और दवाइयों की राज्य सरकार के स्तर पर कोई उचित व्यवस्था नहीं है, जिससे गायें तड़प-तड़प कर मर रही हैं और अशोक गहलोत सिर्फ अपनी कुर्सी बचाने और गांधी खानदान को खुश करने में ही व्यस्त हैं, उनका प्रदेश की जनता और गायों के संरक्षण से कोई सरोकार नहीं है।

डॉ. पूनिया ने कहा कि लम्पी संक्रमण से गायों को बचाने का मुददा हम विपक्ष के नाते सड़क से लेकर सदन तक पुरजोर तरीके से उठा रहे हैं, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया और उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के नेतृत्व में भाजपा के हम सभी विधायक मुखरता के साथ लम्पी का मुद्दा उठा रहे हैं। राज्य सरकार से मांग है कि लम्पी बीमारी से जिन पशुपालकों के गौवंश की मौत हुई है, प्रत्येक पशुपालक को 50 हजार रूपये का मुआवजा दिया जाए, जनहित के इन मुद्दों को लेकर जयपुर में आंदोलन का आगाज हुआ है, आगामी दिनों में प्रदेश के अलग-अलग जिलों में इसी प्रकार के विरोध प्रदर्शन होंगे।

भाजपा के प्रदर्शन में राष्ट्रीय मंत्री अल्का गुर्जर, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, प्रदेश मंत्री अशोक सैनी, श्रवण सिंह बगड़ी, विजेन्द्र पूनियां, महेन्द्र जाटव, महेन्द्र यादव, विधायक एवं पूर्व मंत्री वासुदेव देवनानी, विधायक संजय शर्मा, सांसद वरिष्ठ नेता घनश्याम तिवाड़ी, सुमेधानंद सरस्वती, भागीरथ चौधरी, नरेन्द्र खींचड़, सुखवीर सिंह जौनपुरिया, रामचरण बोहरा, रंजीता कोली, मनोज राजोरिया, पूर्व मंत्री राजपाल शेखावत, किसान मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष हरिराम रणवां, युवा प्रदेशाध्यक्ष हिमांशु शर्मा, ओबीसी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना, एससी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल, एसटी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष जितेन्द्र मीणा, महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष अल्का मूंदड़ा, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष एम सादिक खान इत्यादि पदाधिकारी, सांसद, विधायक और भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'दोनों निगम आयुक्त कोर्ट में पेश हों'

- हाईकोर्ट ने दोनों अधिकारियों से पूछा है कि शहर में पुख्ता सफाई व्यवस्था के लिए क्या किया जा रहा है?

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर में सफाई व्यवस्था को लेकर ग्रेटर और हेरिटेज नगर निगम के आयुक्तों को बुधवार को पेश होने के आदेश दिए हैं। अदालत ने दोनों अधिकारियों से पूछा है कि शहर में पुख्ता सफाई व्यवस्था के लिए क्या किया जा रहा है। जस्टिस प्रकाश गुप्ता और जस्टिस अनूप ढंड की खंडपीठ ने यह आदेश प्रकरण में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि शहर में बेहतरीन सफाई व्यवस्था है। डोर टू डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था चलाई जा रही है। वहीं कचरा संग्रहण वाहनों की जीपीएस के जरिए ट्रेकिंग की जा रही है। बाजारों से रात और घरों से सुबह के समय कचरा एकत्रित किया जाता है। शहर के कचरा डिपो हटाए गए हैं और अब तीन हजार के बजाए करीब दो सो कचरा डिपो ही रह गए हैं। वहीं न्यायमित्र विमल चौधरी ने कहा कि मामले में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में कमेटी गठित की गई है। कमेटी आदेश दे देती है, लेकिन उनकी पालना नहीं की जाती। शहर की सफाई व्यवस्था सिर्फ कागजों में ही चल रही है। सुनवाई के दौरान अदालत ने न्यायमित्र से पूछा कि इंदौर में सफाई का पुख्ता इंतेजाम किस तरह किया जाता है। इस पर न्यायमित्र ने कहा कि वहां सफाई पर सालाना सिर्फ तीन सौ करोड़ रुपए ही खर्च होता है। जबकि शहर में 17 सौ करोड़ रुपए खर्च किए जाते हैं, लेकिन फिर भी यहां सफाई व्यवस्था चरमराई हुई है। न्यायमित्र ने आरोप लगाया कि इंदौर में ईमानदारी से काम होता है और यहां भ्रष्टाचार व्याप्त है। शहर में आठ हजार दो सौ सफाई कर्मचारी बताए जा रहे हैं, लेकिन अधिकतर कार्यालयों में दूसरे काम कर रहे हैं। ऐसे में कमेटी का अध्यक्ष होने के नाते मुख्य सचिव को बुलाना चाहिए। इस पर अदालत ने ग्रेटर और हेरिटेज नगर निगमों के आयुक्तों को 21 सितंबर को पेश होने के आदेश दिए हैं।

कांग्रेस विधायकों ने ही घेरा अपनी सरकार को

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में आज प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायकों ने अपने ही मंत्रियों को घेर लिया। सिरोही की अदालत की बिल्डिंग को बनाने में हो रही देरी पर संसदीय कार्यमंत्री शांति धारीवाल के जवाब पर तंज कसते हुए विधायक संयम लोढ़ा ने कहा कि अध्यक्ष महोदय, आपको तो पता ही है इन्होंने मुद्दे को घुमाने में तो पीएचडी कर रखी है।

विधायक हरीश मीणा ने नासिरदा चौकी को थाना बनाने की घोषणा के बावजूद अब तक शुरू नहीं होने पर सवाल उठाए। हरीश मीणा ने पूछा कि मंत्रीजी नासिरदा थाना शुरू होगा या केवल कागजों में ही रहेगा। अभी वहां चौकी है, चौकी पर मुकदमे दर्ज नहीं होते। लोगों को मुकदमे करवाने के लिए 40-40 किलोमीटर चलकर जाना पडता है। इस पर मंत्री शांति धारीवाल ने कहा कि नासिरदा चौकी में स्टाफ लगाया गया है, थाने के लिए जमीन आवंटन का मसला सुलझते ही यह शुरू हो जाएगा।

राजस्थान के राज्य पक्षी गोडावण की संख्या के मामले में बीजेपी विधायक नरपत सिंह राजवी के सवाल के जवाब में वन मंत्री हेमाराम चौधरी ने वाटर हॉल प्रणाली और वाइलड लाइफ इंस्टीट्यूट की गणना के गोडावण के अलग-अलग आंकड़े बताए। नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने इस पर आपत्ति की तो विधानसभाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि ऐसी गणनाओं से कन्फ्यूजन होता है, इसे दूर करना चाहिए।

क्षतिपूर्ति राशि नहीं देने पर जवाब मांगा

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने कोविड के दौरान कोरोना संक्रमित होकर मरे पीएचईडी के अधिशाषी अभियंता के आश्रितों को राज्य सरकार की ओर से निर्धारित पचास लाख रुपए की क्षतिपूर्ति नहीं देने पर मुख्य सचिव, प्रमुख पीएचईडी सचिव और झुंझुनूं कलेक्टर सहित अन्य से जवाब मांगा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश अनीता देवी की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता का पति जयचंद झुंझुनूं में पीएचईडी विभाग में अधिशासी अधिकारी के तौर पर तैनात था। ड्यूटी के दौरान वह कोरोना संक्रमित हो गया और बाद में इलाज के दौरान उसकी संक्रमण के चलते मौत हो गई। याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार की ओर से आदेश जारी किए गए थे कि कोरोना संक्रमण से मरने वाले सरकारी कर्मचारी के आश्रितों को पचास लाख रुपए की क्षितपूर्ति राशि अदा की जाएगी। इस पर याचिकाकर्ता की ओर से क्षितपूर्ति के लिए आवेदन किया। जिसे विभाग ने यह कहते हुए खारिज कर दिया कि याचिकाकर्ता के पति की ड्यूटी कोविड रोकथाम के लिए नहीं लगी थी। ऐसे में उसे क्षतिपूर्ति राशि नहीं दी जा सकती।

राहुल गांधी के साथ सचिन पायलट कोच्चि पहुंच चुके हैं, अशोक गहलोत आज पहुंचेंगे

- मंगलवार को विधायक दल की बैठक अचानक बुलाया जाना और अशोक गहलोत के दौरे का कार्यक्रम तैयार होना इत्तेफाक नहीं है
- वैसे भी विधानसभा सत्र के दो दिन बीतने के बाद सत्र की रणनीति तैयार करने के लिए विधायक दल की बैठक के मायने नहीं होते

जयपुर, (का.प्र.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 21 सितंबर को दिल्ली जा रहे हैं और दिल्ली के बाद वे सीधे भारत जोड़ो यात्रा में जाएंगे। दिल्ली जाने का मकसद यह है कि उनकी कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात होनी है और भारत जोड़ो यात्रा में जाने का मकसद राहुल गांधी से बात करने का है। यहां महत्वपूर्ण यह भी है कि दो दिन पहले ही पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट भी भारत जोड़ो यात्रा में पहुंच चुके हैं और वह राहुल गांधी के साथ चल रहे हैं। ऐसे में निश्चित है कि जब अशोक गहलोत वहां पहुंचेंगे, तो राहुल गांधी के साथ सचिन पायलट और अशोक गहलोत दोनों होंगे। यानी कि कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव से पहले तीनों नेताओं का एक साथ होना सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है।

इधर इससे पहले भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ के विधानसभा में अभिनंदन के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निवास पर रात्रि भोज रखा गया। जिसमें कि पक्ष और विपक्ष के सभी नेता आमंत्रित थे, लेकिन इस आमंत्रण के बाद सबसे महत्वपूर्ण खबर यह हुई कि भोज के बाद में कांग्रेस विधायक दल की बैठक होनी है, जो कि पहले से निर्धारित नहीं थी। ऐसे में कांग्रेस में बदलाव की खबरों के बीच यह विधायक दल की बैठक होना बहुत महत्वपूर्ण खबर बन गई।

कहने को तो कहा गया कि विधायक दल की बैठक इसलिए बुलाई गई है कि विधानसभा का वर्तमान सत्र चल रहा है। उसमें आगे की रणनीति बनाई जाए। वही कांग्रेस अध्यक्ष पद को लेकर भी विधायक दल की ओर से कोई प्रस्ताव दिया जाए, लेकिन राजनीति में हर नेता यही कहता है कि "जो होता है वह दिखता नहीं है और जो दिखता है वह होता नहीं है" यानी कि कांग्रेस विधायक दल की बैठक भी उसी तर्ज पर हो रही है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यही है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कल दिल्ली दौरे पर जा रहे हैं। दिल्ली दौरे से पहले विधायक दल की बैठक बुलाने के सियासी मायने बहुत बड़े हैं, क्योंकि 24 सितंबर से कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल होने हैं और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए सबसे बड़े दावेदार हैं। पिछले शनिवार को नए बने प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्यों की बैठक में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाने की राय पर हाथ खड़े करवाए थे। सभी नेताओं ने राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाने के प्रस्ताव का समर्थन किया था। पीसीसी मेंबर्स के बाद अब विधायकों से भी उसी तर्ज पर हाथ खड़े करवाकर राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव पारित करने के आसार हैं। दूसरी ओर जिस तरह से एक दिन पहले ही कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से शशि थरूर ने मुलाकात की थी और उन्होंने कहा था कि सोनिया गांधी ने स्पष्ट कहा है कि कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव निष्पक्ष होगा और कोई भी उस में चुनाव लड़ सकता है ऐसे में प्रदेश कांग्रेस कमेटी की बैठक या विधायक दल की बैठक में हाथ उठाकर राय जानने का कोई नतीजा नहीं रहने वाला है।

विधायक दल की बैठक में विधानसभा सत्र की रणनीति पर भी चर्चा होगी। हालांकि यह बात इसलिए नहीं मानी जा सकती कि विधानसभा की रणनीति बनाने के लिए या तो विधानसभा सत्र शुरू होने के एक दिन पहले, या विधानसभा सत्र शुरू होने से ठीक पहले उसी दिन विधायक दल की बैठक होती है, लेकिन विधानसभा की 2 दिन की कार्यवाही के बाद विधायक दल की बैठक रणनीति बनाने के लिए है, इस पर यकीन करना संभव नहीं है। आमतौर पर विधानसभा की बैठक से एक दिन पहले ही विधायक दल की बैठक करके रणनीति बनाई जाती है। इस आमतौर पर विधानसभा की बैठक से एक दिन पहले ही विधायक दल की बैठक करके रणनीति बनाई जाती है।

इस बीच खबर यही है कि मुख्यमंत्री और कांग्रेस के होने वाले संभावित राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक गहलोत बुधवार सुबह दिल्ली दौरे पर जा रहे हैं। दिल्ली में गहलोत वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात के बाद दिल्ली से गहलोत राहुल गांधी की भारत जोड़ों यात्रा में शामिल होने केरल जा सकते हैं। दोहरा इसलिए महत्वपूर्ण है कि 24 सितंबर से 30 सितंबर तक अध्यक्ष पद पर नामांकन होने हैं। सियासी हलकों में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का नाम कांग्रेस अध्यक्ष के दावेदारों में चल रहा है। ऐसे में 26 या 27 सितंबर को नवरात्र के दौरान जब कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल होंगे। उसी के साथ तस्वीर साफ हो जाएगी, कि आखिरकार कांग्रेस में आने वाले दिनों में होना क्या है।

पालना रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिये कोर्ट ने

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाइकोर्ट ने राज्य सरकार से चार सप्ताह में प्रदेश के मॉल कोचिंग सेंटर्स, मल्टीप्लेक्स और मल्टी स्टोरी बिल्डिंग में फायर सेफ्टी सिस्टम के संबंध में दिए निर्देशों की पालना रिपोर्ट मांगी है। जस्टिस प्रकाश गुप्ता और जस्टिस अनूप ढंड की खंडपीठ ने यह आदेश कुणाल रावत की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता ने कहा कि जयपुर में बहुमंजिला इमारतों में आग बुझाने के लिए सत्तर मीटर ऊंचा हाइड्रोलिक लेडर मंगवा लिया है और उसे नगर निगम को सुपुर्द किया जा चुका है। इस पर याचिकाकर्ता ने कहा कि आग केवल राजधानी में ही नहीं, बल्कि किसी भी शहर की इमारत में लग सकती है। राज्य सरकार ने अन्य शहरों के लिए कोई व्यवस्था नहीं की है और ना ही फायरमैन के लिए कोई प्रशिक्षण केन्द्र खोला गया है। अदालत ने दोनों पक्षों की बहस सुनकर राज्य सरकार को मामले में दिए गए दिशा-निर्देशों की पालना रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। गौरतलब है कि हाईकोर्ट ने पूर्व में राज्य सरकार को प्रदेशभर के मॉल, मल्टीप्लेक्स, कोचिंग सेंटर्स व मल्टी स्टोरी बिल्डिंग में फायर सेफ्टी सिस्टम के हालातों की जानकारी व इसका सर्वे करने का निर्देश दिया था।जनहित याचिका में वर्ष 2018 में विद्याधर नगर के एक मकान में आग लगने से पांच लोगों की मौत का हवाला दिया।

'जिनको संसद-विधानसभाओं में चर्चा करनी चाहिए, वो सड़कों पर आ गए हैं, शपथ को भी नजरअंदाज कर रहे हैं'

अपने अभिनंदन समारोह में सदस्यों के आचरण पर बोले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

- 'जो आचरण वेल में होता है, उद्दंडता दिखाता है, उसकी सेल्फ लाइफ कुछ घंटों या दिन की होती है, स्टडी के बाद जो विचार यहां व्यक्त करते हों, वो सदियों तक रहते हैं'

जयपुर, (का.प्र.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सांसद और विधायकों के आचरण को लेकर कहा कि आज एक विचित्र और भयावह दृश्य है कि जिनको संसद और विधानसभाओं में चर्चा करनी चाहिए, वो सड़कों पर आ गए हैं। वो कर्तव्यों का निर्वहन नहीं करेंगे तो जो काम उनको करना है वो सड़कों पर होगा। शपथ को भी नजरअंदाज कर रहे हैं।

राजस्थान विधानसभा में मंगलवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अपने अभिनंदन समारोह में बोल रहे थे। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी, सीएम अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचन्द कटारिया मंच पर मौजूद रहे। साथ ही पक्ष-प्रतिपक्ष के विधायक भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि मैं संसद सदस्यों और विधानमंडलों के सदस्यों से कहना चाहता हूँ कि जो आचरण वेल में आकर होता है। जो उद्दंडता दिखाता है उसकी सेल्फ लाइफ कुछ घंटों या दिन की होती है। स्टडी के बाद जो विचार यहां व्यक्त करते हो, वो सदियों तक रहते हैं। विधानमंडल और संसद में अनुशासन बहुत जरूरी है। चर्चा और बहस हो यही लोकतंत्र का अमृत है। हमारे प्रतिनिधियों का आचरण फॉलो करने लायक होना चाहिए। संविधान निर्माताओं ने यही कल्पना की थी। लेकिन आज के हालात गम्भीर और चिन्तनीय है। हम कहां आ गए, क्यों आ गए, किस उद्देश्य से आ गए। संविधान निर्माताओं की आत्मा पर कुठाराघात क्यों कर हैं।

विधानसभा में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को अध्यक्ष डॉ.सी.पी.जोशी ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

धनखड़ ने कहा कि संसद और विधायिका के सामने गहरी चिन्ता का कारण अमर्यादित आचरण हैं, जो सभी सीमाओं को लांघ गया है, कोई कसर बाकी नहीं रही है। समझ में नहीं आता है कि जनप्रतिनिधि अपनी बात कहते हुए संसद और विधासभा में ऐसा आचरण कैसे कर सकते हैं। वह जनता के बीच हंसी का सब्जेक्ट बन गए हैं। प्रजातांत्रिक व्यवस्था और मूल्यों पर इससे क्रूर प्रहार और दर्दनाक कुठाराघात और क्या सकता है। वक्त आ गया है कि इस गम्भीर स्थिति पर हर स्तर पर बड़े लेवल पर चिंतन-मनन हो, इस गिरावट पर अंकुश लगना चाहिए ये सभी के हित में है। इधर अभिनंदन समारोह के बाद कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने सलाह देते हुए कहा कि जगदीप धनखड़ उपराष्ट्रपति हैं और आज अशोक गहलोत ने भी कहा है कि उन्होंने ऐसा कौनसा जादू चलाया है। उनको ममता बनर्जी से लड़ने का ईनाम मिला है। तब उपराष्ट्रपति बने हैं। मैं जगदीप धखकड़ से उम्मीद करता हूँ कि जिस तरह उन्होंने गवर्नर की भूमिका निभाई। उपराष्ट्रपति रहते हुए अब परीक्षा है कि उनको बीजेपी का उपराष्ट्रपति बनकर नहीं दिखना है, जैसे वो बीजेपी के गवर्नर रहकर बंगाल में काम कर रहे थे।

खाचरियावास ने कहा कि धनखड ने पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत का नाम लिया है। भैरोंसिंह शेखावत और चौधरी देवीलाल जी को अपना गुरू कहा है। इसलिए अब धनकड़ को उनके पदचिन्हों पर चलना चाहिए। क्योंकि अब वह बीजेपी के नहीं देश के उपराष्ट्रपति हैं। वह उपराष्ट्रपति बने हैं, राजस्थान का व्यक्ति उपराष्ट्रपति बना इसकी हमें खुशी है। लेकिन अब उनको अपने आप को साबित करना होगा और निष्पक्षता दिखानी ही पड़ेगी।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

आम सूचना मेरे अभिभाष्य नानगराम सैनी पुत्र श्री मोहनलाल सैनी एवं श्रीमती चंपा देवी पत्नी नानगराम सैनी, निवासीयान-289, चौहान का भवन, भोफतका की ढाणी, शिव कुण्डा की तलाई, आमेर, जयपुर के निर्देशानुसार सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उनकी पुत्री मधु सैनी उम्र 18 साल मेरे अभिभाष्य व उसकी पत्नी श्रीमती चम्पा देवी व उनके परिवारजनों के कहने में नहीं है तथा अपनी मनमर्जी का स्वच्छंद जीवन जी रही है। जिसकी वजह से दिनांक 08.03.2022 से मेरे अभिभाष्य व उसकी पत्नी का मधु सैनी से कोई सम्पर्क व व्यवहार नहीं रहा है। मेरे अभिभाष्य व उसकी पत्नी ने मधु सैनी को अपनी तमाम चल अचल सम्पत्ति व भविष्य में अर्जित की जाने वाली सम्पत्तियों से बेदखल कर दिया है भविष्य में यदि कोई व्यक्ति उससे लेनदेन, संव्यवहार करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार रहेगा, ऐसे किसी संव्यवहार व मधु सैनी के किसी कार्य के लिये मेरे अभिभाष्य व उसकी पत्नी व अन्य परिवारजन जिम्मेदार नहीं होंगे। सूचित रहे।
(सुनील कुमार शर्मा) एडवोकेट
जयपुर मो.नं. 9829017211

आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है श्रीमती बीना शर्मा पत्नी श्री कमल कुमार शर्मा, श्री चिन्मय भारद्वाज एवं श्री हार्दिक भारद्वाज पुत्रान श्री कमल कुमार शर्मा निवासी जोशीयों का मोहल्ला, बानसुर जिला अलवर के संयुक्त स्वामित्व व आधिपत्य का एक भूखण्ड प्लाट नं. 243, पार्श्वनाथ नगर, खोखावास सांगानेर जयपुर में स्थित है। उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति का विक्रय माह सितम्बर 2022 में मेरी अभिभाष्या श्रीमती सुनीता देवी पत्नी श्री रामफूल बैरवा एवं श्रीमती ललिता देवी पत्नी श्री टीकमचंद बैरवा निवासी-एफ 304, लालकोठी योजना टोंक रोड जयपुर को कतई विक्रय कर दिया है तथा विक्रित मूल्य की राशि में से अधिकतर राशि श्रीमती बीना शर्मा पत्नी श्री कमल कुमार शर्मा, श्री चिन्मय भारद्वाज एवं श्री हार्दिक भारद्वाज पुत्रान श्री कमल कुमार शर्मा ने प्राप्त कर ली है। इस प्रकार उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति के विक्रय का इकरार निरन्तर अस्तित्व में है। कोई भी व्यक्ति संस्था, कम्पनी इत्यादि उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति के संबंध में कोई संव्यवहार नहीं करे यदि ऐसा कोई संव्यवहार किसी के द्वारा किया जाता है तो वह संव्यवहार मेरी अभिभाष्या के प्रति अवैध, शून्य एवं निष्प्रभावी होगा। भवदीय (दिवाकर टाक) एडवोकेट मो. 9214320290

आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री घनश्याम कुमावत पुत्र स्व. श्री पांचूराम व श्रीमती रामेश्वरी देवी पत्नी श्री घनश्याम कुमावत निवासी- प्लॉट नम्बर 2डी-34, विश्वकर्मा कॉलोनी, शास्त्रीनगर, जयपुर (राज.) का पुत्र बाबूलाल कुमावत उनके कहने -सुनने में नहीं है तथा उसका प्रत्येक प्रकार का कार्य समाज के विपरीत रहा है। इसलिए मेरे अभिभाष्यगण ने अपने पुत्र बाबूलाल कुमावत को तुरन्त प्रभाव से अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से निष्कासित कर बेदखल कर दिया है। यदि कोई व्यक्ति अथवा संस्था मेरे अभिभाष्य के उक्त पुत्र से किसी प्रकार का संव्यवहार, लेन- देन इत्यादि करता है तो उसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी उसकी स्वयं की होगी। सनद रहे।
(रघुवीर शर्मा) एडवोकेट
मोबाईल 9928152008

सूचना आम सर्व साधारण को सूचित किया जाता है के मेरी मुवक्किला श्रीमती अल्लादी पत्नि स्व. मकसूद खां उर्फ तनवीर निवासी 1263, मर्दाना खां की गली, एम.डी. रोड, जयपुर का पुत्र इब्राहीम उसके कहने में नही है तथा गलत सोहबत में है इसलिये मेरी मुवाक्किला ने उसे अपनी जायदाद से बेदखल कर दिया है उसके किसी भी कृत्य से मेरी मुवक्किला का कोई लेना देना नहीं है। जो भी व्यक्ति इब्राहीम से कोई भी व्यवहार करेगा उसका वह व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार रहेगा। कृपया सूचित रहें।
अब्दुल कदीर एडवोकेट जयपुर, मो.नं. 9314882311

खोया पाया
शर्मीन का पासपोर्ट नम्बर H7877346 खो गया है जिस किसी को भी मिले इस मोबाईल नम्बर पर सम्पर्क करें। 9680168396

आदर्श सरस्वती महिला शिक्षा एवं ग्रामीण विकास समिति टोंक के दस्तावेज हमारी गाडी का एक्सीडेंट में गाडी से लेजर बुक, चेक बुक, बिल बॉउचर कहीं गिर गये है मिलने पर तुरन्त संपर्क करें। लोकेश मीणा, 9413381555

नाम परिवर्तन
I have changed my name from Lalu Prasad Rana to Jitendra Singh S/o Girdhari Singh Rana for all purpose Rest.: Ward No. 6, Aloda, Sikar

मैंने अपना नाम अलका अग्रवाल से बदलकर अलका देवी अग्रवाल पत्नी श्री सुरेश अग्रवाल, निवासी प्लॉट नंबर ई-39, श्याम नगर विस्तार, न्यू सांगानेर रोड, जयपुर कर लिया है, मुझे भविष्य में इसी नाम से जाना जाएगा।

मैं श्योजी लाल यादव निवासी चेगा की ढाणी, गोपालपुरा, तह.निवाई (टोंक) हूँ। मेरी पुत्री प्रिया यादव के स्कूल रिकार्ड में गलती से मेरी पत्नी का नाम (छात्रा की माता का नाम) बबली देवी दर्ज हो गया है जबकि अन्य सभी दस्तावेज में गायत्री देवी है। जो सही एवं सत्य है। अतः भविष्य में इसी नाम से जाना जावे। श्योजीलाल यादव, निवासी-चेगा की ढाणी, गोपालपुरा, तह.निवाई (टोंक)

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत-तृतीय **राजस्थान आवासन मण्डल**
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर, दूरभाष संख्या :- 0141-4901853
आम जाहिर सूचना
राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा दुकान संख्या- 50 नाहरी का नाका, जयपुर क्षेत्रफल 3X4.5 वर्ग मीटर का आंवटन श्रीमती कलावती देवी पत्नी श्री कुंज बिहारी मित्तल को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 2424 दिनांक 22.03.1985 जारी किया गया। श्रीमती कलावती देवी की मृत्यु दिनांक 30.09.2006 को हो जाने के कारण श्री विजय कुमार गुप्ता पुत्र स्व. श्री कुंज बिहारी लाल के द्वारा आवेदन पत्र के साथ क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, राशन कार्ड की प्रति, सजरा रिपोर्ट, घोषणा पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर, उक्त दुकान का प्रतिस्थापन अपने नाम करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त दुकान के प्रतिस्थापन के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता- श्री विजय कुमार गुप्ता पुत्र स्व. श्री कुंज बिहारी लाल के पक्ष में उक्त दुकान के प्रतिस्थापन की कार्यवाही कर दी जावेगी।
सम्पदा प्रबंधक- वृत तृतीय, रा.आ.मण्डल, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 99/2022
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री सुयश ध्रुव पुत्र श्री ध्रुव कुमार सक्सेना निवासी एम-42, इंजिनियर कॉलोनी मांगीयास, स्वर्ण गार्डन, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत श्रीमति चेमली देवी कौशिक चेरिटेबल ट्रस्ट, मकान नं. एम-42-6, डी, इंजिनियर कॉलोनी, मांगीयवास जयपुर प्रन्यास के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 15.09.2022 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 23.11.2022
मोहर अदालत
रतनलाल योगी
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

राजस्थान सरकार
सूक्ष्म एवं लघु उद्यम सुविधा परिषद, उदयपुर संभाग
जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र, उदयपुर
मादड़ी इण्ड. एरिया, प्रतापनगर, उदयपुर
E-mail-msefc.udr@rajasthan.gov.in
Rajasthan State Road Development & Construction Corp Ltd, Setu Bhawan, Opposite Jhalana Doongri, Jaipur Agra Bypass, Jaipur 302004

अंतिम नोटिस	विलंबित भुगतान राशि
केस नंबर-RJ/33/S/UDR/00029	- 2,30,383
केस नंबर-RJ/33/S/UDR/00086	- 31,390
केस नंबर-RJ/33/S/UDR/00087	- 52,450

M/s Godha enterprises Ltd. presently known as Godha Enterprises Pvt. Ltd. (ANIL KUMAR GODHA) 222, Ashok Nagar, Udaipur द्वारा आपको आपूर्ति किए गए Solar Plant की विलंबित उपरोक्त राशि का भुगतान आप द्वारा आपूर्तिकर्ता इकाई को नहीं किए जाने के कारण आपूर्तिकर्ता द्वारा एमएसएमईडी एक्ट, 2006 की धारा 18 के अंतर्गत सुविधा परिषद को रेफरेन्स प्रस्तुत करने पर बैठक दिनांक 08.04.21, 05.08.2021/06.08.2021, 20.10.2021/21.10.2021, 10.03.2022, 25.04.2022, 17.05.2022, 16.06.2022, 21.07.2022 में आपूर्तिकर्ता व आपको मीटिंग नोटिस दिनांक 26.03.21, 28.07.21, 05.10.2021, 03.03.2022, 18.04.2022, 12.05.2022, 10.06.2022, 13.07.2022 रजिस्टर्ड डाक/ईमेल से प्रेषित किया जाकर वाद के संबंध में सुविधा परिषद के समक्ष उपस्थित होने हेतु लिखा गया। सुविधा परिषद के समक्ष आपकी ओर से कोई उपस्थित नहीं हुआ। आपके बार-बार अनुपस्थित होने एवं परिषद के निर्देशों की पालना नहीं करने को परिषद द्वारा गंभीरता से लेते हुए प्रकरण में कॉन्सिलेशन की प्रक्रिया को समाप्त कर एमएसएमईडी एक्ट, 2006 की धारा 18 (3) के अन्तर्गत ऑर्बिट्रेशन की प्रक्रिया शुरू करते हुए निर्देशित किया गया कि क्रेता के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर के समाचार पत्र के माध्यम से आपूर्तिकर्ता स्वयं के व्यय पर क्रेता के लिए सुनवाई के अंतिम अवसर की लोक सूचना प्रकाशित करावें।
अतः अंतिम नोटिस के जरिए आपको सूचित किया जाता है कि आपूर्तिकर्ता इकाई को विलंबित बकाया भुगतान न किए जाने के संबंध में अपना प्रत्युत्तर अविलंब प्रस्तुत करें, अन्यथा राजस्थान सूक्ष्म एवं लघु उद्यम सुविधा परिषद नियम-2018 के प्रावधान के अनुसार विलंबित भुगतान चक्रवृद्धि ब्याज लगाकर उपलब्ध तथ्यों के अनुसार अवार्ड पारित कर दिया जावेगा।
(मंजु माली)
उपनिदेशक, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र, उदयपुर
प्रभारी अधिकारी सुविधा परिषद, उदयपुर संभाग

आरोपी आयुक्त खुद ही दे रहे फर्नीचर घोटाले की जांच के आदेश!

जवाब के लिये 30 दिन की थी मियाद, 34 दिन बाद बनी पहली कमेटी

उदयपुर, (कासं)। जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग (टीएडी) में फर्नीचर घोटाला का मामला लोकायुक्त तक पहुंच गया। बावजूद इसके आयुक्त कार्यालय गंभीर नहीं दिख रहा। हैरानी की बात यह है कि जिस आयुक्त के अधीन सिर्फ जनजाति विभाग और उसके अन्तर्गत संचालित संस्थाओं के कार्मिक ही आते हैं, उन्होंने जांच कमेटी में अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर संभागीय आयुक्त कार्यालय व आर.एन.टी. मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों को भी जांच कमेटी में शामिल कर लिया।

सूत्रों के अनुसार इससे पहले जांच हेतु बनाई गई कमेटी में अधीनस्थ कर्मचारियों की कमेटी नियम विरुद्ध बनाई गई। जिसमें आरोपी अधिकारियों को ही शामिल कर लिया गया क्योंकि आयुक्त और स्वच्छ परियोजना के पदेन अध्यक्ष के रहते खुद मामले में आयुक्त राजेंद्र भट्ट, अतिरिक्त आयुक्त वृद्धि चंद गर्ग, वित्तीय सलाहकार समेत क्रय समिति में शामिल जनजाति आयुक्त कार्यालय के अन्य कार्मिक मामले मे आरोपी हैं। ऐसे में लोकायुक्त के निर्देशानुसार आयुक्त के ऊपर के स्तर के अधिकारी द्वारा ही की जा सकती हैं। नियमों की अवेहलना का प्रमाण यह भी है कि प्रमुख शासन सचिव ने जनजाति आयुक्त को ही जांच के लिए प्रकरण भेज दिया। यानी खुद आरोपी अधिकारियों को इस मामले में जांच को अंजाम देना हैं। जांच के दौरान जवाब के लिए गठित विभागीय कमेटी में नियम कायदे ताक पर रख दिए गए।

- आरोपी अधीनस्थ कर्मचारियों को शामिल करने का मामला सामने आने के बाद 53 दिन बाद बनाई दूसरी कमेटी
- दूसरी कमेटी में क्षेत्राधिकार के बाहर जाकर संभागीय आयुक्त कार्यालय और मेडिकल कॉलेज के अधिकारी को किया शामिल
- बिना अधिकार के जनजाति आयुक्त ने संभाग के अधिकारियों को कैसे दिए जांच के निर्देश

दरअसल, लोकायुक्त सचिवालय द्वारा 20 जुलाई को जारी आदेश में यह निर्देश प्रदान किये गये थे कि परिवाद में आरोपित/ वर्णित अधिकारी से जांच ना करवाकर उससे ऊपर की रैंक के अधिकारी से जांच करवाकर लोकायुक्त सचिवालय को तथ्यात्मक प्रतिवेदन 30 दिन में भेजने के आदेश दिए। ऐसे में 30 दिन में जवाब देने की मियाद को ताक पर रखकर जवाब देने के लिए कमेटी आयुक्त द्वारा 34 दिन बाद गठित की गई।

पहली बार जांच कमेटी में अधीनस्थ कार्मिकों को जांच कमेटी में शामिल करने का मामला प्रकाश मे आने पर जनजाति आयुक्त द्वारा लगभग 53 दिन बाद दूसरी जांच कमेटी का गठन किया गया। जिसमें जनजाति विभाग से बाहर संभागीय आयुक्त कार्यालय व आरएनटी मेडिकल कॉलेज के कार्मिकों को शामिल किया गया। तथ्यात्मक रूप से संभागीय आयुक्त और जनजाति विभाग के आयुक्त राजेन्द्र भट्ट ही हैं।

लेकिन जनजाति आयुक्त कार्यालय की ओर से यानी बतौर जनजाति आयुक्त भट्ट के पास जांच कमेटी में संभागीय अधिकारियों या अन्य कार्यालय के कार्मिक को शामिल करने का अधिकार नहीं हैं। बतौर संभागीय आयुक्त वह ऐसा कर सकते हैं, लेकिन आदेश जनजाति आयुक्त कार्यालय से जारी होने के चलते उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं हैं।

फूड लाइसेंस शिविर में अधिकारियों के सामने ही लोगों से हुई अवैध वसूली

निर्धारित फीस 500 की बजाय खुलेआम 800 रुपए की वसूली एक प्राइवेट आदमी से शिविर में ही करवाई गई

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर में फूड लाइसेंस शिविरों को जिम्मेदारों ने काली कमाई का जरिया बना दिया है। हालात ये हैं कि शिविर में सरकार के अधिकारियों के सामने ही लोगों से अवैध वसूली की जा रही है। राज्य सरकार ने छोटे व मध्यम व्यापारियों को राहत देने के लिए जगह- जगह फूड लाइसेंस शिविर लगाने के निर्देश दिए हैं।

जिस समय शिविर में व्यापारियों से अवैध वसूली की जा रही थी उस समय सीएमएचओ कार्यालय धौलपुर के खाद्य सुरक्षा अधिकारी पदम सिंह परमार शिविर में मौजूद थे। मजेदार बात ये है कि जब लोगों ने अवैध वसूली को लेकर जिम्मेदार अधिकारियों से सवाल जवाब किए तो वाकायदा व्यापारियों को 300-300 रुपए वापस किए।

मामला ये है कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय धौलपुर की ओर से मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रानीखेड़ा में फूड लाइसेंस के लिए शिविर लगाया गया। जिसमें लाइसेंस बनवाने के लिए आए लोगों से निर्धारित फीस 500 रुपए की बजाय खुलेआम 800 रुपए की वसूली एक प्राइवेट आदमी से शिविर में ही करवाई गई। जिसकी

- लोगों ने अवैध वसूली को लेकर जिम्मेदार अधिकारियों से सवाल जवाब किए तो वाकायदा व्यापारियों को 300-300 रुपए वापस किए

बाकायदा एक कागज पर एंट्री भी की गई। अब देखना ये है कि चिकित्सा विभाग के एवं जिला प्रशासन के बड़े अधिकारी इस मामले में क्या एक्शन लेते हैं। अवैध वसूली के इस खेल को लेकर धौलपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयंती लाल मीणा से भी बातचीत करने की कोशिश की गई।

लेकिन उनके मोबाइल पर इनकमिंग कॉल की सुविधा उपलब्ध होना नहीं पाया। वहीं इस मामले में अतिरिक्त जिला कलेक्टर धौलपुर सुदर्शन सिंह तोमर का कहना है कि पूरे मामले को लेकर शिविर अधिकारी से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी जाएगी और उसके बाद कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। शिविर में जिन लोगों ने अवैध वसूली की वह लोग कौन थे, इसको लेकर भी रिपोर्ट मांगी जाएगी।

परमवीर मेजर शैतानसिंह की प्रतिमा खंडित की

आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर राजपूत समाज ने पावटा चौराहे पर धरना दिया।

जोधपुर, (कासं)। जिले के फलोदी क्षेत्र में आमला गांव में रामदेव नगर में स्थित परमवीर मेजर शैतानसिंह की प्रतिमा को रविवार रात में असामाजिक तत्वों ने खंडित कर दिया था। जिस पर फलोदी में विवाद होने के साथ जोधपुर शहर में पावटा चौराहा पर मेजर शैतानसिंह की प्रतिमा की आगे राजपूत समाज ने धरना शुरू किया है। समाज के लोगों ने आरोपियों की गिरफ्तारी करने की मांग की है।

बता दें कि रविवार को फलोदी में मेजर शैतानसिंह के गांव आमला में रामदेव नगर में उनकी प्रतिमा को अज्ञात लोगों ने खंडित कर दिया था। इस पर फलोदी में बवाल भी हुआ और जिला एसपी को सात दिन का अल्टीमेटम आरोपियों को गिरफ्तार करने का समाज की तरफ से दिया गया। इधर आज जोधपुर शहर में दोपहर में पावटा चौराहा पर मेजर शैतानसिंह की प्रतिमा के आगे राजपूत समाज के लोगों ने धरना दिया और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग जिला प्रशासन से की।

दो हजार में आंसर की खरीदी

जोधपुर, (कासं)। शहर में आयोजित हुई रेलवे भर्ती परीक्षा में एक अभ्यर्थी को पर्ची से नकल करते पकडा गया। पूछताछ में सामने आया कि उसे परीक्षा केंद्र के बाहर ही अज्ञात शख्स ने आंसर की पर्ची थी, बदले में दो हजार रुपए लिए। परीक्षा में जब वह ऑनलाइन परीक्षा दे रहा था तब पर्ची से नकल मारते पकडा गया। उसे चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। घटना में अब अज्ञात शख्स का पता लगाया जा रहा है। थानाधिकारी जुल्फिकार अली ने बताया कि रेलवे भर्ती परीक्षा का आयोजन होरिजन टेक्निालॉजी परीक्षा केंद्र पर ऑनलाइन हुआ था। तब वहां तैनात वीक्षक कैलाश परिहार ने एक अभ्यर्थी को पर्ची से नकल मारते पकडा। इस पर बाद में आरोपी हरियाणा के हिसार स्थित अकबरवास निवासी राकेश पुत्र रामफल को गिरफ्तार कर लिया गया। थानाधिकारी जुल्फिकार ने बताया कि आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि उसे परीक्षा केंद्र के बाहर एक शख्स मिला था। जिसने परीक्षा में आने वाले प्रश्नों की आंसर-की दी थी। बदले में दो हजार उसके पास थे जोकि उसे दिए गए। परीक्षा पास होने के बाद और रूपए देने की बात की। इस बारे में अभ्यर्थी के खिलाफ राजस्थान परीक्षा अधिनियम में केस दर्ज कर लिया गया।

उप पंजीयक कार्यालय का बाबू 11 हजार 500 रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

पुलिस थाने में गिरफ्तार उप पंजीयक कार्यालय का बाबू।

निवाई, (निसं)। उप पंजीयक कार्यालय में कार्यरत वरिष्ठ लिपिक कमलेश मीणा को भ्रष्टाचार निरोधक टोंक ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य के नेतृत्व में 11 हजार 500 सो रुपये लेते हुए भ्रष्टाचार निरोधक दस्ते ने रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य ने बताया कि सोमवार को परिवादी एडवोकेट जितेंद्र बाकोलिया ने शिकायत दर्ज कराई कि पंजीयन कार्यालय निवाई में मैनें मेरे मुवक्किल की ओर से हनुमान नगर में एक मकान की रजिस्ट्री के लिए करीब 5-6 दिन पहले आवेदन किया था।और उसी दिन क्रेता सुरेश और विक्रेता दयाराम तथा गवाहों के हस्ताक्षर होने के बाद कम्प्यूटर में फोटो ले ली गई थी।

सोमवार को जब रजिस्ट्री लेने पहुंचा तो पंजीयन कार्यालय के वरिष्ठ लिपिक कमलेश मीणा ने परिवादी वकील से कहा कि मकान की रजिस्ट्री की डीएलसी रेट के अनुसार करीब तीस लाख रुपये है। और तीस लाख रुपये का आधा प्रतिशत कमीशन यानी पंद्रह हजार रुपये देने पडेगें। उसके बाद ही रजिस्ट्री पर अधिकारी के हस्ताक्षर होगें। इस पर परिवादी वकील ने कहा कि यह कमीशन राशि तो ज्यादा है। इस पर वरिष्ठ लिपिक कमलेश मीणा और वकील के बीच मकान की रजिस्ट्री पर कमीशन के रूप में साढे ग्यारह हजार रुपये देना तय हो गया। परिवादी वकील की शिकायत पर एसीबी की टीम द्वारा मकान की रजिस्ट्री पर कमीशन के रूप में जा रहे साढे ग्यारह रूपये की मांग की तस्दीक की गई। उसके बाद भ्रष्टाचार निरोधक दस्ते द्वारा साढे 11 हजार रुपये के रंग लगाकर परिवादी को दिए गए। इस पर शिकायतकर्ता वकील एसीबी द्वारा दिए गए कलर युक्त नकदी लेकर पुन: पंजीयन कार्यालय पहुंचा। जहां कलर युक्त कमीशन के साढे 11 हजार रुपये पंजीयन वरिष्ठ लिपिक कमलेश मीणा को दिए। उसी दौरान एसीबी की टीम ने वरिष्ठ लिपिक कमलेश मीणा को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। और गिरफ्तार वरिष्ठ लिपिक के हाथ धुलवाए जिसमें हाथों से कलर छूटा। कार्यवाही जारी है।

थ्री फेस लाइन को तारबंदी से जोड़ा, करंट लगने से आठ पशुओं की मौत

बीकानेर, (कासं.)। गांव 7 पीएचएम (ए) व (बी) में अराजीराज भूमि पर भूमाफियाओं ने अवैध काश्त कर दी। इससे आवारा पशुओं के सामने चरने की समस्या खड़ी हो गई। इतना ही नहीं इन बेजुबान पशुओं के प्रति इन भूमाफियाओं का दिल ही नहीं पसीजा और बिजली का करंट भी छोड़ दिया।

ग्रामीणों का आरोप हैं कि 7 पीएचएम क्षेत्र की सरकारी भूमि पर 16 मुरब्बों में 400 बीघा जमीन पर अवैध काश्त कर बुआई कर दी और भूमि पर घर से बिजली के थ्री फेस कनेक्शन की तार लाकर करंट तारबंदी में छोड़ दिया। इससे 4-5 पशुओं की मौत हो गई और ग्रामीण भी चपेट में आने से बाल-बाल बच गए। इस संबंध में ग्रामीणों ने खाजूवाला एसडीएम श्योराम को ज्ञापन सौंपकर शिकायत दर्ज करवाई हैं। ग्रामीणों का कहना हैं कि खाजूवाला के 7 पीएचएम (ए) व (बी) के मुरब्बा नंबर 179/14, 24, 180/17, 26, 34, 33, 25 की भूमि अराजीराज दर्ज हैं लेकिन कुछ इसी चक के तो कुछ बाहरी भूमाफियाओं ने मिलकर अवैध काश्त के तहत ग्वार की फसल काश्त कर रखी हैं। इसके साथ-साथ सरकारी भूमि के चारों तरफ करंट वाली तारबंदी कर रखी हैं और अराजीराज भूमि से कटानशुदा रास्ता को भी तारबंदी से बंद कर दिया हैं।

काश्तकारों को अपने खेत आने जाने के लिए रास्ता अवरुद्ध होने से

- अवैध काश्त की फसलों को पशुओं से बचाने के लिए भू माफियाओं की बेरहम हरकत

परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं। वहीं पशुपालकों का आरोप हैं कि इस बार अच्छी बारिश होने से अराजीराज पड़ी भूमि पर अवैध काश्त व तारबंदी करने से घास चराने में भी पशुओं को परेशानी खड़ी कर दी हैं। हालांकि ग्रामीणों का आरोप हैं कि संबंधित पटवारी को भी अवगत करवाया था, मगर कोई कार्रवाई नहीं करने से अब तक 4-5 पशु करंट की चपेट में आने से मर चुके है। ग्रामीणों ने 7 पीएचएम (ए) व (बी) की अराजीराज भूमि के रकबों में की गई अवैध फसल को नष्ट करवाकर तारबंदी हटाने की मांग की हैं अन्यथा आंदोलन की चेतावनी दी गई हैं। इस दौरान दलीप कुमार, रामसिंह राजपुरोहित, शिवलाल, परमेश्वर लाल, राजेश, राजूराम, राजेंद्र आदि मौजूद रहे। क्षेत्र में अराजीराज व वन विभाग की जमीन पर अवैध काश्त होने से पशुपालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इसको लेकर खाजूवाला उपखंड प्रशासन को पिछले कई दिनों से अवैध काश्त को लेकर शिकायतें मिल रही थी।

एयर फोर्स में 3 अक्टूबर को शामिल होगा 'एलसीएच' हेलीकॉप्टर

जोधपुर, (का.सं.)। एयर फोर्स स्टेशन जोधपुर ने 3 अक्टूबर को उद्घाटन समारोह के दौरान भारतीय वायुसेना में नया उपकरण जैसे हिन्दुस्तान एयरोनोटिक्स लिमिटेड द्वारा निर्मित "लाइट कॉम्बेट हैलीकॉप्टर" (एलसीएच) को प्रतिष्ठित किया जायेगा। जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर आयोजित होने वाले इस समारोह के दौरान आर्मी के अफसर और सामान्य उच्च पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

1.5 करोड़ की स्मैक जब्त, एक पकड़ा

हनुमानगढ़, (निसं)। आरोपी ने करीब 5 महीने पहले पाकिस्तान में किसी व्यक्ति से संपर्क किया और ड्रोन के जरिए 5 किलो स्मैक मंगवाई थी। ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से मंगवाई गई करीब डेढ़ किलो स्मैक के साथ 1 तस्कर को हनुमानगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। तस्कर से पकड़ी गई स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपए है। आरोपी ने पुलिस पूछताछ में बताया कि उसने करीब 5 महीने पहले अपने साथी के साथ मिलकर पाकिस्तान में किसी व्यक्ति से संपर्क किया और ड्रोन के जरिए 5 किलो स्मैक मंगवाई। इसके बाद उन्होंने श्रीगंगानगर जिले की श्रीकरणपुर तहसील के गांव 4 एफसी में स्मैक की डिलीवरी ली।

तस्कर ने बताया कि उन्होंने 5

- पांच महीने पहले पाकिस्तान से ड्रोन से मंगवाई थी, सप्लाई देने जा रहा था सूरतगढ़

किलो स्मैक में से करीब 3 किलो स्मैक पाकिस्तान से डिलीवरी देने वाले व्यक्ति के कहने पर पंजाब के 2 व्यक्तियों को सप्लाई कर दी थी। बाकी 2 किलो स्मैक उन्होंने अपने पास रख ली। कुछ दिन बाद उन्होंने करीब आधा किलो स्मैक गजानंद उर्फ गज्जु गरुड़ा निवासी 16 डीडबूयूडी रावतसर और 80 ग्राम स्मैक अजय मटोरिया निवासी रावतसर को बेच दी। बची हुई 1 किलो 420 ग्राम स्मैक सूरतगढ़ सप्लाई देने जा रहा था। इससे पहले 12 फरवरी 2021 को भी उसने पाकिस्तान से 35 किलोग्राम स्मैक भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से पाइप के जरिए डिलीवरी ली थी और पंजाब में सप्लाई की थी।

एसपी ने जंक्शन थाना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले का खुलासा किया और बताया कि डीजीपी के निर्देश पर मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए अभियान साहो चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जंक्शन थाना प्रभारी अरुण चौधरी के नेतृत्व में टीम गश्त कर रही थी। इस दौरान मुखबिर की सूचना पर मक्कासर रोड पर बाइक सवार व्यक्ति को रुकवाया। इस दौरान तलाशी लेने पर उसके पास 1 किलो 420 ग्राम स्मैक मिली। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम ओमप्रकाश (44) पुत्र हुकमाराम बावरी निवासी चक 5 आरडबूयूएम थाना रावतसर बताया।

खाटूश्यामजी में सुरक्षा व्यवस्था लेकर निरीक्षण किया

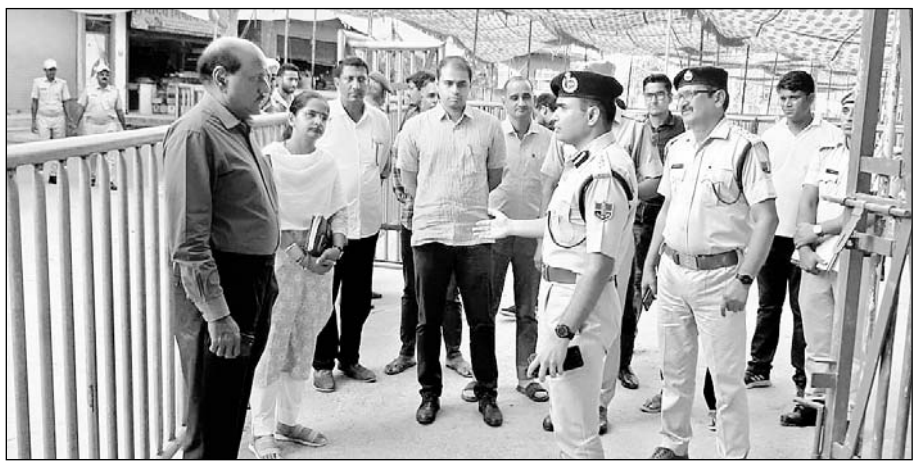

राज्य मानव अधिकार आयोग के सदस्य महेश गोयल ने मंदिर की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

खाटूश्यामजी, (निसं)। कस्बे में बाबा श्याम के दरबार मे राज्य मानवाधिकार आयोग के सदस्य महेश गोयल पहुंचे। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक कुंवर राष्ट्रदीप, रींगस डीवाईएसपी कन्हैया लाल, कार्यवाहक उपखंड अधिकारी अर्चना चौधरी, तहसीलदार विपुल चौधरी, थानाधिकारी सुभाष यादव ने दर्शन

- राज्य मानवाधिकार आयोग के सदस्य ने

व्यवस्थाओं को लेकर जानकारी दी।

मानव अधिकार सदस्य गोयल ने दर्शन व्यवस्था के दौरान भीड़ बढ़ ने पर अतिरिक्त पुलिस जाब्ता लगाने के साथ-साथ सुगमता से दर्शन के लिए दूरी और बढ़ ाने के सुझाव दिए। मानव अधिकार आयोग के सदस्य ने बाबा श्याम के दरबार में पहुंचकर पूजा अर्चना की। श्री श्याम मंदिर कमेटी के ट्रस्टी प्रताप सिंह चौहान व व्यवस्थापक संतोष शर्मा ने व्यवस्थाओं को लेकर जानकारी दी। इस दौरान पत्रकारों से वार्ता के दौरान कहा कि सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ दर्शन व्यवस्था के दौरान भीड़ बढ़ ने पर नियंत्रण को लेकर आवश्यक कदम उठाने के लिए कहा।

आवेदन करने आए लोगों पर हमला

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर के निकटवर्ती करवड स्थित नेतडा गांव में सहकारी समिति चुनाव के लिए अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद के लिए आवेदन करने आए कुछ लोगों पर हमला कर दिया गया। उनसे मारपीट कर दस्तावेज छीनने के साथ सोने की चेन ले गए। पीडित ने करवड थाने में नामजद लोगों के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। इसमें अब जांच की जा रही है।

- सहकारी अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद के लिए
- मामला दर्ज कर जांच की जा रही है

करवड पुलिस ने बताया कि घटना में कास्टी खेडापा निवासी रामदयाल की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसके पिता भैराराम जाट, भंवरलाल मेघवाल आदि नेतडा में सहकारी समिति चुनाव के लिए अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के लिए आवेदन करने आए थे। तब उसके ही गांव कास्टी का रहने वाला पप्पाराम पुत्र किसनाराम जाट आदि वहां आए और पिता से मारपीट की। भंवरलाल मेघवाल को जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया। आरोपी ने दस्तावेज छीनने के साथ सोने की चेन ले गए। पुलिस ने घटना में अब जांच आरंभ की है।

थाने में आत्मदाह का प्रयास करने वाले राधेश्याम की दिल्ली एम्स में मौत

पुलिस की कार्यप्रणाली से नाराज होकर मृतक ने लगा ली थी खुद को आग

कोटा, (निसं)। जिले के नयापुरा थाना में पुलिस की कार्यप्रणाली से नाराज होकर 15 सितंबर को खंड गावड़ी निवासी राधेश्याम मीणा ने खुद को आग लगा ली थी। इस मामले में पहले उसे पुलिसकर्मी आग बुझा कर एमबीएस अस्पताल ले गए थे, जहां से 15 सितंबर की देर रात को ही जयपुर रेफर कर दिया था। वहीं, 17 सितंबर देर रात को ग्रीन कॉरिडोर बनाकर एसएमएस अस्पताल जयपुर से दिल्ली एम्स भेज दिया था, जहां पर उपचार के दौरान मंगलवार को राधेश्याम की मौत हो गई।

कोटा के नयापुरा थाने के सीआई रामकिशन का कहना है कि हमें भी इस तरह की सूचना मिली है। राधेश्याम के मामा के लड़के जोधराज का कहना है कि दिल्ली एम्स में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई और अब पोस्टमार्टम के लिए उनकी बॉडी को ले जाया जा रहा है। इस दौरान उनकी पत्नी अंतिमा भी दिल्ली में ही मौजूद है। राधेश्याम के दोनों बच्चे अलीशा और शिवम कोटा ही हैं। राधेश्याम के आत्मदाह मामले में पुलिस ने घटना के बाद ही कार्रवाई शुरू कर दी थी और 16 सितंबर को क्रॉस केस दर्ज कर लिए गए थे। जिसमें एक मुकदमा राधेश्याम की तरफ से पार्षद हरिओम सुमन, उसके दोस्त अमित खिल्लीवाल और हितेश शर्मा के खिलाफ दर्ज किया गया था। यह मुकदमा एससी एसटी एक्ट और अन्य धाराओं में दर्ज था। जबकि राधेश्याम मीणा के खिलाफ हरिओम सुमन की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया था। इस मामले में पार्षद हरिओम सुमन सहित तीनों आरोपियों को 17 सितंबर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया। जहां से उसे 30 सितम्बर तक जेल भेज दिया था।

हालांकि, इसके बाद पार्षद हरिओम सुमन और अन्य पार्षदों की जमानत याचिका पर 19 सितंबर को सुनवाई हुई थी। जिस पर न्यायालय ने उसे जमानत पर रिहा कर दिया। राधेश्याम के आत्मदाह मामले में सामने आया था कि सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के चलते उसका विवाद शुरू हुआ था। राधेश्याम ने कुछ दिन पहले क्षेत्रीय पार्षद हरिओम सुमन के लिए काम नहीं करवाने और बिजली के पोल और अन्य समस्याओं को लेकर पोस्ट डाल दी थी। इसके साथ ही स्कूल में बेटी अलीशा ने नेशनल मींस कम मेरिट स्कॉलरशिप एग्जाम पास किया था। इसके लिए उसे आठवीं बोर्ड की मार्कशीट के साथ आवेदन करना था, लेकिन मार्कशीट स्कूल से नहीं मिली थी।

जब स्कूल में उसने मांगा, तो स्कूल ने मार्कशीट बोर्ड से आने से इनकार कर दिया। साथ ही कहा था कि रोल नंबर के जरिए ईमित्र से निकलवा लें, रोल नंबर मांगने के दौरान टीचर ने उसे सभी गावड़ी के बच्चों को एक जैसा होने की बात कह दी थी। इस बात से नाराज होकर राधेश्याम ने 2 सितंबर को स्कूल से बच्ची को निकलवाने की धमकी स्कूल के सोशल मीडिया ग्रुप में दे दी थी। इसको लेकर वह लगातार स्कूल के टीचर्स को भी फोन कर रहा था। राधेश्याम ने क्षेत्रीय पार्षद हरिओम सुमन और उसके दो अन्य साथियों पर मारपीट का आरोप लगाया था। जिसमें पुलिस को शिकायत दी थी कि वह घर पर मौजूद था।

इस दौरान क्षेत्रीय पार्षद हरिओम सुमन सोशल मीडिया पोस्ट से नाराज होकर उसके घर पर मारपीट करने पहुंचा है। राधेश्याम का आरोप था कि इस मामले में वह लगातार थाने में जा रहा था। लेकिन उसकी सुनवाई नहीं होने का आरोप परिजन लगा रहे हैं। वहीं हरिओम सुमन ने भी इसी संबंध में शिकायत दी थी। लगातार थाने के चक्कर काट कर हरिओम सुमन परेशान हो गया था। इसी के चलते उसने पेट्रोल डालकर थाने में ही आग लगा ली। राधेश्याम ने 15 सितंबर शाम करीब 7.45 बजे थाने पर पहुंचा। थाने के बाहर गाड़ी खड़ी की। बाइक से पेट्रोल निकालकर अपने ऊपर उड़ेल लिया और थाने के अंदर परिसर में जाकर खुद को आग लगा ली। इस दौरान मौजूद पुलिसकर्मियों ने आग को बुझाया और उसे अस्पताल में भर्ती करवाया था।

जयपुर में डॉक्टर के घर से जेवर-नकदी लूटकर नेपाल भाग रहे 3 बदमाश भरतपुर से गिरफ्तार

पूर्व नौकरानी अनु धामी ने परिचित नेपाली बदमाशों के साथ 19 सितंबर को की थी लूट की वारदात

जयपुर (कासं)। वैशाली नगर में डॉ. मोहम्मद इकबाल भारती को जख्मी कर उनके घर से जेवर और नकदी लूटकर नेपाल भाग रहे 3 बदमाशों को पुलिस ने भरतपुर से दबोच लिया। इनमें डॉक्टर के घर में नौकरानी का काम कर चुकी इस वारदात की मास्टमाइंड अनु उर्फ खिन्तु धामी भी शामिल है। उसके साथ हमलावर सुरेश शाही और प्रकाश उर्फ पुष्पा को भी गिरफ्तार किया। तीनों आरोपी नेपाल के ही रहने वाले हैं।

डीसीपी वंदिता राणा ने बताया कि वारदात की मास्टरमाइंड नौकरानी अनु है, उसने वर्ष 2006 में करीब डेढ़ वर्ष डॉक्टर इकबाल भारती के घर में नौकरी की थी। इसके बाद वर्ष 2009 और 2021 में भी काम किया। उसे लगा कि इस परिवार में सभी लोग डॉक्टर हैं व अच्छा पैसा कमा रहे है, इसलिए उसने वारदात की योजना बनाई।

रक्षाबंधन पर एक नेपाली परिवार के घर में पार्टी के दौरान काफी नेपाली लोग शामिल हुए, जिसमें सुरेश शाही भी मौजूद था। अन्नू से सुरेश की मुलाकात इसके साथ ढाबा चलाने वाले कालू सिंह ने करवाई थी। अन्नू ने सुरेश के साथ मिलकर डॉक्टर इकबाल भारती को लूटने की योजना बताई। उन्होंने दीपक से बात की, जिसने अपने अन्य साथियों से बातचीत कर पूरी प्लानिंग बनाई। डॉक्टर इकबाल भारती को लूटने के लिए इनके 2 साथी भी 18 सितंबर को दिल्ली से जयपुर पहुंचे थे। 19 सितंबर को पूरी गैंग खिरणी फाटक पर इकठ्ठी हुई और शराब पीकर आगे की योजना बनाई।

वैशाली नगर विस्तार में डॉक्टर के घर में लूट की वारदात को अंजाम देकर भागे तीनों बदमाशों को पुलिस ने भरतपुर से पकड़ा।

- जयपुर पुलिस ने भरतपुर के सेवर थानाधिकारी की मदद से आरोपियों को 24 घंटे के भीतर दबोचा
- वर्ष 2006 से डॉ. इकबाल भारती के घर काम कर रही थी नौकरानी अनु, आंखे चैक करवाने के बहाने लूटने पहुंची थी

दिल्ली से जयपुर पहुंचे थे। 19 सितंबर को पूरी गैंग खिरणी फाटक पर इकठ्ठी हुई और शराब पीकर आगे की योजना बनाई।

दिल्ली से आए दोनों बदमाशों से 1 लोहे की रॉड, नकाब और 2 पेचकस खरीदकर मंगवाए। इसके बाद पांचों बदमाशों अन्नू धामी, सुरेश शाही, प्रकाश उर्फ पुष्पा और दिल्ली से आने वाले प्रेम सिंह उर्फ पीयूष तथा धीरेन्द्र हनुमान नगर विस्तार स्थित डॉक्टर के घर पहुंचे। चूंकि अन्नू इस परिवार से पहले से परिचित थी, इसलिये आंखे चैक कराने के बहाने वह सबसे पहले घर में गई। उसे देखकर डॉक्टर ने गेट खोल दिया। तभी पीछे से सुरेश शाही, प्रेम सिंह व धीरेन्द्र भी घर में आ गये। डकैतों के 2 साथी दीपक ठाकुर शाह और प्रकाश बाहर खड़े निगरानी कर रहे थे।

घर में घुसे तीनों लोगों ने डॉक्टर भारती को जख्मी कर बाथरूम में बंद कर दिया। इसके बाद प्रथम मंजिल पर पहुंचे, जहां नई नौकरानी मीना परिहार रसोई में काम करती मिली। बदमाश चुपचाप डॉ. भारती के बेडरूम में घुसे और अल्मारी खोलकर सोने-चांदी के जेवर और नकदी चुराकर फरार हो गए। नौकरानी मीना परिहार ने नीचे आकर बाथरूम का दरवाजा खोला और पडौसियों की सहायता से डॉक्टर इकबाल भारती को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया।

पीड़ित की बेटी डॉ. अर्शीया भारती की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल की मदद से साक्ष्य जुटाये। पुलिस ने बदमाशों की धरपकड़ के लिए शहर में कड़ी नाकाबंदी कराई। आरोपी कोई वाहन लेकर नहीं आए थे, ऐसे में उनके बस-ट्रेन से नेपाल भागने की संभावना देखते हुए रेलवे स्टेशन और बस स्टैंडों पर नजर रखी।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त रामसिंह और वैशाली नगर एसीपी आलोक कुमार के नेतृत्व वैशाली नगर, करणी विहार, चित्रकूट, भांकरोटा, मुरलीपुरा, सिंधी कैंप और डीएसटी टीम समेत कई पुलिस अफसरों की टीम बदमाशों को तलाशने में जुटी।

इसी बीच सिंधी कैंप थानाधिकारी गुंजन सोनी और कांस्टेबल बुद्धराम ने पता लगाया कि दोपहर 3 बजे जयपुर से आगरा होते हुए एक बस गौरी फंटा नेपाल बॉर्डर की ओर रवाना हुई है। चूंकि घटना का समय दोपहर सवा 2 बजे का था तो इस बस से भागने की संभावना ज्यादा लगी। गुंजन सोनी ने बस के ड्राइवर-कंडक्टर से बात कर लूट की घटना और आरोपियों के हुलिये के बारे में बताया।

वहीं एसएचओ गुंजन सोनी भी खुद भी बस के पीछे रवाना हुई। भरतपुर के सेवर थानाधिकारी अरूण को सूचना देकर बस को रूकवाकर चैकिंग करने को कहा। सेवर पुलिस ने जब बस में मौजूद लोगों से पूछताछ की तो इसी बस में डकैती की मास्टरमाइंड अनु धामी मिली। जिसे पुलिस ने राउण्डअप कर लिया। इसके बाद आरोपियों को तलाशते हुए भांकरोटा थानाधिकारी रविन्द्र प्रताप भी सेवर पहुंचे और अनु से पूछताछ की गई।

उसी समय सेवर के पास जयपुर से भरतपुर की ओर रवाना हुई टैक्सी कार आकर रूकी, जिसमें से दो व्यक्ति टैक्सी से उतरकर सड़क किनारे खेतों में भागे, जिनका पीछा किया तो वे लोग झाड़ियों में छुप गये। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाकर दोनों डकैतों को पकड़ लिया। पुलिस शेष बदमाशों की तलाश में जुटी है।

पूर्व विधायक भी सरकारी खर्चे पर कर सकेंगे विदेश की यात्रा

हालांकि स्पीकर की मंजूरी के बाद ही किराये का पैसा मिल सकेगा

जयपुर। प्रदेश में अब पूर्व विधायक भी सरकारी खर्चे पर विदेश यात्रा कर सकेंगे। राज्य सरकार ने इसके लिए कानून में बदलाव किया है। पूर्व विधायकों की विदेश यात्रा के किराए का खर्च उठाने का नियमों में प्रावधान करने के लिए मंगलवार को विधानसभा में बिल पेश किया गया। बहस के बाद ध्वनिमत से सदन में यह बिल पारित हो गया।

मंत्री शांति धारीवाल ने बताया कि राजस्थान विधानसभा (अधिकारियों, सदस्यों की परिलब्धियां और पेंशन) अधिनियम,1956 की धारा 4-घ में एक नई उपधारा 2 जोड़ने के लिए बिल सदन में रखा गया, जिसे विधायकों ने ध्वनिमत से पारित किया। अब राज्य सरकार पुराने प्रावधान बदलने की प्रक्रिया शुरू करेगी। पूर्व विधायक संघ लंबे समय से इसकी मांग कर रहा था। पूर्व विधायक संघ की मांग के बाद राज्य सरकार अब बिल लेकर आई है। विधायकों की तर्ज पर पूर्व विधायकों को भी अब सरकारी खर्चे पर विदेश यात्रा की सुविधा मिल सकेगी। हालांकि पूर्व विधायकों को विदेश यात्रा का किराया तभी मिलेगा, जब पहले विधानसभा स्पीकर से मंजूरी ली गई हो। सरकारी खर्चे पर विदेश यात्रा करने वाले पूर्व विधायकों को पहले स्पीकर से मंजूरी लेनी होगी। जिन पूर्व विधायकों की विदेश यात्रा को स्पीकर मंजूरी देंगे केवल उन्हें ही किराए का पैसा मिलेगा। पूर्व में यह सुविधा भारत के राज्य क्षेत्र के भीतर यात्रा के लिए ही देय थी।

सार-समाचार

भगवान की बाल लीलाओं के प्रसंग सुनाए

जयपुर, (का.सं.)। सुधांशु महाराज के आशीर्वाद से जयपुर स्थित सोमेश्वर महादेव मंदिर में भागवत कथा के चौथे दिन कथा वाचक कुलदीप पांडे ने भगवान की बाल लीलाओं का रास लीलाओं और गोवर्धन पर्वत को एक उंगली में उठाकर रखने का और छप्पन भोग की झांकियों का संगीत मय प्रस्तुतीकरण किया। इसमें सभी श्रोता लाभ उठा रहे हैं और भजनों में तन्मय होकर संगीत के साथ नाच गाकर धूम धाम से कथा का श्रवण कर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग कर रहे हैं और इसी संदर्भ में मैं आपको बताना चाहूंगा कि गुरुदेव सुधांशु महाराज का कार्यक्रम जयपुर में एक दिवसीय भक्ति सत्संग का होने जा रहा है। भागवत कथा का समापन 23 सितंबर को करेंगे। गुरुदेव एवं भक्ति सत्संग का विशेष एक दिवसीय कार्यक्रम तक्षिशला ऑडिटोरियम एमपीएस स्कूल जवाहर नगर में शाम को होगा और इसमें प्रवेश निशुल्क रखा गया है। सभी लोग इसमें आमंत्रित हैं उसके पश्चात गुरुदेव किशनगढ़ जाएंगे जहां पहली बार भक्ति सत्संग का आयोजन किया जा रहा है जो कि आरके कम्युनिटी सेंटर किशनगढ़ में शाम को और इतवार को 25 तारीख को सुबह और शाम का प्रवचन करके गुरुदेव वापस दिल्ली चले जाएंगे।

सोसायटी संशोधन विधेयक पारित

जयपुर (कासं)। विधानसभा में मंगलवार को राजस्थान सहकारी सोसाइटी (संशोधन) विधेयक-2022 को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। विधेयक पर हुई चर्चा के बाद सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने इसके उद्देश्य और कारण बताये। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों के दक्ष कामकाज के लिए लंबी सेवा वाले व अनुभवी सदस्यों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए यह संशोधन विधेयक लाये हैं। राजस्थान सहकारी सोसाइटी अधिनियम-2001 की धारा 28 की उप धारा (7-क) को हटाया गया है। इसमें प्रावधान था कि कोई भी व्यक्ति समिति के सदस्य के रूप में निर्वाचन के लिए पात्र नहीं होगा, यदि वह राजस्थान सहकारी सोसाइटी (संशोधन) अधिनियम, 2016 (2016 का अधिनियम सं. 11) के प्रारंभ के पश्चात् उसी सोसाइटी की समिति के सदस्य के रूप में लगातार दो बार के लिए निर्वाचित या सहयोजित किया जा चुका है। जब तक कि ऐसी समिति के सदस्य के रूप में उसका दूसरा कार्यकाल समाप्त होने की तारीख से 5 वर्ष की कालावधि व्यतीत नहीं हो चुकी है।

'विश्व बंधुत्व के आधार हैं वेद'

जयपुर (का.सं.)। वेद शासन- प्रशासन, न्याय और राजनीति के मूल आधार हैं। वेदों ने इस बात पर जोर दिया है कि जैसे आज परिचय में पिता के साथ माता का नाम जोड़ा जाता है वैसे ही अपराध के अपराधी के साथ भी पिता के साथ माता का नाम भी जोड़ा जाता था। आज एफआईआर में भी केवल पिता का ही नाम जोड़ा जा रहा है जबकि इसमें माता का नाम भी जुड़ना चाहिए। यह बात मंगलवार को राजस्थान संस्कृत अकादमी, राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय और विप्र कल्याण बोर्ड की ओर से हुए राष्ट्रीय वेद सम्मेलन में बीएचयू के प्रो. किशोर मिश्र ने कही। भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के प्रो. सच्चिदानंद मिश्र ने कहा कि वेदों में विश्व बंधुत्व सिर्फ मनुष्य तक सीमित नहीं है बल्कि उसमें सभी जीव-जंतु, पशु-पक्षी और वनस्पतियां भी शामिल हैं। दिल्ली स्थित लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के डॉ. गोपाल शर्मा ने वैदिक स्वरों की विशेषता बताई। संस्कृत विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुधी राजीव ने वेदों में स्त्रियों की स्थिति की चर्चा करते हुए नारी शिक्षा पर जोर दिया। डॉ. सरोज कोचर कहा कि मनुष्य में मनुष्यत्व का आना बहुत जरूरी हैं, तभी वेदों का अनुसरण हो पाएगा।

आईएचएचए कन्वेन्शन का उद्घाटन कल

जयपुर, (का.सं.)। भारतीय विरासत को पुनर्जीवित करने के उदेश्य से 9वें इंडियन हेरिटेज होटल्स एसोसिएशन (आईएचएचए) एनुअल कन्वेंशन का उद्घाटन राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र द्वारा 22 सितंबर को सुबह 11 बजे होगा। कन्वेंशन 22 और 23 सितंबर को बिशनगढ़ के अलीला फोर्ट में आयोजित किया जाएगा। भारत में हेरिटेज टूरिज्म को प्रमोट करने की तरफ एक प्रयास के साथ कन्वेंशन का मुख्य फोकस भारतीय विरासत को पुनर्जीवित करने पर होगा। आईएचएचए कन्वेंशन 2022 की थीम रीकार्नेशन ऑफ इंडियन हेरिटेज इन एंड अराउंड द हेरिटेज होटल्स - लेट देयर बी आर्ट, कल्चर, हेरिटेज एट अल इन द एयर है। उद्योग के विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न प्रकार के अनूठे सेशंस और प्रजेंटेशंस जैसे - अनुभवात्मक पर्यटन (एक्सपीरिएन्शीयल टूरिजम) और सस्टेनेबिलिटी, हेरिटेज आर्किटेक्चर, युवा और पारिवारिक व्यवसाय, वन्यजीव पर्यटन, सोशल मीडिया की उपस्थिति आदि, मेम्बर्स और डेलिगेट्स के बीच ज्ञान साझा करने के दिलचस्प अवसर प्रदान करेंगे। यह जानकारी अध्यक्ष, आईएचएचए, रणधीर विक्रम सिंह मंडावा ने दी।

हमलावर को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा

जयपुर । सांगानेर इलाके में मारपीट के मामले में गिरफ्तार किए डीएनटी के पूर्व अध्यक्ष गोपाल केसावत को न्यायालय ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। गोपाल केसावत के खिलाफ टोंक के मास्टर ज्ञानसिंह ने 14 सितम्बर को उन पर जानलेवा हमला करने का मामला दर्ज कराया था। इस पर पुलिस ने मौके पर ही आरोपी केसावत को गिरफ्तार कर लिया था। इस दौरान पुलिस ने उसे पूछताछ के लिए चार दिन के रिमांड पर लिया था। सोमवार को रिमांड पूरा होने पर फिर उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से अदालत ने उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजने के आदेश दिए।

रक्तदान और चिकित्सा शिविर आज

जयपुर । समाजसेवी अजय यादव की प्रथम पुण्यतिथि पर बुधवार को बडोदिया बस्ती, रेलवे स्टेशन पर प्रात: 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक रक्तदान व चिकित्सा शिविर लगाया जाएगा। आयोजक भाजपा के पूर्व पार्षद और चेयरमैन अजय यादव ने बताया कि शिविर महात्मा गांधी अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में होगा। संजय यादव ने बताया कि शिविर में जनरल मेडिसिन, हड्डी एवं जोड़ रोग, प्रसूति एवं स्त्री रोग, नेत्र रोग की जांच होगी।

'लम्पी रोग का इनपुट अप्रैल में मिला तो 27 जुलाई तक क्यों सोती रही सरकार?'

कांग्रेस सरकार की इसी लापरवाही से प्रदेश में लाखों गौवंश की अकाल मृत्यु हुई : गुलाबचंद कटारिया

जयपुर (कासं) । गौवंश में फैल रहे लम्पी रोग पर मंगलवार को सदन में करीब सवा 3 घंटे चर्चा हुई। इस बीच कई बार कांग्रेस-भाजपा विधायकों में गौसेवा के मुद्दे पर तीखी बहस हुई। नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि केन्द्र सरकार ने जब अप्रैल महीने में ही इस बीमारी का इनपुट दे दिया था तो फिर राजस्थान का पशुपालन विभाग 27 जुलाई तक क्यों सोता रहा? सरकार की इसी लापरवाही के कारण प्रदेश में लाखों की संख्या में गौवंश काल का ग्रास बना है। ऐसे में जो भी अधिकारी इसके लिए जिम्मेदार हैं, उन पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई।

जवाब में पशुपालन मंत्री ने भी जब लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन नहीं दिया तो सभी भाजपा विधायक नाराज होकर वॉक आऊट कर गए। विपक्ष के वॉकआउट पर मंत्री लालचंद कटारिया ने कहा कि वॉकआउट करने से काम नहीं चलेगा। लंपी रोग से सबको साथ आकर लड़ना है।

दरअसल दोपहर 12 बजे सदन में लम्पी रोग पर विधायकों ने अपनी बात रखी। नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने राजस्थान में गौवंश की मृत्यु के लिए राज्य सरकार को दोषी ठहराया। उन्होंने सरकार की नीतियों पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि जब अप्रैल महीने में ही लम्पी रोग का इनपुट मिल गया था तो फिर इतनी देरी से कदम क्यों उठाया गया? अप्रैल में बीमारी का पता लगा और 27 जुलाई को विभाग चेत रहा है, यह विभाग है या क्या है, मजाक बना रखा है। सांसद कोष से रकम मांगने वाले पहले यह तो बताएं कि विधायक कोष से कौनसी दवा खरीदी? पैसा देने के बावजूद पैसा नहीं पहुंचता है। मंत्रीजी आप अपने महकमे को टटोलो। यह तो आमजन, गौ भक्तों और गौशालाओं ने खुद के स्तर पर इलाज की व्यवस्था कर ली, इसलिए कुछ गौवंश बचा है। अन्यथा सरकार की गंभीर लापरवाही ने तो पशुधन को बर्बाद कर दिया था।

- पशुपालन मंत्री ने विभाग के लापरवाह अफसरों पर कार्रवाई करने का आश्वासन नहीं दिया तो विपक्ष ने वॉकआऊट किया

इससे पहले बीजेपी विधायक ज्ञानचंद पारख और उप नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने लंपी रोग को लेकर गहलोत सरकार पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सरकार लंपी रोग की रोकथाम में नाकाम रही है। सरकार में इच्छाशक्ति की कमी है, लापरवाही और अनदेखी की गई, जिसकी वजह से गायों की मौत हुई और इसके लिए सरकार जिम्मेदार है।

उपनेता राजेन्द्र सिंह राठौड़ ने कहा कि राज्य सरकार को इसे राज्य आपदा घोषित करना चाहिए। गौवंश को बचाने के लिए भाजपा विधायक दल सरकार के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि पशु अधिनियम के तहत पशुओं में फैलने वाली बीमारी का इलाज कराने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है। निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लंपी बीमारी पर नियंत्रण के लिए विधायकों को आगे आने की पहल की और विधायकों ने इसमें मदद की। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर आइसोलेशन सेन्टर खोलने चाहिए। उन्होंने मांग की किप्रत्येक तहसील में चिकित्सा मोबाइल यूनिट शुरु करे ताकि घूम घूमकर गायों का इलाज किया जा सके। चर्चा की शुरुआत विधायक ज्ञानचंद पारख ने की और इसमें विधायक मदन प्रजापत, गिरधारी लाल विश्नोई, किशनाराम विश्नोई सहित अन्य कई विधायकों ने भाग लिया।

पांच हजार रु. रिश्वत लेते वरिष्ठ लिपिक गिरफ्तार

जयपुर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने मंगलवार को कलक्ट्रेट स्थित उपमहानिरीक्षक पंजीयन व मुद्रांक कार्यालय में वरिष्ठ लिपिक को पांच हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। आरोपी ने एसीबी जाल में फंसने पर रिश्वत की राशि सड़क पर फेंक दी। सर्च के बाद भी नोट नहीं मिले तो एसीबी ने आशंका जताई है कि कोई राहगीर रिश्वत की राशि उठा ले गया।

एसीबी के डीजी बी.एल. सोनी ने बताया कि परिवादी ने रजिस्ट्री के लिए एक वर्ष पहले 95 हजार रुपए के स्टांप खरीदे थे, लेकिन रजिस्ट्री नहीं हुई। राशि वापस लेने के लिए स्टांप विभाग में जमा करवा दिए। रिफंड दिलाने के बदले महुवा निवासी वरिष्ठ लिपिक विनय कुमार ने परिवादी से पांच हजार रुपए मांगे। एसीबी ने आरोपी को ट्रैप करने से पहले 12 व 16 सितम्बर को रिश्वत मांगने का सत्यापन किया। परिवादी मंगलवार को कलक्ट्रेट पहुंचा। यहां गेट नंबर तीन के पास चाय की थड़ी पर आरोपी विनय कुमार ने उससे रिश्वत के रुपए ले लिए। उसने परिवादी को कार्यालय में आने के लिए कहा और चल दिया। आरोपी को एसीबी की भनक लग गई, तभी खुद के कार्यालय में पहुंचने से पहले ही उसने रुपए फेंक दिए। एसीबी ने उसको पकड़ा तो रुपए नहीं मिले। हाथ धुलवाने पर रुपयों पर लगाया रंग उसके हाथों पर मिल गया। तलाश के बाद भी रुपए नहीं मिले। काफी पूछताछ के बाद आरोपी ने रुपए रास्ते में फेंक देना बताया। एसीबी को आशंका है कि रुपए कोई राहगीर उठा ले गया। एसीबी ने बताया कि रिश्वत की राशि पर लगाया गया रंग उसके हाथ पर मिलने पर उसे गिरफ्तार किया है। रुपए रिफंड करने का अधिकार किसको है, इसकी जांच कर रहे है।

मयंक अग्रवाल को मिला लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार

जयपुर । केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने एशिया-प्रशांत प्रसारण विकास संस्थान (एआईबीडी) की 47वीं वार्षिक सभा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर केंद्रीय सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन, सूचना एवं प्रसारण सचिव अपूर्व चंद्रा और एआईबीडी की निदेशक फिलोमेना ज्ञानप्रगसम भी उपस्थित थे।

इस दौरान कंबोडिया के सूचना और संचार मंत्री खिउ खानहरित को 2021 के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया गया। 2022 के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और एआईबीडी के अध्यक्ष मयंक अग्रवाल को प्रदान किया गया।

केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि मुख्यधारा के मीडिया के लिए सबसे बड़ा खतरा नए जमाने के डिजिटल प्लेटफॉर्म से नहीं, बल्कि खुद मुख्यधारा के मीडिया चैनलों से है। वास्तविक पत्रकारिता वही है, जिसमें तथ्यों की प्रस्तुति के साथ सच्चाई को दिखाते हुए सभी पक्षों को अपने विचार रखने के लिए मंच प्रदान किया जाता है।

तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से युवक की मौत

जयपुर । हसनपुरा टी-प्वाइंट पर सोमवार देर रात ओवर स्पीड ट्रक ने एक युवक को रौंद दिया। शरीर के बीचों-बीच ट्रक का टायर चढ़ने से उसकी मौत हो गई। रोड पर कुचले पड़े शव को उठाने में पुलिस को 4 घंटे लग गए। मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को एसएमएस हॉस्पिटल की मॉच्यूरी में रखवाया है।

पुलिस ने बताया कि हादसा सोमवार रात करीब 11:45 पर हसनपुरा टी-पाइंट पर हुआ। 30 वर्षीय युवक हसनपुरा रोड पर राजीव नगर की ओर पैदल जा रहा था। इसी दौरान ओवर स्पीड ट्रक ने पीछे से उसके टक्कर मार दी। रोड पर गिरने के बाद ट्रक से रौंदते हुए ड्राइवर फरार हो गया। रोड एक्सीडेंट की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। युवक की बॉडी रोड पर चिपकी हुई मिली। पुलिस कंट्रोल रूम की सूचना पर ट्रक और ड्राइवर की तलाश शुरू की गई। हसनपुरा तिराहे से एक्सीडेंट कर करीब 4 दूर तक ड्राइवर ट्रक को भागा ले गया। श्याम नगर सब्जी मंडी के पास पुलिस ने ट्रक को पकड़ लिया। पुलिस ने ट्रक जब्त कर रोड नंबर-14 पुलिया क्रेन हाउस पर खड़ा करवाया। पुलिस ट्रक ड्राइवर शंकरलाल को पकड़कर थाने ले आई। पुलिस ने मौका-मुआयना किया, लेकिन मृतक की पहचान नहीं हुई।

पिछले 24 घंटे में प्रदेश में 3 करोना संक्रमितों की मौत

राज्य में मंगलवार को 109 नए रोगी मिले हैं, जबकि 174 रिकवर हुए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या में पिछले कई दिनों से कमी आई है, लेकिन इससे होने वाली मौतों का सिलसिला अभी पूरी तरह नहीं रूक पाया है। राज्य में मंगलवार को करोना से तीन लोगों की मौत हो गई है। वहीं 109 नए संक्रमित मिले हैं। हालांकि इस बीच थोड़ी राहत कि बात यह है कि राज्य में 174 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 1089 रह गए हैं।

प्रदेश में मंगलवार को करोना संक्रमण से दौसा में 2 और जयपुर में 1 संक्रमित की मौत हो गई है। इसके साथ ही राज्य में अब तक इस बीमारी से 9637 लोगों की जान जा चुकी है।

उधर राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 21 जिलों में 109 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले सोमवार को 87 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में आज 25 नए संक्रमित मिले हैं।

इसके अलावा राजसमंद में 23, प्रतापगढ़ व अलवर में 7-7, कोटा में 6, सीकर में 5, भीलवाड़ा, दौसा, डूंगरपुर व जोधपुर में 4-4, बांसवाड़ा व बीकानेर में 3-3, उदयपुर, सवाई माधोपुर, हनुमानगढ़, चित्तौड़गढ़ व अजमेर में 2-2 तथा बारां, जालौर, नागौर और पाली में एक-एक नया संक्रमित मिला है। इस बीच राज्य में जांच के लिए 12 हजार 125 सैम्पल लिए गए हैं।

- जयपुर में सबसे ज्यादा 25 नए मरीज पाए गए हैं।

राज्य में मंगलवार को भी नए संक्रमितों के मुकाबले में अधिक रिकवरी हुई है। इस दौरान 174 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 1089 रह गए हैं। जयपुर में भी 32 मरीजों के स्वस्थ्य होने से 250 एक्टिव केस रह गए हैं।

जयपुर में पिछले चौबीस घंटों में 14 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा मानसरोवर और सोड़ाला में 4-4 नए मरीज पाए गए हैं। इसके अलावा मालवीय नगर में 3, चांदपोल, जगतपुरा, जवाहर नगर व वैशाली नगर में 2-2 तथा सी-स्कीम, चौमू, झोटवाड़ा, कालवाड़, कोटपूतली और सिरसी में 1-1 नया संक्रमित मिला है।

संयम लोढ़ा की टिप्पणी पर सदन में हुआ हंगामा

जयपुर (विसं)। लम्पी रोग पर चर्चा के दौरान विधानसभा में उस वक्त जमकर हंगामा मच गया, जब निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा ने केन्द्र की मोदी सरकार को बीफ निर्यात में अव्वल बता दिया। लोढ़ा ने यहां तक आरोप लगा दिया कि "वर्ष 2014 में सत्ता में आने के बाद मोदी सरकार ने बीफ निर्यात में महारत हासिल की है और डॉलर कमाने के लिए गौवंश के कत्लखाने खोल दिए। यहां तक कि क़त्लखानों में काम आने वाले मशीनों पर सब्सिडी भी दी जा रही है।"

संयम लोढ़ा की इस टिप्पणी से सदन में जमकर हंगामा मच गया। सभी भाजपा विधायक अपनी सीट पर खड़े होकर लोढ़ा का विरोध जताने लगे। इस बीच सभापति राजेन्द्र पारीक ने बीचबचाव कर काफी जद्दोजहद के बाद मामला शांत कराया।

साथ ही सभी विधायकों को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि अगर ऐसे ही भड़काऊ भाषण देकर माहौल बिगाड़ा तो चर्चा खत्म कर मुझे सीधे मंत्री का जवाब दिलाना पड़ेगा।

लोढ़ा ने आरोप लगाते हुए कहा कि वसुंधरा राजे 10 साल राजस्थान की मुख्यमंत्री रही, लेकिन लम्पी रोग के लिए विधायक कोष से एक रूपया नहीं दिया। 5 भाजपा सांसदों ने 80 लाख रुपये की अनुशंषा की थी, लेकिन मोदी सरकार ने एक रूपया नहीं दिया।

गौवंश के बाद भैंसों व हिरणों में फैल रहा लम्पी रोग : लालचंद कटारिया

'बारां को छोड़कर प्रदेश के 32 जिले इस वायरस से संक्रमित, नए वैरियंट से संक्रमण और मौतें बढ़ी'

जयपुर (कासं)। पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया ने बताया कि लम्पी वायरस गायों के बाद अब भैंसों और हिरणों में भी फैल रहा है। हरियाणा में कई भैंसें संक्रमित मिली है। इसे देखते हुए हमने प्रदेश में टीकाकरण की गति बढ़ा दी है। प्रदेश के 32 जिले इस रोग से संक्रमित है, फिलहाल लंपी का नया वैरियंट चिंता का कारण है, इससे संक्रमण तेजी से फैल रहा है और मौतें बढ़ रही है। उन्होंने यह जानकारी सदन में लम्पी रोग पर चर्चा का जवाब देते हुए दी।

उन्होंने कहा कि देश में लंपी रोग वर्ष 2019 में उडीसा, आंध्रप्रदेश, बिहार, झारखंड एवं पश्चिम बंगाल में फैला। इसके बाद वर्ष 2020 में गोवा, असम, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश राज्यों में पहुंचा। वर्ष 2021 में दिल्ली में कुछ स्थानों, राजस्थान के हनुमानगढ़, झुंझुनूं, बांसवाड़ा, जयपुर, झालावाड़ और भरतपुर में यह बीमारी फैली लेकिन इसका बहुत कम असर था और नुकसान नहीं था। गत अप्रैल में जैसलमेर, मई-जून में बीकानेर संभाग, अगस्त में कोटा संभाग सहित राज्य के बारां जिले को छोड़कर 32 जिलों में गौवंश में यह बीमारी फैल गई। राज्य सरकार सजग है और कोविड की भांति लंपी से लड़ने का काम कर रहे है।

लालचंद कटारिया ने स्वीकारा कि भारत सरकार ने हमें गोटा पॉक्स दिलवाई। गोटा पॉक्स बनाने वाली कंपनी ने हमें वैक्सीन देने से मना कर दिया था। मैंने केंद्रीय पशुपालन मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला को इसके बारे में बताया, तो उन्होंने कंपनी के एमडी से बात की और वैक्सीन दिलवाई। हमें जो भी गोटा पॉक्स दवा मिली है, उसका पूरा पैसा राज्य सरकार ने दिया है। अब राज्य में 500 से अधिक पशु एंबुलेंस की खरीद की जा रही है। विधायक कोष से पशु एंबुलेंस खरीदना भी शीघ्र अनुमत हो जाएगा। उन्होंने कहा कि पशु चिकित्सा कार्मिकों की कमी दूर करने के लिए 200 पशु चिकित्सक अर्जेंट टेम्परेरी बेसिस (यूटीबी) पर नियुक्त किए गए हैं। 300 पशुधन सहायकों की भी यूटीबी पर नियुक्ति की जा रही है। 1436 पशुधन सहायकों की भर्ती प्रक्रिया पूर्ण होने वाली है, जिनमें से 730 पशुधन सहायकों को फील्ड में नियुक्त कर दिया है, चयन बोर्ड से सूची आते ही शेष पदों पर भी शीघ्र नियुक्ति दे दी जाएगी। साथ ही 900 पशु चिकित्सकों की भर्ती के लिए परीक्षा कराकर दस्तावेज सत्यापन का कार्य किया जा चुका है, उच्च न्यायालय से अनुमति मिलते ही तुरंत यह पद भर दिए जाएंगे। राज्य सरकार ने 150 करोड़ रुपए खर्च कर 6 लाख पशुओं का बीमा करने की घोषणा की थी, जिसकी प्रक्रिया भी जल्द पूरी कर ली जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पशुओं का बीमा बीजेपी राज में ही बंद किया गया था।

- गोटा पॉक्स वैक्सीन का पूरा खर्चा राज्य सरकार उठा रही है, लेकिन केन्द्रीय पशुपालन मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला की मदद से यह दवा हमें मिलने लगी : पशुपालन मंत्री

ARBiT
it happens here...

National Chai Day

National Chai Day is celebrated on September 21 and it is a day held in appreciation of a globally healthy and beneficial drink. Chai, also referred to as Masala chai, is a sweet Indian tea beverage with a slight hint of spiciness, traditionally consisting of aromatic spices like cardamom, nutmeg, cinnamon, and pepper. National Chai Day officially commenced in 2018 and is said to have been founded by Somrus, the world's first line of Indian liquors. There are several ways to enjoy chai, including having it iced, hot, or as part of a sumptuous dish.

राष्ट्रदूत
WEDNESDAY
21 September 2022
A-B

#CULINARY COLLABORATION

Looking at the increasingly growing preference for vegetarianism and veganism and with the objective of elevating the culinary offerings of Zolocrust (the 24x7 eatery of Clarks Amer), Australian Chef Simon Toohey and Arjun Kumar of Zolocrust are curating a one-of-its-kind plant-based barbecue menu for the city's foodies as well as hotel guests.

Australian Chef Fires Up Zolocrust

Chef Simon Toohey from Australia working in the kitchen at Zolocrust, Clarks Amer.

Tusharika Singh
Freelancer writer and city blogger

Back in November 2015, Zolocrust made a mark in the Pink City by being the first-of-its-kind bakery that runs 24x7. What also made this restaurant unique was its idea of having chefs as the frontrunners of the eatery. In addition to whipping up food for the customers, they also take proactive interest in other operations of the restaurant such as taking orders as well as serving the dishes to the customers. When veganism had not even made proper

Chef Simon Toohey with the team at Zolocrust, Clarks Amer.

inroads in the dietary regulations of people, Zolocrust was serving its desserts and savouries in dairy free as well as gluten free variants.

Plant Based Barbecue Menu

Now that increasingly more and more people are turning towards vegetarianism and veganism, an all-new plant-based barbecue menu is being introduced at the eatery. It is difficult to think of barbecue sans any meat or the quintessential paneer if you are a vegetarian. But only if you have not watched the Masterchef Australia finalist, Simon Toohey cook up a storm with only vegetables in the popular cookery reality show. It was this skill of Toohey's coupled with his ethos of high food quality, sustainability and using local ingredients that inspired Arjun Kumar, the man behind Zolocrust, to invite Toohey to the Pink City and collaborate with him on designing a new barbecue menu for city's foodies as well as hotel guests and train and support the staff at the eatery.

"I am a big fan of Masterchef Australia and while watching the show, I was highly impressed with Toohey's skill of cooking with vegetables. It is easy to bring flavour with meat but pleasing palates with vegetables is where the challenge lies. The idea of collaborating with Chef Toohey is to give a fresh perspective to our culinary team and make vegetables a hero in our menu and enhance their flavours by using the elements of fire and smoke", shares Arjun Kumar, while shedding light on the objective of this culinary collaboration.

Chef Toohey has been trying to stick to a plant-based diet for the last six years now. Ask him what challenges he faces in trying to cook sans animal and dairy products and he says: "It has been difficult to cook and especially bake without eggs and butter. Also, people generally think of a vegetarian dish as mushy and boring. But by using fire and smoke one can really enhance their flavours and elevate the dining experience". Elaborating his experience of working with the team at Zolocrust, Chef Toohey, who is on a 10-day visit to the Pink City, says: "The ethos of the hotel which focuses on sustainability, minimal plastic usage and using ingredients that are grown locally is what attracted me to this collaboration. There is also a fully equipped poly house and kitchen garden in the hotel premises where most of the vegetables are grown .In these 10 days, I am trying to understand the local spices and ingredients, how they grow and change with seasons and how best to work with them to introduce new dishes."

An array of Vegan Offerings

The Simon specials in the barbecue menu will include a plethora of interesting options for vegans. Some of these include Zucchini with Roasted Yeast Cream Chilli Oil, Char grilled beans with garlic and lemon, Barbecue red cabbage steak with cabbage cream and apple mustard, roasted beetroot with beetroot molasses and labney, Roasted Pumpkin with black rice salad and pickled onion, among others.

Where: Zolocrust, Lobby Level, Hotel Clarks Amer, Jawahar Lal Nehru Marg, Jaipur
When: Open all day

Chef Simon Toohey.

The whole day passed. The professor had not spoken a word. The surgeon felt this was so because no flaw had been found in his 'perfection'. At the end of the day he could no longer hold back his curiosity and when the surgeon and his professor were settled in the surgeon's room for a cup of coffee he asked the professor for his comments. The professor began by complimenting him upon his performance. Thereafter he listed out so many imperfections that the surgeon was flabbergasted. The professor pointed out that although his surgical skills neared perfection many other things in the OT needed to be modified. He was told that he was autocratic and even rude to his staff. He was fussy about trivialities which caused unnecessary tension. He also often forgot to thank his team for the good job done.

Perils of Perfectionism

Dr Goutam Sen
CTVS Surgeon
Traveller
Story teller

#JUST SO

Gurumukh Nihal Singh was appointed the Governor of Jaipur in his late 70's. One night, he fell in his bathroom. This is quite common at this age. He fractured both his thigh bones. Dr. P K Sethi, the doyen of Orthopaedic Surgery, was asked to see him and do the needful. Fortunately the breaks were clean and the Governor was advised surgery to fix him up at the earliest. Being a former politician he had a coterie who had to give advice even when it is not asked for. Despite being seen by one of the eminent orthopaedic surgeons of the country it was not considered enough- Gharki Murgi…… After all VIP's are not expected to be treated in their home town. The minimum is that they be referred to AIIMS New Delhi. The Governor was not willing to travel to Delhi. So if Mohammed cannot go to the mountain the reverse needed to be done! So the chief of Orthopaedic surgery, Dr. Dave, was commanded to come to Jaipur and operate. He was graceful enough to request Dr. Sethi to join him in the surgery. Two teams operated simultaneously- one for each side. The work was done swiftly and properly.

After the main surgery it is customary that the muscle repair and the skin stitches are left for the assistants to complete. Dr. Dave noticed that Dr. Sethi was doing the closure too. So he too began to do the closure although he had probably not done this in his institution for long. When the last skin stitch was put in and the surgeons went for their customary cup of coffee the anaesthetist could not refrain from commenting about the skin stitches on both sides. While the ones done by Dr. Sethi were meticulously spaced and looked like the guard of honour lined up for a VIP, the ones done on the other side looked like a ragged line put together in a random fashion. It would matter little how the scar looked after healing.

The Governor was not likely to display them in public while wearing a brief. What mattered was the aesthetics. Dr. Sethi was a perfectionist. Everything had to be just so! This was not just for surgery but even for his paan. It had to come from a special shop near Sanganeri gate. The other shops did not give him the high that this perfect one did. I also remember how particular he was about his clothing and foot wear. He would go for sharp creased trousers and tweed jackets. He had a soft corner for moccasins.

Although there is never a perfect operation, the outcome has to be perfect. This kind of performance needs huge dedication and a constant critical self-assessment. Each operation should be at least as good as the previous one if not better. A perfectionist will also demand the same from all others who work alongside. There is a price to pay. The highest rate of divorce is among Cardiac Surgeons in the USA.

Probably a legacy of his days in England.

Work-Life Balance

In the medical profession perfectionism is an absolute must for most practitioners. At the end of the day after completing a long list of surgeries when one returns to the hospital chamber and finds a heap of reports to be studied and prescriptions to be written there is always a tug in the mind. The tired body and mind wants to go home while another portion does not allow one to do so because it realises that all these papers represent anxious patients who need to be reassured and treated. The constant refrain is that although being perfect is important - is there a limit to perfectionism? Being perfect is a requirement not just in the medical profession. In the end a compromise has to be reached between work and family. This is indeed a very thin grey line which may differ in perception from person to person.

I spent nearly forty five years in the medical profession in the exacting life of a cardiac Surgeon. I realised very early the expectation of the patients was a priority. Family and other social responsibilities were lower down in the scale. It soon became a matter of pride that each surgery should be done to perfection. It should not only be upto one's own satisfaction but also of the people who assist or observe. Although there is never a perfect operation, the outcome has to be perfect. This kind of performance needs huge dedication and a constant critical self-assessment. Each operation should be at least as good as the previous one if not better. A perfectionist will also demand the same from all others who work alongside. There is a price to pay. The highest rate of divorce is among Cardiac Surgeons in the USA. As a cardiac surgeon and author, Atul Gwande, thought he was doing a good job and had achieved perfection in most of his surgeries. He then decided to invite a retired professor to come and observe him in his operation suite for a day. This was to cater to the small niggardly thought in his mind that he may still be lacking in some aspect in his craft. I also suspect that he was trying to give his ego a boost. The professor came into the OT with a pad and pencil and sat in one quiet corner to observe.

The whole day passed. The professor had not spoken a word. The surgeon felt this was so because no flaw had been found in his 'perfection'. At the end of the day he could no longer hold back his curiosity and when the surgeon and his professor were settled in the surgeon's room for a cup of coffee he asked the professor for his comments. The professor began by complimenting him upon his performance. Thereafter he listed out so many imperfections that the surgeon was flabbergasted. The professor pointed out that although his surgical skills neared perfection many other things in the OT needed to be modified. He was told that he was autocratic and even rude to his staff. He was fussy about trivialities which caused unnecessary tension. Similarly often ignoring constructive suggestions from the staff made the task unnecessarily difficult. He also often forgot to thank his team for the good job done. He was presumptuous and thought that all others who did a good job were just doing their work properly. Atul realised that self-assessment is a poor way of checking on perfection.

Workaholism

The term Perfectionist can be a compliment and conversely a derogatory term. Workaholicism is often considered to be bad trait and yet it becomes a part of normal professional life. It can be an obsessive compulsion disorder (OCD) as well as a matter of pride and even a necessity. Even the menial most jobs will require a degree of perfection. Take for example, the role of an airplane maintenance mechanic. His pre-flight check-up determines the safety of all the passengers who will fly in that aircraft. The person has to be a perfectionist. A cursory check may lead to a disaster at 30,000 feet with dire consequence.

There have been articles written on the 'Perils of Perfectionism'. Dr. Scott Abramson writes on Med Page today about it. There is no point on discussing 'pathological perfectionism' where the person flushes the toilet five times or spends a long time in correcting the grammar of a simple email (again hard to differentiate from OCD). One needs to establish an 'everyday perfectionism'.

One cannot discount striking a balance between work and family life. I have worked for most of my life under pressure as a cardiac surgeon. Despite being advised to establish a degree of equality between the two I have realised in retrospection that I did not do justice to my family and society.

My response against perfectionism is as follows:

Perfectionism is rooted in the apprehension of failure. It is absolutely important to have a sense of uncertainty in our lives as a motivator. Fear of making a mistake, of doing harm to a patient, may motivate us to become better doctors. Frankly, I believe every doctor should have a healthy fear of incompetence in his psyche. For

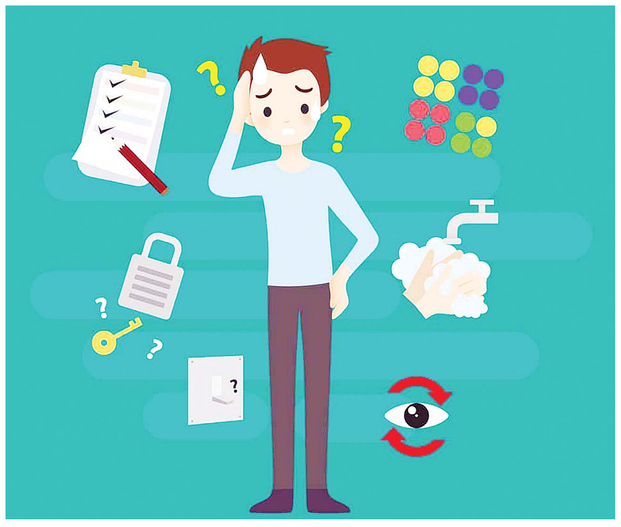

Perfectionism is rooted in the apprehension of failure. It is absolutely important to have a sense of uncertainty in our lives as a motivator.

that matter all professions will do better if they cater to a similar philosophy.

I do not have an answer to perfectionism. I do not have the ability to strike a work-life balance. I still wake up in the middle of the night thinking about a task I have postponed. I still worry about the patient who should have been informed of his biopsy report the day it arrived. I still ponder about the surgery I am going to do next morning despite having done the procedure so many times. Each of us has a different ratio. To be productive, happy and fulfilled is a mirage. The nearer you go to it the dimmer it becomes.

Scott Abramson goes on to say that if there is an answer, it comes from accepting, not denying, the real perfectionism within us. It comes with the understanding of all its perils. Somehow in the face of this we must learn to make that 'authentic' perfectionism for the benefit of ourselves and our patients.

Perfectionism is a target which is achieved only by riding roughshod over many well-meaning companions. It is also a cause of feeling isolated, inadequate and lonely in one's career. It is a price we have to pay to be at the top!

writetoarbit@rashtradoot.com

#TRIED&TASTED

Tea Tales!

If the image of a "kadakadrak waali chai" is enough to get your heart racing beyond measure, we are sure you'd love some interesting takes on this classic Indian hot drink.

Chai is a religion in India, and we, the loyal devotees! So much so, that even the burning temperatures aren't a deal breaker. A cup of chai is a dose of comfort, a honeypot for family banters, and a warm hug on sick days.

And if the image of a "kadakadrakwaali chai" is enough to get your heart racing beyond measure, we are sure you'd love some interesting takes on this classic Indian hot drink. So, come along, as we take you through these unusual chai variations!

Kashmiri Noon Chai

Ingredients

- **3** tablespoons Kashmiri chai / tea leaves
- **1/4** tablespoon salt
- **2** cups water
- **2** cups ice cold water
- **2** cups full cream milk
- **7-8** saffron strands
- **6-7** green cardamom pods, crushed slightly (optional)
- **1/4** teaspoon baking soda
- **Sugar** according to your taste
- **Sliced** almonds or crushed almonds and pistachios

Preparation

1. Pour 2 cups water, Kashmiri chai (green tea leaves), crushed cardamom and baking soda in a pan.
2. Stir well with a ladle, and let it come to a boil. Keep pouring vigorously with a ladle as shown in the video. Let the tea mixture steep well and boil on medium-low heat until the water is reduced to half. It would take about 18-20 minutes.
3. Turn off the heat and add 2 cups of cold water. Adding ice-cold water helps in holding the strong pink colour.
4. Pour it vigorously again with the ladle for about 1 minute.
5. Turn on the heat and let it boil again for 10 minutes on medium heat.
6. Add sugar and salt, or only salt, or only sugar. Let it boil again.
7. Keep stirring the mixture and add the milk to this steeping tea mixture.
8. Boil for about 10 minutes. The more you boil this tea, the stronger, rich and creamier the tea will be.
9. Strain the tea into cups, and add sliced almonds or crushed dry fruits.
10. Serve it with your favourite snacks and enjoy it.

Kesar Masala Chai

Ingredients

- **1 & ½** tablespoon tea powder
- **10** strands saffron soak in milk/ water
- **½** teaspoon crushed ginger
- **1** cardamom
- **¼** teaspoon chai masala
- **¾** cup milk
- **¾** cup water
- **1** teaspoon sugar

Preparation

1. Boil water in a pan and add tea leaves (powder) to it. Give it a boil for one minute.
2. Add in soaked saffron, crushed ginger, cardamom, chai masala, sugar, milk and simmer for 3 minutes.
3. Filter through a metal strainer.
4. Heat up the serving cups by filling hot water in it for a while (use up for watering plants or wash vessels). Serve the tea in hot cups.

Sulaimani Chai

Ingredients

- **1** cup Water
- **¾** teaspoon Ginger
- **1** Cardamom
- **1** Clove
- **½** teaspoon Tea Leaves
- **1** teaspoon Jaggery
- **½** teaspoon Lemon Juice
- **2-3** Fresh Mint Leaves

Preparation

1. Use a mortar and pestle to lightly crush the whole spices together. Keep aside. Next, lightly pound ginger to release the juices. Alternatively, you could also grate the ginger using a fine grater/zester. Keep this aside as well.
2. Add water to a pot and bring it to a slow simmer. Add the crushed whole spices, ginger and tea leaves. Allow it to simmer for 5-7 minutes. If you are using whole jaggery, add it at this stage so it can dissolve completely. Turn off the heat. If you are using powdered jaggery, you can add it in at this stage. Also add in the freshly squeezed lemon juice and mint leaves and mix to combine.
3. Strain and pour into a chai glass or a mug, and consume while hot.

THE WALL

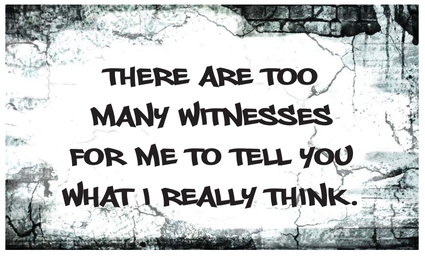

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

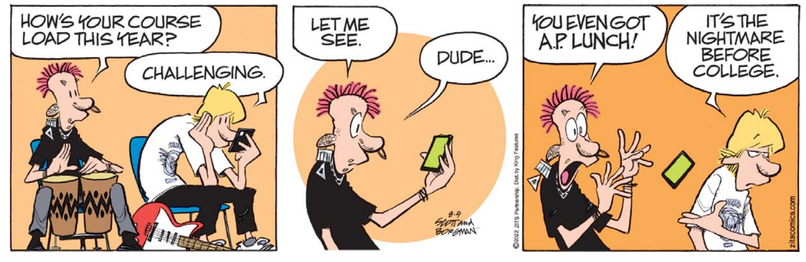

रोडवेज बस व ट्रॉले की आमने-सामने भिड़ंत, छह घायल

सड़क पर जमा गंदा पानी बना हादसे का कारण

चूरू, (कासं)। रोडवेज बस व ट्रोले के आमने सामने की भिड़ंत में छह जने घायल हो गये। मिली जानकारी के अनुसार शहर के बिसाऊ रोड पर मंगलवार दोपहर करीब दो बजे रोडवेज बस व ट्रोले की आमने-सामने भिड़ंत हो गयी। जिससे हादसे में रोडवेज बस चालक सहित छह जने घायल हो गये। जिन्हें एंबूलेंस से राजकीय डेडराज भरतीया अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में उपचार के लिए ले जाया गया। जहां घायलों का इलाज किया गया।

हादसा उस समय हुआ जब रोडवेज बस चूरू से झुंझुनूं जा रही थी। तभी बिसाऊ रोड पर टीवीएस एजेंसी के सामने मोड़ पर सामने से आ रहे ट्रोले व बस में भिड़ंत हो गयी। हादसे में बिसाऊ निवासी दुर्गाप्रसाद,, झुंझुनूं निवासी सुमित्रा, बिसाऊ निवासी अब्दुल माजीद, शाबा, बहरोड़ निवासी प्रवीण कुमार व बस चालक चिड़ावा निवासी प्रमोद कुमार घायल हो गये। हादसे के बाद एक बार तो बस में बैठे यात्रियों में हड़कंप मच गया। हादस इतना भीषण था कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। बस चालक प्रमोद अपने कैबिन में बुरी तरह फंस गया। लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद चालक को बाहर निकाला। हादसे के बाद सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गयी।

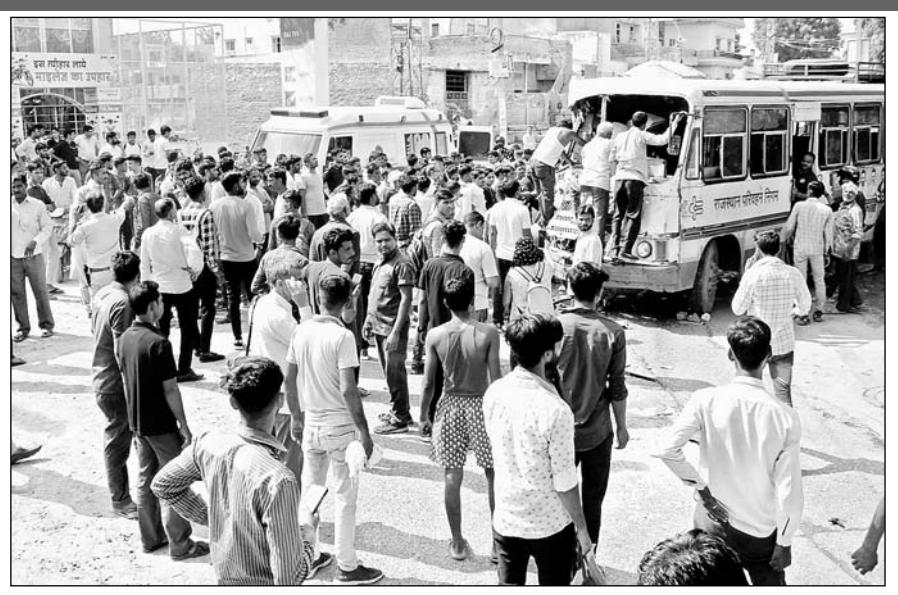

चूरू में बिसाऊ रोड पर रोडवेज बस व ट्रोले में आमने-सामने की भिड़ंत हो जाने से बस चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया जिसे लोगों ने बड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला।

- घायलों को भरतीया अस्पताल में उपचार के लिए लाया गया
- घटना के बाद वाहनों की कतार लगने से यातायात प्रभावित हुआ

सूचना मिलने के बाद कोतवाली पुलिस थाना के एसआई रमेश कुमार पन्नू पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे। जिन्होंने घायलों को 108 एंबूलेंस से अस्पताल पहुंचाया। चालक को बस से बाहर निकलवाकर पुलिस ने रास्ता खुलवाकर वाहनों को निकाला। वहीं ट्रोले में कंकरीट भरी हुई थी। जो झुंझनूं से रावतसर लेकर जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रोडवेज बस व ट्रोले के आमने सामने की भिड़ंत का मुख्य कारण सड़क पर जमा गंदा पानी था। पानी से बचाकर दोनो ही वाहन निकालना चाह रहे थे कि अचानक आमने-सामने आने से जबरदस्त भिड़ंत हो गई। गौरतलब है कि चूरू शहर में सड़कों पर नालियों का पानी बहकर सड़कों पर आ जाता है। जिसके कारण कभी भी कोई हादसा घटित हो सकता है। शहर में जहां पर कुंओं से पेयजल सप्लाई होता है वहां पर रात दिन पानी नलों से बहता रहता है। जिससे पानी की बर्बादी तो होती ही है। वही पानी नालियों में आगे निकासी नहीं होने से सड़कों पर आ जाता है। जिससे सड़क भी क्षतिग्रस्त हो रही है। पानी के कारण डामर की सड़कों पर बड़े गड्ढे बन जात हैं। जिसमें से वाहन चालक बचकर निकलने के चक्कर में हादसे का शिकार हो जाते हैं।

थाने में आपस में जमकर भिड़े किन्नर, एक-दूसरे के कपड़े फाड़े

अजमेर के तोपदड़ा क्षेत्र में बधाई लेने को लेकर हुआ विवाद

बधाई को लेकर आपस में भिड़े किन्नर थाने में शिकायत देने पहुंचे।

अजमेर, (कासं)। तोपदड़ा क्षेत्र में बधाई लेने को लेकर किन्नरों के दो गुट भिड़ गए। यहां जमकर मारपीट हुई। इसमें दो किन्नर गम्भीर घायल होकर बेसुध हो गया। जिसे उपचार के लिए जवाहर लाल नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया है। किन्नरों ने एक दूसरे को नकली बताकर अवैध वसूली का आरोप लगाया। बाद में किन्नर क्लॉक टावर थाने पहुंचे और वहां भी पुलिस के सामने एक-दूसरे से मारपीट कर दी।

जानकारी के अनुसार, तोपदड़ा में कुछ किन्नर बधाई लेने के लिए गए। इस दौरान दूसरा गुट आ गया और एक दूसरे पर अवैध व जबरन वसूली का आरोप लगाते हुए कहासुनी हुई। इसी बीच दोनों में जमकर मारपीट हो गई। इस दौरान एक किन्नर शिवानिया जख्मी हो गई, जिसे जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय लेकर गए। जहां उपचार चल रहा। इसके बाद किन्नरों के दोनों गुट क्लॉक टावर थाने पहुंचे। यहां पुलिस के समक्ष भी जमकर मारपीट हुई। इस दौरान एक दूसरे के कपडे फ़ाड़ दिए। किन्नर काजल बाई का कहना रहा कि सांसी बस्ती की औरते व उनके बेटे अवैध वसूली करते है। इनमें कुछ किन्नर है लेकिन वे गलत काम करते हैं। उनको शामिल नहीं कर सकते। बधाई के लिए गए उनके चेलों पर हमला कर जख्मी किया। थाने आए तो यहां भी मारपीट की।

दिव्या बाई ने कहा कि वे भी किन्नर है और उनको भी एरिया मिलना चाहिए। उनको बाहर कर दिया। अब जब वे बधाई के लिए जाते है तो लड़ाई झगड़ा करते है। सावे में तो साथ रखते है और बाद में निकाल देते हैं। हम कहां जाएंगे। आज भी मारपीट की।

क्लॉक टावर थाने के उपनिरीक्षक केसाराम ने कहा कि किन्नरों में झगड़ा हुआ और थाने भी आए। शिकायत दे मिलेगी तो नियमानुसार कार्रवाई करेंगे।

डीपी से तेल चोरी की वारदातों का पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

ब्यावर, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक चुनाराम जाट ने बताया कि अजमेर के ब्यावर सदर, नसीराबाद खरवा, मांगलियावास अजमेर शहर पीसांगन आदि जगह पर डीपी चोरी की वारदात के सम्बन्ध में कई वारदात हो रखी थी। जिस पर पुलिस अधीक्षक द्वारा जिला स्पेशल टीम को चोरी की वारदातों के खुलासे के लिए निर्देशित कर रखा था। पुलिस थाना ब्यावर सदर नसीराबाद सदर, मांगलियास पीसांगन आदि जगह पर प्रकरण दर्ज किया जाकर अनुसंधान जारी किया गया है।

जिला पुलिस अधीक्षक अजमेर ने बताया कि स्पेशल टीम वारदात के आधार पर पूर्व में चालानशुदा मुल्जिमानों का डाटा बेस तैयार कर सभी से पूछताछ की गई। घटना के सम्बन्ध में मुखबीर द्वारा भी जानकारी ली गई। इसी दौरान जिला स्पेशल टीम के हिम्मत तौषिक व गजेन्द्र मीणा को मुखबीर द्वारा सूचना मिली कि अजमेर में ब्यावर, नसीराबाद, मांगलियावास, खरवा के आस-पास हो रही डीपी चोरी की वारदात में संदिग्ध सरगना मस्तान व उसके साथी सुरेन्द्र अपनी संदिग्ध टैम्पो में खरवा के आस-पास होटल के पास खड़े है और अपने साथी का इंतजार कर रहे है। जिनको तुरन्त पकड़ा जाये तो डीपी चोरी वारदातों के साथ अन्य वारदातों का खुलासा हो सकता है। सूचना मिलते ही थानाधिकारी ब्यावर सदर मय जाप्ता, स्पेशल टीम के सदस्यों द्वारा बताये गये स्थान पर जाकर संदिग्ध आरोपियों मस्तान और सुरेन्द्र को पकड़ा जिनसे मौके पर एक पिकअप बरामद की गई। जिन्होंने पूछताछ के दौरान वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया। चोरी गये माल के सम्बन्ध में पूछताछ जारी है। वारदात में लिप्त साजन और हीरा भी है।

आरोपियों द्वारा मांगलियावास बाईपास हाईवे के पास, खरवा स्कूल के पास रास्ते पर, पीपलाज रीको एरिया व गांव के पास, मसूदा पुलिया के पास, देलवाडा पुलिया के पास, गढी थोरियान, लामाना पुलिया, आदर्शनगर एरिया के पास, नसीराबाद के आस-पास, बिटूर पचभद्रा के आस-पास पिछले 3 साल में लगभग ब्यावर सदर, मांगलियावास, नसीराबाद, अजमेर, मसूदा, खरवा जवाजा भीम आदि जगह से कुल 200 से भी ज्यादा चोरी करना स्वीकार किया है।

खेत में महिला का शव मिला

भरतपुर, (निसं)। सेवर थाना क्षेत्र के गांव झारौली व बांसी खुर्द के समीप एक खेत में महिला का शव मिलने पर क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव की पहचान विस्दा गांव निवासी ब्रजेश की पत्नी सुलेखा के रूप में की गई। जिस पर सेवर थाना पुलिस ने मृतका के शव का जिला अस्पताल मोर्चरी में पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। बताया जा रहा है कि सुलेखा अपने घर से बिना बताए सात सितंबर को चली गई थी। जिस पर उसके ससुरालीजन ने उसकी सब जगह तलाश की लेकिन उसका पता नहीं चल सका। जिस पर ब्रजेश ने सुलेखा की गुमशुदगी की रिपोर्ट सेवर थाना पर दर्ज कराई थी। वहीं उसकी तलाश भी की जा रही थी। वहीं शव की सूचना मिलने पर ब्रजेश ने परिजनों के शव को देखा और शव की पहचान सुलेखा के रूप में की। फिलहाल पुलिस घटना के अनुसंधान में जुटी हुई है।

पशु क्रूरता रैली प्रकरण में 11 लोगों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया

जोधपुर, (कासं)। शहर में रविवार को डॉक्टर रजनीश गाला द्वारा कुत्ते को अपनी चलती कार से घसीटने के विरोध में सोमवार को पशु प्रेमियों की तरफ से रैली निकाली गई। रैली के बाद पशु प्रेमियों ने डॉक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई को लेकर मेडिकल कॉलेज प्राचार्य को ज्ञापन भी दिया।

रैली छंटने के समय ही एक खुरापाती युवक ने रैली में युवती से छेडछाड कर डाली। जिससे माहौल बिगड गया और जोरदार विरोध प्रदर्शन हुआ। युवक के साथ रैली में आए लोगों ने मारपीट करनी शुरू कर दी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर छेडछाड करने वाले युवक को गाडी में डाल दिया। गाडी की खिडकी पास में ट्राफिक निरीक्षक गोविंद व्यास खडे थे। तब किसी ने हेलमेट को हवा में उछाल दिया जिससे उनके सिर पर चोट लगी। साथ ही धक्काधूम में उनके पैरों पर भी चोट आई। बिगडे माहौल के बीच पुलिस ने छेडछाड करने वाले युवक सहित वहां रैली में आए दस अन्य लोगों को शांति भंग में गिरफ्तार किया। आज इन सभी को कोर्ट में पेश किया गया।

युवती ने अपने साथ हुई छेडछाड की रिपोर्ट युवक के खिलाफ दी। वहीं ट्राफिर निरीक्षक गोविंद व्यास की तरफ से राजकार्य में बाधा डाले जाने का प्रकरण दर्ज करवाया गया।

शास्त्रीनगर थानाधिकारी जोगेंद्र सिंह ने बताया कि सोमवार की शाम को पशु प्रेमियों की तरफ से पशु क्रूरता को लेकर रैली निकाली। यह रैली थाने के सामने से रवाना होकर शास्त्री सर्किल होते हुए बाद में मेडिकल कॉलेज प्राचार्य के घर तक आई। रैली की अगवानी शंकरनगर निवासी कुलदीप खत्री पुत्र अर्जुनदास खत्री की तरफ से की जा रही थी। रैली में शामिल पशु प्रेमी डॉक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई को लेकर प्राचार्य के घर के बाहर प्रदर्शन करने लगे। बाद में रैली में शामिल लोगों ने एक ज्ञापन भी डॉक्टर के खिलाफ प्रिंसीपल को दिया।

थानाधिकारी जोगेंद्र सिंह ने बताया कि रैली छंटने लगी तब एक युवक नागौर जिले के मूंडवा निवासी अर्जुन चौधरी ने रैली में युवती से छेडछाड कर ली। इस पर युवती ने विरोध जताया। जिससे माहौल गर्मा गया। युवक से रैली में आए लोग मारपीट भी करने लगे। पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए अर्जुन चौधरी को गाडी में बिठा दिया। उसे गाडी में बिठाए जाने के समय यातायात पुलिस निरीक्षक गोविंद व्यास गाडी की खिडकी के पास में खडे हो गए। रैली में आए लोग आरोपी को बाहर निकालने पर अड गए और पुलिस से धक्काधूम करने लगे।

थानाधिकारी ने बताया कि किसी ने हेलमेट हवा में उछाल दिया जिससे निरीक्षक व्यास को वह चोट लग गई। पुलिस से धक्काधूम और पुलिस को कार्रवाई करते रोक ने पर राजकार्य में बाधा डालने का प्रकरण दर्ज किया गया है। वहीं युवती ने भी आरोपी युवक के खिलाफ छेडछाड में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने आरोपी अर्जुन चौधरी सहित दस अन्य को शांति भंग में गिरफ्तार किया है।

शिक्षक नियुक्त करने के लिए छात्र बीकानेर पहुंचे

बीकानेर, (कासं)। सोढ वाली के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शिक्षकों की मांग को लेकर पिछले 6 दिनों से चल रहे आंदोलन में मंगलवार को ग्रामीण व स्टूडेंट्स आक्रोशित हो गए। प्रशासन व शिक्षा विभाग द्वारा मांग नहीं मानने पर जिला मुख्यालय पैदल कूच किया है। वर्तमान में इस स्कूल में 500 से अधिक स्टूडेंट्स है लेकिन 14 पद रिक्त चलने व 2 शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति होने से विद्यार्थियों की पढ़ाई चौपट हो रही है। लगातार 6 दिन से चल रहे आंदोलन में अब तक शिक्षा विभाग ने कोई सुध नहीं ली है। सोमवार को धरना स्थल पर उपखण्ड अधिकारी संजीव कुमार वर्मा व ब्लॉक मुख्य शिक्षा अधिकारी रेवन्तराम पड़िहार ने ग्रामीणों व विद्यार्थियों से वार्ता की। लेकिन ग्रामीणों व विद्यार्थियों ने प्रशासन व शिक्षा विभाग द्वारा मांग पूरी नहीं करने तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया। वहीं प्रशासन व विभाग का रूख देखकर मंगलवार को कूच शुरू किया।

इस दौरान श्रवण कुमार कायल सहित ग्रामीण भी मौके पर मौजूद थे। बताया कि ग्रामीण युवा शक्ति सहित विद्यार्थियों के भविष्य के लिए सब एकजुट है। सरकार को विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं करने दिया जायेगा। 6 दिन धरने के बावजूद सुनवाई नहीं हुई। आखिर जिला मुख्यालय कूच कर मांगें पूरी करवाई जायेगी। गांव के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में वर्तमान में 500 से अधिक स्टूडेंट्स के लिए मात्र 10 का स्टाफ है। इनमें से दो शिक्षकों का करीब तीन साल से अन्यत्र प्रतिनियुक्ति पर लगा रखे हैं तथा शाला में वर्तमान में 14 शिक्षकों के पद रिक्त है। विद्यालय में नियुक्त 10 शिक्षकों में से 2 प्रतिनियुक्ति के अलावा 14 पद लम्बे समय से रिक्त है। ग्रामीणों के अनुसार विद्यालय में प्रधानाचार्य व उप प्रधानाचार्य के पद खाली है। इसके अलावा द्वितीय श्रेणी में गणित, विज्ञान व अंग्रेजी, तृतीय श्रेणी में एल-वन के तीन, एल-टू के 2 पद तथा एक-एक पद सामान्य शिक्षक, कनिष्ठ लिपिक व सहायक कर्मचारी के खाली चल रहे है। ग्रामीणों ने बताया कि करीब आठ महीने पहले विद्यालय में शिक्षकों की मांग को लेकर ग्रामीणों ने हड़ताल शुरू की थी। इस दौरान ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रेवन्तराम पड़िहार ने विद्यालय में अन्यत्र प्रतिनियुक्ति पर भेजे गए दो शिक्षकों को 15 दिवस में विद्यालय में कार्यग्रहण का आश्वासन देने पर ग्रामीणों ने हड़ताल खत्म कर दी गई।

पिता को पीटने की घटना की निन्दा

जोधपुर, (कासं)। रातानाडा थानान्तर्गत अजीत कॉलोनी में एक युवक द्वारा रविवार को अपने पिता को सरेराह पीटने की घटना की वृद्ध सेवा समिति ने कडी निन्दा की है। इस घटना का किसी पडोसी ने विडियो बना कर वायरल कर दिया था। उसके बाद से यह विडियो शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है। बेटे ने वृद्ध पिता को दौड़ा दौड़ा कर भगाया और पीटा। सीसीटीवी फुटेज वायरल होने पर हरकत में आई पुलिस ने आरोपी पुत्र को देर रात हिरासत में लिया। परिजन की तरफ से उसके खिलाफ लिखित शिकायत दी गई है।

फाइनेंस कंपनी में 14 लाख 48 हजार रुपए का गबन

डूंगरपुर, (निसं)। भारत फाइनेंस इंक्लूजन लिमिटेड के बिछीवाडा ब्रांच के 2 क्रेडिट मैनेजर पर 14 लाख 48 हजार रुपए के गबन का आरोप लगा है। मामले को लेकर ब्रांच मैनेजर ने बिछीवाडा थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

हेड कॉन्स्टेबल तुलसीराम परमार ने बताया कि भारत फाइनेंस इंक्लूजन लिमिटेड के बिछीवाडा ब्रांच के मैनेजर रतनसिंह ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया कि भारत फाइनेंस की ओर से ग्रामीण और शहरी महिलाओं को लोन देकर उनकी आर्थिक मदद की जाती है। बैंक की ओर से उन महिलाओं से किश्त के रूप में रिकवरी की जाती है। ब्रांच क्रेडिट मैनेजर के रूप में कार्यरत हर्ष शर्मा और दीपेंद्र सिंह महिला समूहों से रिकवरी का काम करते थे। दोनों ने मिलकर महिला समूहों की बकाया राशि को ले लिया लेकिन उनकी राशि बैंक खाते में वापस जमा नहीं करवाई। आरोपियों ने महिलाओं को बड़ा लोन दिलवाने का लालच देकर उनसे रुपए भी ले लिए।

सेंटर मीटिंग में मॉनिटरिंग के दौरान महिलाओं ने बडे लोन के बारे में पूछा तो इस बात का खुलासा हुआ। बैठक में महिलाओं ने कहा कि पुराने लोन की सभी किश्तें जमा करवा दी गई हैं। वहीं उन्हें नया लोन देने के लिए कहा गया है। ब्रांच मैनेजर रतनसिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों ने बैंक के लॉकर से भी 10,87,231 रुपए चोरी किए हैं।

कोटड़ा महोत्सव में बंगाल और लद्दाख के कलाकार देंगे प्रस्तुति

कोटड़ा महोत्सव की तैयारी में जुटे स्थानीय कलाकार।

उदयपुर, (कसं)। देश-दुनिया में सर्वश्रेष्ठ पर्यटन सिटी के रूप में शुमार लेकसिटी उदयपुर में आने वाले पर्यटकों को जिले के ग्रामीण क्षेत्रों तक ले जाने और जनजाति कला संस्कृति से रूबरू कराते हुए ग्रामीण पर्यटन को बढ ावा देने के लिए जिला कलक्टर ताराचंद मीणा की पहल पर 27 सितंबर से पहला तीन दिवसीय कोटडा ट्राइबल फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है।

विश्व पर्यटन दिवस के मौके पर 27 से 29 सितंबर तक आयोजित होने वाले भव्य कोटडा महोत्सव में चार चाँद लगाने हेतु कई तैयारियां की गई है। जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा ने बताया है कि कोटडा महोत्सव के माध्यम से ग्रामीण पर्यटन को विश्व पटल तक ले जाने के उद्देश्य से प्रशासन दिन रात कार्य कर रहा है। इसके लिए न सिर्फ स्थानीय लोक कलाकार, बल्कि छह अन्य राज्यों से विशेष कलाकारों के दलों को यहाँ बुलाया जा रहा है।

साथ ही राजस्थान राज्य के भी विभिन्न जिलों से आने वाले कलाकारों के दल यहाँ परफोर्म कर पर्यटकों को आकर्षित करेंगे। विभिन्न विभागों द्वारा अलग-अलग प्रकार की स्टॉल्स भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी। कलक्टर मीणा ने बताया कि कोटडा महोत्सव में पश्चिम बंगाल से नटुवा नृत्य दल, उडिसा से सिंगारी नृत्य दल, लद्दाख से जबरो एवं याक डांस दल, गुजरात से राठवा नृत्य दल, महाराष्ट्र से सौंगी मुखौवटे नृत्य का दल एवं मध्यप्रदेश से गुतुम्ब बाजा एवं सिला कर्मा नृत्य का दल यहाँ अपनी प्रस्तुति देंगे।

सभी दलों ने प्रशासन को महोत्सव में आने हेतु स्वीकृति प्रदान कर दी है। इन दलों का पूर्वाभ्यास 25-26 सितम्बर को आयोजित किया जाएगा। इसके तहत 25 सितंबर को भारतीय लोक कला मंडल में दलों का पूर्वाभ्यास प्रशासन द्वारा देखा जाएगा एवं 26 सितंबर को कोटडा में पूर्वाभ्यास देखा जाएगा। कोटडा महोत्सव में राजस्थान के बारां से सहरिया स्वांग दल, कुशलगढ बांसवाडा से गैर नृत्य दल, नापला बांसवाडा से घूमरा नृत्य दल, ऋषभदेव से गवरी नृत्य दल, उपलागढ आबूरोड से वालर अथवा रायन नृत्य दल, अम्बासा एवं झाडोल से मावलिया नृत्य दल, उदयपुर से अमित गमेती के नेतृत्व में गवरी नृत्य दल आदि शामिल होंगे।

सड़क हादसे में पार्षद घायल

भरतपुर, (निस)। कांग्रेस की मनोनीत पार्षद परवीन सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे इलाज के लिए उनके परिजनों ने जिला आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उनका उपचार जारी है। नगर निगम की मनोनीत पार्षद परवीन अपने भाई राजू के साथ रनजीत नगर स्थित मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग के कार्यालय पर जा रहीं थी। रास्ते में उनके आगे चल रहे ट्रेक्टर चालक ने अपना ट्रेक्टर रोक दिया और बिना देखे उतर गया। जिसे बचाने के चक्कर में राजू खान की बाइक असंतुलित हो कर सड़क पर गिर गई।

- पार्षद परवीन मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग के कार्यालय पर जा रही थी

इस दुर्घटना में जहां राजू के पैर में गंभीर चोट आई। वहीं मनोनीत पार्षद परवीन भी गंभीर रूप से घायल हो गई। जिस पर राजू ने घर पर दुर्घटना की सूचना दी। जिस पर उनके परिजन उन्हें इलाज के लिए जिला आरबीएम अस्पताल में लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने परवीन को इलाज के लिए भर्ती कर लिया। वहीं राजू खान को प्राथमिक उपचार दिया गया। फिलहाल पार्षद परवीन का जिला आरबीएम अस्पताल में इलाज जारी है। उनकी दुर्घटना की सूचना पाकर कांग्रेस के पदाधिकारी भी उन्हें देखने के लिए जिला आरबीएम अस्पताल पहुंचे।

करौली में दूसरे दिन भी बन्द रहे माली समाज के प्रतिष्ठान

प्रतिष्ठानों के लोगों ने दोषी पुलिसकर्मियों को बर्खास्त करने की मांग की

करौली, (निसं)। करौली में माली सैनी आरक्षण मामले में जयपुर में हल्ला बोल रैली के दौरान पुलिस द्वारा की गई बर्बरता पूर्ण कार्यवाही और 84 लोगों को गिरफ्तार कर जेल में बंद करने के विरोध में दूसरे दिन भी करौली जिले में सैनी, माली समाज के सभी प्रतिष्ठान बंद कर विरोध जताया।

सैनी माली समाज के समाज के लोगो,थोक सब्जी मंडी,फुटकर सब्जी की दुकानें व अन्य प्रतिष्ठानों के लोगों का कहना है कि जब तक दोषी पुलिसकर्मियों को बर्खास्त नहीं किया जाएगा और जेलों में बंद सभी समाज के लोगो को रिहा नहीं किया जाता तब तक यह प्रतिष्ठानों को बंद करने का एवं धरना प्रदर्शन का कार्य अनिश्चितकाल चलेगा सैनी, माली समाज पिछले लंबे समय से 12 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर राजस्थान में जगह-जगह धरना प्रदर्शन कर जिला कलक्टर उप जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन देकर मांग करता रहा है गत 15 सितंबर को जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में सैनी, माली समाज की हल्ला बोल रैली आयोजित की गई इस दौरान सरकार की तरफ से कोई पक्ष वार्ता के लिए नहीं आने पर आक्रोषित युवाओं द्वारा जयपुर सीकर रोड हाईवे को जाम किया गया।

करौली में बन्द पड़ी माली समाज की फल सब्जी की दुकानें।

इस दौरान सोते हुए लोगों पर पुलिस की बर्बरता पूर्ण कार्यवाही से सैकड़ों लोग घायल हो गए एवं सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार कर जेल में बंद कर दिया जिसके विरोध में करौली में माली समाज द्वारा पिछले 2 दिन से अपने प्रतिष्ठान बंद कर विरोध जताया जा रहा है और मांग की जा रही है कि जब तक समाज के गिरफ्तार युवाओं को रिहा नहीं किया जाता और दोषी पुलिसकर्मियों को बर्खास्त नहीं किया जाता तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

संक्षिप्त

गौवंश को खिलाये औषधियुक्त लड्डू

मालपुरा, (निसं)। गौवंश मे फैल रहे लम्पी संक्रमण से हो रही मौतों को गंभीरता से लेते हुए अब युवा टीमें ग्रामीण क्षेत्रों में गौसेवा की मुहिम चला संक्रमित गौवंश को आयुर्वेदिक औषधी के लड्डू खिला उपचार मे जुट गये। उपखण्ड क्षेत्र के तांतिया गांव मे पशुधन सहायक राकेश गढवाल की देखरेख मे युवाओं ने निजी कोष से 21 हजार रूपयो की राशि संग्रह कर आयुर्वेदिक जडी बुटियां खरीद आयुर्वेदिक पद्धति से औषधी के लड्डू तैयार कर हिंडोला, इंदोली, तांतिया, रतनपुरा आदि गांवो मे टीमे बना संक्रमित गौवंश को एक स्थान पर एकत्रित कर टीमे पशुधन सहायको की सलाह पर औषधी के लड्डू खिला उपचार कर रहै है तो युवा टीम ने 2 हजार रूपये की अतिआवश्यक दवाईयां पशुधन सहायक को भेंट की।

संगीत एवं कला उत्सव संपन्न

खैरथल, (निसं)। स्थानीय जवाहर नवोदय विद्यालय में जयपुर संभाग स्तरीय कला एवं संगीत उत्सव का मंगलवार को समापन किया गया। प्राचार्य के के जोशी ने बताया कि समापन समारोह में परिणाम की घोषणा करते हुए सभी कैटेगरी में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले सभी प्रतिभागी 23 व 24 सितंबर को दौसा में होने वाले संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। मंच संचालक सुरेश पँवार ने जानकारी दी। इस अवसर पर देशराज यादव, के आर मीना, जितेंद्र रचेता, सुषमा यादव, सुदेश कुमारी, संतोष कुमारी, बी एस ढाका, संगीत शिक्षक महावीर सिंह, कला शिक्षक सम्भूदयाल, गजानन जीभकाते, जया, विनोद आर्य तथा जितेंद्र कुमार सहित संगीताचर्य दीपक लखवानी समस्त स्टाफ का सक्रिय सहयोग रहा।

आक्रोश रैली निकाल सौंपा ज्ञापन

मालपुरा, (निसं)। आरक्षण व 11 सूत्री मांगों सहित जयपुर में माली समाज के युवाओं की हुई गिरफ्तारी में मंगलवार को माली समाज ने टोडारायसिंह कस्बे में आक्रोश रैली निकाल एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। सौंपे ज्ञापन में बताया कि 15 सितम्बर को माली समाज के युवाओं पर हुई लाठीचार्ज व पुलिस द्वारा दर्ज किये गये झुठे मुकदमे वापस लिये जावे। मुकदमे वापस लिये जाने सहित 11 सुत्री मांगो को लेकर तेजाजी चौक पर एकत्रित हुए माली समाज के लोगो ने एसडीएम कार्यालय तक जनआक्रोश रैली निकाल जमकर नारेबाजी की तत्पश्चात राज्यपाल व मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। डीवाईएसपी सुशील मान की मौजूदगी में भारी पुलिस जाप्ता तैनात रहा। तो देर शाम तक जयपुर सैशन न्यायालय एडीजे प्रथम ने माली समाज के 84 लोगों को जमानत पर रिहा किया गया।

पायलट के लिए दुआ की

टोंक, (निसं)। ख्वाजा गरीब नवाज साहब की दरगाह अजमेर पहुंच कर रेल लाओ संघर्ष समिति अध्यक्ष, अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार सामाजिक न्याय संगठन राष्ट्रीय संयोजक अकबर खान ने ख्वाजा साहब की दरगाह पर अकीदत की फूल पेश किए और उन्होंने पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं टोंक विधायक सचिन पायलट के जल्द से जल्द मुख्यमंत्री बनने के लिए दुआ की।

बच्चों को पिलाई पोलियो की खुराक

पावटा, (निसं)। पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान के तहत रविवार व सोमवार को टीमों द्वारा घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। विराटनगर ब्लॉक बीसीएमओ डॉ. सुनील बीसीएमओ डॉ. सुनील मीणा ने बताया कि दो दिनों में ब्लॉक विराटनगर में कुल 35151 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गयी जो कि लक्ष्य का 99 प्रतिशत रहा। इस प्रकार बूथों की टीमों द्वारा भी घर-घर भ्रमण कर जिमेदारीपूर्वक बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने में अपना योगदान दिया।

रामलीला का मंचन शुरू

पावटा, (निसं)। आदर्श रामलीला मंडल पावटा द्वारा सोमवार को गणेश पूजन व नारद मोह की लीला के साथ शहर में रामलीला का मंचन शुरू कर दिया गया। उपखंड पावटा स्थित रामलीला मैदान में आदर्श रामलीला मंडल पावटा कमेटी की ओर से रामलीला मंचन का आयोजन शुरू किया गया है।

भूमि आवंटन की मांग को लेकर गाड़िया लुहारों ने प्रदर्शन किया

नारायणपुर, (निसं)। कस्बे में मंगलवार को गाड़िया लुहारों ने भूमि आवंटन की मांग को लेकर ग्राम पंचायत मिनी सचिवालय में वार्ड पंच बुद्धाराम यादव के सानिध्य में धरना देकर विरोध प्रदर्शन किया। धरने पर बैठे गाडिया लुहारों ने बताया कि करीब 50 वर्ष से नारायणपुर कस्बे में सड़क किनारे तम्बू लगाकर रह रहे है, लेकिन ग्राम पंचायत द्वारा भूमि आवंटन व आवास नही मिलने से करीब 50 परिवार आज भी दर-दर भटक रहे हैं। जबकि हमारे पास राशनकार्ड, जनाधार कार्ड सहित अन्य दस्तावेज भी है। मंगलवार को आक्रोशित गाड़िया लुहारों ने ग्राम पंचायत की पाक्षिक बैठक के दौरान मिनी सचिवालय परिसर में धरने पर बैठ गये और करीब 2 घंटे धरना प्रदर्शन के बाद नायब तहसीलदार शिवानी शर्मा धरना स्थल पहुंच कर पीड़ित गाड़िया लुहारों की समस्या सुनी और भूमि आवंटन संबंधित जानकारी सरपंच मन्नी देवी व ग्राम विकास अधिकारी बंशीधर गुर्जर से लेकर जल्द गाड़िया लुहारों को भूमि आवंटन की बात कही।

नारायणपुर ग्राम पंचायत मिनी सचिवालय में धरने पर बैठे गाड़िया लुहार।

इधर सरपंच मन्नी देवी ने बताया कि मानसरोवर जोहड़ पर चिन्हीकरण कर भूमि आवंटन की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। जल्दी ही गाड़िया लुहारों को पट्टा जारी कर बसाया जायेगा।

- भूमि आवंटन व आवास नहीं मिलने से करीब 50 परिवार दर-दर भटक रहे हैं

इस दौरान गाड़िया लुहारों ने भूमि आवंटन के आश्वाशन के बाद जाम खोला था। इस मौके पर सक्कुड़ी लुहारी, सुमन, संतरा, फोटूडा, चीनी, हंसा, नकला, भगवती, मिश्री, काली, रेशमा, तीजा आदि गाड़िया लुहार धरना स्थल पर मौजूद थी।

जानकारी के अनुसार गाड़िया लुहारों ने 23 नवम्बर 2021 को भी भूमि आवंटन की मांग को लेकर नारायणपुर-अलवर सड़क मार्ग को जाम किया था।

दोषी पुलिसकर्मियों को निलंबित करने की मांग

पावटा, (निसं)। मानगढ के पीडित परिवार को न्याय दिलाने की मांग को लेकर अजीतगढ पुलिस थाने के बाहर धरना व ज्ञापन देने जा रहे लोगों पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज कर मारपीट करने की घटना के विरोध में मंगलवार को कुहार-प्रजापति समाज पावटा-प्रागपुरा द्वारा उपखंड अधिकारी राजवीर यादव पावटा को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया। जिसमें दोषी अजीतगढ थाना प्रभारी समेत अन्य कार्मिकों पर मुकदमा दर्ज कर निलंबित करने की मांग की है। जानकारी के अनुसार ग्राम मानगढ निवासी हंसा देवी को उसके परिजनों के साथ मारपीट करने के मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर 7 सितंबर को अजीतगढ पुलिस थाने के बाहर धरना शुरू किया गया था। 9 सितंबर को धरनार्थी थाना प्रभारी को ज्ञापन देने जा रहे थे कि पुलिस ने धोखे से लाठीचार्ज कर दिया। घटना के दौरान पुलिस ने महिला व पुरुषों को घसीटते हुए थाने ले जाकर मारपीट की। इस घटना के बाद कुहार समाज में आक्रोश व्याप्त है। ज्ञापन में लोगों ने थानाधिकारी सहित पुलिसकर्मियों पर मुकदमा दर्ज कर निलंबित करने की कार्रवाई की मांग की है। इस दौरान कुहार महासभा के प्रदेश सचिव हेमराज प्रजापत भौनावास, जयपुर ग्रामीण जिला अध्यक्ष बब्लू प्रजापत कारोली, टिंकू प्रजापति पावटा, कालूराम प्रजापत, गोवर्धन प्रजापत, विमल प्रजापत, खेलना ग्यारसीलाल कुहार, प्रागपुरा मनोज प्रजापत, पाथरेडी धूणीलाल प्रजापत, कल्याणपुरा दाताराम प्रजापत, प्रदीप, विकास पावटा सहित अनेक समाज बंधु उपस्थित रहे।

बहरोड़ के विकास अधिकारी वीरेंद्र चौहान को कोर्ट ने हटाया

बहरोड़/ नीमराना, (निसं)। 20 सितम्बर 2022 पंचायत समिति बहरोड़ के विकास अधिकारी का चार्ज वीरेंद्र कुमार चौहान के पास था।

जिसके खिलाफ दर्जनों मुकदमे पुलिस थाना नीमराणा, बहरोड़ शाहजहांपुर में दर्ज हैं तथा सन 2010 से 2015 तक ग्राम पंचायत बर्ड़ोद में ग्राम सेवक व पदेन सचिव के पद पर रहते हुए सैकड़ों पट्टे गैर आबादी क्षेत्र में तथा विधि विरुद्ध वाणिज्यिक पट्टे निशुल्क एवं 300 वर्ग गज से अधिक आवासीय पट्टे काटे जाने की उच्च स्तरीय शिकायत के आधार पर जांच कमेटियां गठित की जा चुकी हैं। राज्य सरकार की सर्कुलर दिनांक 23 जुलाई 2003 के आधार पर जब किसी अधिकारी के खिलाफ भ्रष्टाचार तथा अनियमितताओं की जांच पेंडिंग हो तो ऐसे अधिकारी को फील्ड पोस्टिंग भविष्य में नहीं दी जावे।

उपरोक्त ग्राउंड्स के आधार पर पंचायत समिति बहरोड़ की प्रधान सरोज बस्तीराम यादव ने उच्च न्यायालय में ऐसे भ्रष्ट अधिकारी के खिलाफ उच्च न्यायालय में रिट दायर की थी। जिसमें वीरेंद्र कुमार चौहान विकास अधिकारी रेस्पोंडेंट नंबर पांच पर अंकित है। जिस पर दिनांक 19 सितंबर 2022 को उच्च न्यायालय द्वारा सुनवाई की गई।

जिसमें प्रार्थी की तरफ से एम एस राघव वरिष्ठ अधिवक्ता एवं सुमेर सिंह ओला तथा मनोज कुमार यादव एडवोकेट ने पैरवी की तथा विभाग की तरफ से राजकीय पैरोकार सत्येंद्र सिंह राघव डबल एजी ने पैरवी की थी। जिसमें निर्णय किया गया कि जिस अधिकारी के खिलाफ भ्रष्टाचार और अनैतिक आचरण संबंधी जांच लंबित हों ऐसे अधिकारी को फील्ड पोस्टिंग नहीं दी जावे।

अतः विकास अधिकारी बहरोड़ विरेंद्र कुमार चौहान से बहरोड़ पंचायत समिति के विकास अधिकारी का चार्ज दिया जाना स्थगित किया जाता है। उच्च न्यायालय का निर्णय दिनांक 19 सितंबर 2022 की प्रति संलग्न है और इसी आदेश में राज सरकार का सर्कुलर दिनांक 23 जुलाई 2003 का विवरण अंकित है।

दो आरोपियों को सजा सुनाई

टोंक, (निस)। पोक्सो कोर्ट के विशिष्ट न्यायाधीश ने पीपलू क्षेत्र में एक 14 वर्षीय नाबालिक को जबरदस्ती बहसा फूसला कर लेने के मामले में दो आरोपियों को 20-20 साल की सजा एवं 1 लाख रुपए के जुर्माने से दण्डित करने के आदेश पारित किए। पोक्सो कोर्ट के विशिष्ट लोक अभियोजक मोहम्मद मियां गुलजार ने बताया कि प्रकरण इस प्रकार है कि 8 जुलाई 2021 को पीपलू थाना में रिपोर्ट दर्ज हुई थी कि एक 14 वर्षीय नाबालिक पुत्री को आरोपी रतन बैरवा पुत्र देवा जाति बैरवा निवासी बंमोरी तहसील मालपुरा व 4-5 अन्य बहला-फूसला कर जबरदस्ती ले गए। जिस पर पोक्सो न्यायालय में 10 नवम्बर 2021 को आरोपियों के विरुद्ध चालान पेश किया गया। जिस पर पोक्सो कोर्ट के विशिष्ट न्यायाधीश ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद आरोपी रतन बैरवा पुत्र देवाराम बैरवा एवं सोहन लाल को सजा एवं जुर्माने से दण्डित करने के आदेश पारित किए।

बोई फसल को नष्ट करने करने पर ज्ञापन दिया

टोंक, (निसं)। देवली क्षेत्र के ग्राम सतवाडा के ग्रामीणों ने बनास नदी पेटे में उनके खेतों में बजरी माफियाओं द्वारा बोई फसल को नष्ट करने एवं परेशान करने के मामले में अतिरिक्त जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया।

- सतवाडा के ग्रामीणों ने बजरी माफियाओं के खिलाफ ज्ञापन दिया

बनास नदी पेटे में खेतों में बजरी माफियाओं द्वारा बोई फसल को नष्ट करने पर ज्ञापन देने आये ग्रामीण।

ग्राम सतवाडा रामनिवास, रामलाल, लाला, सोजी हंसराज, हेमराज, श्रवण, पोलू भीलू, मंगलाराम, रामघणी देवी, सोरा, लाली, राजी, गोरा आदि ने दिए ज्ञापन में बताया कि वह बनास दी में मजदूरी करके सालभर में एक फसल नदी में पानी होने पर अपना व परिवार का पालन पोषण करते हैं। बजरी कम्पनी के ठेकेदार व्यक्ति बोई हुई फसल को नष्ट करने पर आमादा है और आए दिन जीप भरकर आते है और हमारी झुग्गी झौपडियों को हटाने के लिए कहते हैं। इन लोगों ने गिरोह बनाकर परेशान कर रखा है और खेती नहीं करने देते हैं। पानी नष्ट करके हमारी फसलों को नुकसान पहुंचाने के साथ परेशान करते हैं। इस मामले में किसानों की मदद से बजरी माफियाओं के विरुद्ध कार्यवाही की जाए।

कोबरा सांप आने से मरीजों मे भय

फुलेरा, (निसं)। कस्बे के जोबनेर सड़क स्थित राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में बुधवार को एक 4 फीट लम्बा कोबरा सांप आ जाने से मरीजों मे भय का माहौल हो गया। जिसकी सूचना समाजसेवी हेमन्त शर्मा व आबिद कुरेशी ने कस्बे में संचालित पशु पक्षी व पर्यावरण संरक्षण करने वाली संस्था वाइल्डलाइफ क्रिएचर ऑर्गेनाइजेशन(डब्लू सी ओ) के संस्थापक ओमप्रकाश सैन को दी। जिस पर ओमप्रकाश सैन (पीन्टी) तुरंत मौके पर पहुंचकर 4 फीट लम्बे कोबरा सांप को रेस्क्यू किया। वहीं पीन्टी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कोबरा प्रजाति का सांप है। जिसमें न्युरोटोकसिन विष पाया जाता है। जो कि नर्वस सिस्टम को फेल कर देता है, और जिससे उपचार नहीं मिलने पर 40-50 मिनट में ही इंसान की मौत हो सकती है। इस अवसर पर मौके पर चिकित्सा प्रभारी डॉ. धर्मेन्द्र भामु सहित चिकित्सालय का स्टाफ उपस्थित रहा।

विधायक बैरवा ने मेले में शिरकत की

निवाई, (निसं)। उपखंड के निकटवर्ती गांव नला में तेजा नवयुवक मंडल के तत्वाधान में आयोजित लोक देवता तेजाजी महाराज के मेले में विधायक प्रशांत बैरवा ने शिरकत की।

विधायक प्रशांत बैरवा के पहुंचते ग्रामीणों ने विधायक का भव्य स्वागत किया एवं ढोल नगाड़े से मंदिर परिसर तक लेकर गए। विधायक बैरवा ने लोक देवता तेजाजी महाराज से आशीर्वाद लिया एवं प्रदेश में खुशहाली की मनोकामना की। इस दौरान मेला आयोजन समिति को विधायक प्रशांत बैरवा ने 25 हजार रुपए का नगद पुरस्कार दिया। विधायक प्रशांत बैरवा ने ग्रामीणों को संबोधित किया।

विधायक बैरवा ने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार गांव एवं गरीब के विकास के लिए कटिबद्ध है। ग्रामीणों की मांग पर विधायक बैरवा ने गांव नला से सिरस तक सडक निर्माण करने की घोषणा की। नला आयोजन समिति के दयाराम चौधरी, हरिशंकर चौधरी, अभिषेक पारीक, प्रदीप चौधरी, पंडित अशोक शर्मा, सरदार चौधरी ने विधायक बैरवा का राजस्थानी परंपरा अनुसार साफा पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। इस मौके पर पीसीसी सदस्य ब्रह्मप्रकाश गुर्जर, पार्षद प्रदीप पारीक, राजेश चौधरी गुरुजी, खंडवा सरपंच देवनारायण गुर्जर, चैनपुरा सरपंच मदन, लाल मीणा, ढाणी जुगलपुरा सरपंच प्रतिनिधि पप्पूलाल मीणा, सिरोही सरपंच प्रतिनिधि सुरेंद्र बेनीवाल, राजेश पारीक सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

लाठीचार्ज की निन्दा

कोटपूतली। भाजपा नेता मुकेश गोयल ने सैनी समाज द्वारा 11 सूत्रीय मांगों को लेकर शांतिपूर्वक धरना दे रहे समाज के लोगों पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज करने की निन्दा करते हुए सैनी समाज की इन मांगों को मनवाने तथा इस लाठीचार्ज में सैनी समाज के जिन युवकों पर मुकदमे दर्ज हुए है उनकी शीघ्रातिशीघ्र रिहाई की मांग हेतु प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम एक पत्र लिखा है। गोयल ने पत्र में लिखा है कि लोकतंत्र में अपनी बात रखने का सभी को अधिकार है। सैनी समाज के युवाओं द्वारा कोई हिंसक प्रदर्शन भी नही किया गया, सिर्फ अपनी बात सरकार तक पहुँचाने के लिए शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे। ऐसे में इन युवाओं पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किया जाना तथा उन पर मुकदमे दर्ज किया जाना दमनात्मक कार्यवाही है। उन्होंने पत्र में मांग करते हुए लिखा है कि इस कार्यवाही में दोषी व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही कर सैनी समाज के आरक्षण सम्बन्धी 11 सूत्रीय मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक सकारात्मक निर्णय लेकर समाज की मांगों को मानकर समाज का भला करें।

आचार्य धर्मेंद्र महाराज हुए पंचतत्व में विलीन

पावटा, (निसं)। विराटनगर पंचखण्ड पीठ के संत आचार्य धर्मेंद्र महाराज के देवलोकगमन के बाद जयपुर जिले समेत विराटनगर क्षेत्र में शोक की लहर दौड गई। विराटनगर समेत आस-पास के इलाकों में बाजार बंद हो गए। आचार्य धर्मेंद्र की अंतिम यात्रा के दौरान देश प्रदेश से हजारों की संया में लोग अंतिम दर्शन करने पहुंचे।

आचार्य धर्मेंद्र की अंतिम यात्रा कस्बे के मुय मार्गो से होते हुए पावन पीठ पहुंची। इस दौरान बडी संया में।लोगों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर आचार्य धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि दी। पावन धाम स्थित आश्रम में आचार्य धर्मेंद्र महाराज का विधि-विधान से अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र सिंह, जयपुर ग्रामीण सांसद कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह राठौड, विराटनगर विधायक इंद्रराज गुर्जर, पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष राव राजेन्द्र सिंह, पूर्व विधायक फूलचंद भिंडा समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने पुष्पचक्र चढाकर श्रद्धांजलि दी। वहीं, केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र सिंह ने नम आंखों से महाराज के निधन को देश के लिए अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने गौवंश के लिए 1966 में हुए आंदोलन को देश के हित में बडा योगदान बताया।

- हजारों लोग अंतिम यात्रा में हुए शामिल

विधायक सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों ने पुष्पचक्र अर्पित किये।

साथ ही उन्होंने कहा कि महाराज श्री के जाने से उनके सिर से पिता का साया उठ गया। कर्नल राठौड ने कहा कि देश व हिन्दू समुदाय के लिए बहुत बडी क्षति हुई है जो शब्दों में बयां नहीं की जा सकती है। आचार्य धर्मेंद्र के गौवंश को बचाने के लिए किए गए योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।

पोषण मेले का हुआ आयोजन

लालसोट, (निसं)। उपखंड मुख्यालय स्थित संस्कृत कालेज परिसर में आयोजित हुए बाल विकास विभाग के पोषण मेले कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पालिका चेयरमैन रक्षा मिश्र ने कहा कि महिलाओं के स्वास्थ्य एवं विभिन्न संरचनाओं को पोषित करने में महिला बाल विकास विभाग का बड़ा योगदान रहा है। जिस तरह कांग्रेस सरकार द्वारा महिलाओं को पुरुष के समकक्ष खड़ा करने के लिए आरक्षित कर उसको हर क्षेत्र में भागीदार बना दिया गया उसी तरह महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर महिला बाल विकास विभाग द्वारा महिलाओं को स्वास्थ्य स्तर पर संपूर्ण पोषित कर शारीरिक रूप से संपन्न बनाया है।संस्कृत कॉलेज में पोषण माह केअंतर्गत पोषण मेले के आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष रक्षा मिश्रा, विशिष्ट अतिथि धर्मवीर मीणा उपनिदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग दोसा, नरेश मीणा बाल विकास परियोजना अधिकारी लवान उपस्थित रहे।

दो पक्षों में मारपीट

टोंक, (निसं)। शहर कोतवाली थानान्तर्गत मोतीबाग रोड पर जमीनी विवाद को लेकर दो पक्ष भिड़ गए। दोनों पक्षों में हुई मारपीट के बाद धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमले में दोनों ही पक्षों के दो लोग घायल हो गए। घायलों को सआदत अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार जावेद मसूद व इकबाल के बीच किसी जमीन के पैसों को लेकर कहासुनी हो गई, देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई, दोनों ही पक्षों ने एक दूसरे पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। घायल हुए इकबाल के पुत्र ने आरोप लगाया कि जावेद मसूद निवासी राज टाकीज रोड अपने बेटे हाशिम व अन्यों के साथ आया और मेरे पिता इकबाल पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया।। जावेद मसूद ने मेरे पिता इकबाल पर तलवार से हमला कर दिया, जिसमें इकबाल बुरी तरह घायल हो गया। वही दूसरे पक्ष के घायल जावेद मसूद ने बताया कि इकबाल ने अपने साथियों के साथ हमला कर दिया। जिसमें उसके भी चोंटे आई है, मारपीट में नजरबाग रोड निवासी जावेद मसूद व दूसरे पक्ष का गैस गोदाम के पीछे मोतीबाग रोड निवासी इकबाल घायल हो गए। घायलों को सआदत अस्ताल पहुंचाया गया। जहां से इकबाल को जयपुर रैफर कर दिया गया है। दोनों पक्षों की और से कोतवाली थाना शिकायत दर्ज कराई गई है।

DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JAIPUR
First Floor, Sudharma-II, Lal Kothi Shopping Center, Tonk Road, Jaipur-302015
Case No.:OA/750/2022 Exh. No:5979
Summons under sub-section (4) of section 19 of the Act, read with sub-rule (2A) of rule 5 of the Debt Recovery Tribunal (Procedure) Rules,1993.
To, **AXIS BANK V/S DAKSHA KUMARI JAIN**
(1) DAKSHA KUMARI JAIN W/O VIRENDRA KUMAR MODI PLOT NO 187, SCHEME NO 1, PRATAP NAGAR KHATIPURA SIRSI ROAD JAIPUR RAJASTHAN
(2) VIRENDRA KUMAR JAIN S/O PH MODI PLOT NO 187, SCHEME NO 1, PRATAP NAGAR KHATIPURA SIRSI ROAD JAIPUR RAJASTHAN
SUMMONS
WHEREAS, OA/750/2022 was listed before Hon'ble Presiding Officer on 19/07/2022. WHEREAS this Hon'ble Tribunal is pleased to issue summons/notice on the said Application under section 19(4) of the Act, (OA) filed againts you for recovery of debts of Rs.12313498/- (application along with copies of documents etc. annexed) In accordance with sub-section (4) of section 19 of the Act, You the defendants are directed as under:- (I) to show cause within thirty days of the service of summons as to why relief prayed for should not be granted: (ii) to disclose particulars of properties or assets other than properties and assets specified by the applicant under serial number 3A of the original application: (iii) you are restrained from dealing with or disposing of secured assets or such other assets and properties disclosed under serial number 3A of the original application, pending hearing and disposal of the application for attachment of properties: (iv) you shall not transfer by way of sale, lease or otherwise, except in the ordinary course of his business any of the assets over which security interest is created and/or other assets and properties specified or disclosed under serial number 3A of the original application without the prior approval of the tribunal: (v) you shall be liable to account for the sale proceeds realised by sale of secured assets or other assets and properties in the ordinary course of business and deposit such sale proceeds in the account maintained with the bank or financial institions holding security interest over such assets. You are also directed to file the written statement with a copy thereof furnished to the application and to appear Registrar on 21/12/2022 at 10:30 A.M failing which the application shall be heard and decided in your absence. Give under my hand and seal of this Tribunal on this date:21/07/2022
(Seal) Registrar DEBTS RECOVERY TRIBUNAL, JAIPUR

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, (अनाज), चौमूँ (जयपुर)

क्रमांक:907-916 **निविदा सूचना** दिनांक-19.9.2022

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस मंडी समिति में निम्नलिखित व्यवस्थायें/कार्य करवाने हेतु ठेके देने के लिये इच्छुक निविदादाता फर्मों/व्यक्तियों से दिनांक 6.10.2022 को प्रात: 11.30 बजे तक निर्धारित निविदा प्रपत्र में बन्द लिफाफे में निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

क्र. सं.	कार्य/व्यवस्था का नाम	ठेके की अवधि	कार्य की अनुमानित लागत (लाख.रु. में)
1.	क्लिनिंग एवम् सोर्टिंग मशीन (2THP) को दो वर्ष की अवधि के लिये किराये पर चलाने हेतु	दो वर्ष	240
2.	जलपान व्यवस्था ठेका (कियोस्क सं.-01 जलपान ठेला-23 व 4)	एक वर्ष	3.00
3.	लेखन मुद्रण कार्यालय एवं लेखन मुद्रण व्यापारी	एक वर्ष	1.80

प्राप्त निविदाओं को उसी दिन दोपहर 12.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं (यदि कोई उपस्थित हों) के समक्ष खोला जायेगा। निविदा से सम्बंधित अन्य विस्तृत विवरण निविदा शर्तें व जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट www.mandi.agriculture.rajasthan.gov.in पर तथा किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में कार्यालय में उपस्थित होकर अवलोकन की जा सकती है।

सचिव प्रशासक

कार्यालय नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर) राज.

क्रमांक-नपाश्रीमा./2022-23/3862-63 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-20.09.2022

श्री संजय गोयल पुत्र श्री नोरंगमल गोयल निवासी वार्ड नं.03 सीकर बाजार रोड श्रीमाधोपुर तहसील श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान ने नीचे वर्णित भूमि मे अपने अधिकार व्यावसायिक प्रयोजनार्थ के लिये ऐसी भूमि के उपयोग के लिये पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिये नगर पालिका के पक्ष में अभ्यर्पित कर दिये है।

जिले सहित नगर का नाम	वार्ड/कॉलोनी/ गली का नाम	पडौस द्वारा सीमाबद्ध भू-खण्ड सं.	उत्तर दिशा दर्शित करते हुए लम्बाई और चौडाई सहित क्षेत्र (मीटर में)
नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर)	वर्तमान वार्ड नं.03 सीकर बाजार श्रीमाधोपुर	चर्तु सीमाऐ निम्न प्रकार से है-पूर्व दिशा मे सतीश हलवाई की दुकान, पश्चिम दिशा में श्रवण कुमार गोयल की दुकान उत्तर दिशा में नन्द किशोर कालिया का मकान व दक्षिण दिशा मे आम रास्ता सीकर बाजार अवस्थित है।	दुकान व्यावसायिक प्रयोजनार्थ हेतु जिसकी नाप पूरब से पश्चिम 7 फुट 6 इंच व उत्तर से दक्षिण 33 फुट 3 इंच कुल क्षैत्रफल 28.12 वर्गगज या 23.50 वर्गमीटर है।

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बन्धित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा-69क के अधिन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए नगर पालिका के पक्ष में आवेदक द्वारा भूमि में के अधिकार अभ्यर्पण करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के सात दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 20.09.2022 को जारी की गयी।
अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका श्रीमाधोपुर

कार्यालय नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर) राज.

क्रमांक-नपाश्रीमा./2022-23/3845-46 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-20.09.2022

(1) श्रीमती बिदामी देवी पत्नी श्री बनवारीलाल सैनी (2) श्रीमती रामप्यारी देवी पत्नी श्री महावीर प्रसाद सैनी निवासी वार्ड नम्बर 03 सीकर बाजार श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान ने नीचे वर्णित भूमि मे अपने अधिकार आवासीय+व्यावसायिक (मिश्रित) प्रयोजनार्थ के लिये ऐसी भूमि के उपयोग के लिये पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिये नगर पालिका के पक्ष में अभ्यर्पित कर दिये है।

जिले सहित नगर का नाम	वार्ड/कॉलोनी/ गली का नाम	पडौस द्वारा सीमाबद्ध भू-खण्ड सं.	उत्तर दिशा दर्शित करते हुए लम्बाई और चौडाई सहित क्षेत्र (मीटर में)
नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर)	वर्तमान वार्ड नं.03 सीकर बाजार श्रीमाधोपुर	चर्तु सीमाऐ निम्न प्रकार से है- पूर्व दिशा में माया देवी कमला देवी का मकान, पश्चिम दिशा में केदारनाथ की बाउण्ड्रीवाल व दशरथ तिवाडी का मकान, उत्तर दिशा में नूर मोहम्मद लीलगर का मकान व दक्षिण दिशा में आम रास्ता सीकर बाजार अवस्थित है।	भूखण्ड आवासीय+व्यावसायिक (मिश्रित) प्रयोजनार्थ हेतु जिसकी नाप पूर्वी ओर 62 फुट 6 इंच, पश्चिम ओर 64 फुट 6 इंच, उत्तरी ओर 23 फुट 10 इंच व दक्षिणी ओर 26 फुट 10 इंच 178.57 वर्गगज या 149.28 वर्गमीटर है।

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बन्धित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा-69क के अधिन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए नगर पालिका के पक्ष में आवेदक द्वारा भूमि में के अधिकार अभ्यर्पण करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के सात दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव मे यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 20.09.2022 को जारी की गयी।
अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका श्रीमाधोपुर

कार्यालय नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर) राज.

क्रमांक-नपाश्रीमा./2022-23/3865-66 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-20.09.2022

श्री श्रवण कुमार गोयल पुत्र श्री नोरंगमल गोयल निवासी वार्ड नं.03 सीकर बाजार रोड श्रीमाधोपुर तहसील श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान ने नीचे वर्णित भूमि में अपने अधिकार व्यावसायिक प्रयोजनार्थ के लिये ऐसी भूमि के उपयोग के लिये पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिये नगर पालिका के पक्ष में अभ्यर्पित कर दिये है।

जिले सहित नगर का नाम	वार्ड/कॉलोनी/ गली का नाम	पडौस द्वारा सीमाबद्ध भू-खण्ड सं.	उत्तर दिशा दर्शित करते हुए लम्बाई और चौडाई सहित क्षेत्र (मीटर में)
नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर)	वर्तमान वार्ड नं.03 सीकर बाजार श्रीमाधोपुर	चर्तु सीमाऐ निम्न प्रकार से है- पूर्व दिशा में संजय गोयल की दुकान, पश्चिम दिशा में मुकेश हलवाई की दुकान, उत्तर दिशा मे नन्द किशोर कालिया का मकान व दक्षिण दिशा में आम रास्ता सीकर बाजार अवस्थित है।	भूखण्ड व्यावसायिक प्रयोजनार्थ हेतु जिसकी नाप पूरब से पश्चिम 7 फुट 6 इंच व उत्तर से दक्षिण 33 फुट 3 इंच कुल क्षैत्रफल 28.12 वर्गगज या 23.50 वर्गमीटर है।

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बन्धित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा-69क के अधिन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए नगर पालिका के पक्ष में आवेदक द्वारा भूमि में के अधिकार अभ्यर्पण करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के सात दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव मे यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 20.09.2022 को जारी की गयी।
अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका श्रीमाधोपुर

कार्यालय नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर) राज.

क्रमांक-नपाश्रीमा./2022-23/3856-57 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-20.09.2022

(1) चन्द्रप्रकाश सोनी पुत्र श्री रामविलास सोनी (2) श्रीमती शोभादेवी पत्नी श्री चन्द्र प्रकाश सोनी (3) ललित सोनी पुत्र श्री रामविलास सोनी (4) श्रीमती चन्दा सोनी पत्नी श्री ललित सोनी जाति सोनी निवासी वार्ड नं.17 सीकर बाजार श्रीमाधोपुर तहसील श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान ने नीचे वर्णित भूमि में अपने अधिकार व्यावसायिक प्रयोजनार्थ के लिये ऐसी भूमि के उपयोग के लिये पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिये नगर पालिका के पक्ष में अभ्यर्पित कर दिये है।

जिले सहित नगर का नाम	वार्ड/कॉलोनी/ गली का नाम	पडौस द्वारा सीमाबद्ध भू-खण्ड सं.	उत्तर दिशा दर्शित करते हुए लम्बाई और चौडाई सहित क्षेत्र (मीटर में)
नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर)	वर्तमान वार्ड नं.17 चौपडा बाजार श्रीमाधोपुर	चर्तु सीमाऐ निम्न प्रकार से है- पूर्व दिशा में रामविलास सोनी की दुकान, पश्चिम दिशा में गुलझारी हलवाई की दुकान, उत्तर दिशा मे आम रास्ता सीकर बाजार व दक्षिण दिशा में ओमप्रकाश खण्डेलवाल का नोहरा अवस्थित है।	भूखण्ड व्यावसायिक प्रयोजनार्थ हेतु जिसकी नाप पूर्व-पश्चिम 14 फुट 9 इंच व उत्तर से दक्षिण 34 फुट 3 इंच कुल क्षैत्रफल 56.54 वर्गगज या 47.29 वर्गमीटर है।

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बन्धित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा-69क के अधिन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए नगर पालिका के पक्ष में आवेदक द्वारा भूमि में के अधिकार अभ्यर्पण करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के सात दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 20.09.2022 को जारी की गयी।
अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका श्रीमाधोपुर

कार्यालय नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर) राज.

क्रमांक-नपाश्रीमा./2022-23/3850-51 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-20.09.2022

(1) श्रीमती माया देवी पत्नी श्री रामगोपाल सैनी (2) श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री रामछगन सैनी निवासी वार्ड नम्बर 03 सीकर बाजार श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान ने नीचे वर्णित भूमि में अपने अधिकार आवासीय+व्यावसायिक (मिश्रित) प्रयोजनार्थ के लिये ऐसी भूमि के उपयोग के लिये पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिये नगर पालिका के पक्ष में अभ्यर्पित कर दिये है।

जिले सहित नगर का नाम	वार्ड/कॉलोनी/ गली का नाम	पडौस द्वारा सीमाबद्ध भू-खण्ड सं.	उत्तर दिशा दर्शित करते हुए लम्बाई और चौडाई सहित क्षेत्र (मीटर में)
नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर)	वर्तमान वार्ड नं. 03 सीकर बाजार श्रीमाधोपुर	चर्तु सीमाऐ निम्न प्रकार से है- पूर्व दिशा में नोहरा ओमप्रकाश ठठेरा व सन्तरा देवी न्यारिया का मकान, पश्चिम दिशा में बादामी देवी व रामप्यारी देवी का मकान उत्तर दिशा में नूर मोहम्मद लीलगर का मकान व दक्षिण दिशा में दुकाने व आम रास्ता सीकर बाजार अवस्थित है।	भूखण्ड आवासीय+व्यावसायिक (मिश्रित) प्रयोजनार्थ हेतु जिसकी नाप पूर्वी ओर 57 फुट 6 इंच, पश्चिम ओर 62 फुट 1 इंच, उत्तरी ओर 23 फुट 5 इंच व दक्षिणी ओर 26 फुट 5 इंच 178.57 वर्गगज या 149.28 वर्गमीटर है।

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बन्धित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा-69क के अधिन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए नगर पालिका के पक्ष में आवेदक द्वारा भूमि में के अधिकार अभ्यर्पण करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के सात दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 20.09.2022 को जारी की गयी।
अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका श्रीमाधोपुर

संक्षिप्त

एसडीएम ने औचक निरीक्षण किया

किशनगढ़बास, (निसं)। शहर के सफाई ठेके से लेकर निर्माण कार्य की बात हो या फिर सरकार की पट्टा योजना की इन सबको लेकर नगर पालिका की खूब चर्चाएं है। एसडीएम गंगाधर मीणा की ओर से मंगलवार को सुबह 6 बजे औचक किए गए निरीक्षण में यह बात साफ हो चुकी है कि ठेकेदार सफाई व्यवस्था में कर्मचारी कम लगाकर नगर पालिका को मोटा चुना लगा रहा है। एसडीएम के निरीक्षण के दौरान 80 कर्मचारियों की उपस्थिति दिखाई गई जबकि मौके पर 50 कर्मचारी भी उपस्थित थे। जोकि दिखाई गई उपस्थिति से 30 कर्मचारी कम थे। एसडीएम ने नगर पालिका अधिकारी को ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई के आदेश दिए हैं। इससे पहले भी नगर पालिका अधिकारी को पार्षदगण की ओर से अवगत कराया जा चुका है।

शिविर के पोस्टर का विमोचन

बोराज, (निसं)। श्री गुरु कृपा सेवा संस्थान की ओर से 25 सितंबर को आयोजित 10 वे विशाल रक्तदान शिविर के पोस्टर का विमोचन सोमवार सायंकाल कस्बे के श्री सीताराम जी के मंदिर परिसर में किया गया। समिति के श्याम गिरी गोस्वामी ने बताया कि रक्तदान शिविर का आयोजन कुमावत समाज सामूहिक विवाह एंव विकास समिति भवन बंधे बालाजी पर होगा। इस अवसर पर रामस्वरूप कुमावत, कानदास विष्णु दास स्वामी, सेवा समिति अध्यक्ष जगदीश कुमावत, सचिव हरलाल कुमावत, उपाध्यक्ष किशन लाल कुमावत, कोषाध्यक्ष तेज राम जाखड़, श्याम गिरी गोस्वामी, रामलाल कुमावत, सुरेंद्र, दिनेश कुमावत आदि उपस्थित रहे।

जमानत प्रार्थना पत्र खारिज

बौंली-बामनवास (निसं)। विशेष पोक्सो न्यायालय जिला सवाई माधोपुर ने नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने के आरोपी विजय कुमार बैरवा निवासी खेरदा सवाई माधोपुर का मामले की गंभीरता को देखते हुए जमानत प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया। पीड़िता व राज्य सरकार की ओर से जमानत प्रार्थना पत्र का विरोध दर्ज कराते हुए विशिष्ट लोक अभियोजक अनिल कुमार जैन ने न्यायालय को मामले को लेकर अवगत कराया।

बिंवाल प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त

श्रीमाधोपुर, (निसं)। राष्ट्रीय वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा की युवा मोर्चा राजस्थान इकाई के प्रदेश अध्यक्ष विजयकांत पचेरवाल ने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगवत प्रसाद मकवाना के निर्देश पर व युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय दावरिया की अनुशंसा पर श्रीमाधोपुर निवासी नगर पालिका पार्षद मनोज बिंवाल को संगठन की राजस्थान इकाई का प्रदेश उपा अध्यक्ष नियुक्त किया है। बिंवाल की इस नियुक्ति पर अनेकों लोगों ने उन्हें बधाई दी है।

बजरी से भरा ट्रक जप्त

निवाई, (निसं)। सदर पुलिस ने मंगलवार सुबह नाकाबंदी के दौरान गुन्सी पुलिया के पास अवैध बजरी से भरा एक ट्रक पकड़ा।

आधा दर्जन शातिर चोरों को गिरफ्तार कर चोरी का माल बरामद किया

रामगढ़ पचवारा, (निसं)। थाना पुलिस द्वारा क्षेत्र में विभिन्न चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले करीब आधा दर्जन आरोपियों दिनेश उर्फ टेरिया, विजय उर्फ जनक उर्फ कालू, सीताराम उर्फ खोड़ा, मोहन उर्फ मोनू, महेंद्र सोनू बावरिया को प्रोडक्शन वारंट के जरिए गिरफ्तार कर चोरी किए गए माल को बरामद करने में कामयाबी हासिल की है।

थाना अधिकारी दिनेश मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत 28 अगस्त को बिछा ग्राम निवासी हरसहाय द्वारा एक रिपोर्ट दर्ज कराकर अज्ञात चोरों द्वारा ताला तोड़कर उसके कमरे में रखे बक्से को तोड़कर उसमें

- विभिन्न जिलों में आरोपियों ने 4 दर्जन वारदातों को दिया अंजाम

से सोने चांदी के आभूषण एवं चार नकदी चुराने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

वहीं क्षेत्र में हो रही लगातार चोरियों के बाद जिला पुलिस अधीक्षक संजीव जैन के निर्देशन में एवं लालसोट पुलिस उपाधीक्षक अरविंद कुमार गोयल के निकटतम सुपर विजन में एव मन थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा इन आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए आसूचना संकलन सहित विभिन्न प्रकार के तकनीकी प्रयास किए जा रहे थे। थाना अधिकारी ने बताया कि आरोपियों से चोरी किए गए जेवरात में से एक चांदी की कनकती, एक चांदी की बगड़ी, एक सोने का जंतर सहित चुराया गया मोबाइल बरामद किया गया है। थाना अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों से कड़ी पूछताछ के बाद उनके द्वारा विभिन्न जिलों के थाना क्षेत्रों में चार दर्जन के करीब वारदातों को अंजाम देना भी स्वीकार किया गया है।

रामगढ़ थाना क्षेत्र में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

किसानों ने खाद के लिए प्रदर्शन किया

निवाई, (निसं)। सहकारी समिति सिरस में डीएपी खाद उपलब्ध नहीं होने पर किसानों ने मंगलवार को एकत्रित होकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। इस दौरान किसानों ने बताया कि क्षेत्र में सरसों बुवाई के लिए सहकारी समिति द्वारा किसानों को डीएपी खाद उपलब्ध करवाने के लिए इफको कंपनी में 19 जुलाई को आठ लाख रुपये जमा करवा दिए थे। लेकिन अभी तक कंपनी द्वारा खाद नहीं भेजा गया है जिससे किसानों को सरसों की बुवाई में बहुत परेशानी उठानी पड रही है। किसानों को सरसों बुवाई के लिए दूर जाकर डीएपी खाद के कट्टे लाने पड रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि इफको कंपनी में हस्तक्षेप कर किसानों के लिए डीएपी खाद उपलब्ध करवाई जाए। किसानों की मांग पर प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया तो धरना प्रदर्शन करना पडेगा। इस दौरान तुलसीराम जाट, सीआर सौभाग खंगार, बबलू प्रजापत, शिवप्रकाश योगी, रमेश गोस्वामी, शिवदयाल, रामजीलाल सहित कई किसान उपस्थित थे।

हिस्ट्रीशीटर सहित दो बदमाशों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया

मालपुरा, (निसं)। दूदू छाण स्टेट हाईवे पर पारीक कॉलेज के सामने टोडारायसिंह थाना पुलिस ने मुखबीर की सुचना पर थाने के हिस्ट्रीशीटर व 5 हजार रूपये के ईनामी मुल्जिम व दो अन्य शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से पिस्टल मय 9 जिंदा कारतूस व 2 मैगजीन जप्त की गई।

डीवाईएसपी सुशील मान ने बताया कि जिला पुलिस अधिक्षक के आदेशानुसार व एएसपी राकेश कुमार बैरवा के निर्देशन मे टोडारायसिंह थाना पुलिस टीम ने जरिए मुखबीर की सुचना पर पारीक कॉलेज के सामने से थाने के हिस्ट्रीशीटर व उसके साथ दो शातिर बदमाशो को गिरफतार कर पिस्टल व कारतुस जप्त किये गये। डीवाईएसपी ने बताया कि गिरफ्तार हिस्ट्रशीटर व ईनामी बदमाश किशन उर्फ कृष्ण कुमार के विरूद्ध टोडारायसिंह थाने मे 3 प्रकरण दर्ज है। आरोपी क्षेत्र मे वारदातों के बाद राजस्थान से बाहर अन्य क्षैत्रों में भाग पुलिस कार्यवाही से बच रहा था। जिस पर जिला पुलिस अधिक्षक द्वारा 5 हजार रूपये का ईनाम भी घोषित किया हुआ था। तो साथ मे पकडे गये हरिराम पुत्र भंवर लाल यादव निवासी नयाबास उफ अहिरों की झोपडिया व मुकेश पुत्र राधेश्याम जाट निवासी हरभगतपुरा उर्फ टोपा थाना टोडारायसिंह को भी गिरफ्तार किया गया। आरोपी किशन के विरूद्ध टोडारायसिंह थाना सहित जयपुर के बजाज नगर, अशोक नगर, नाहरगढ, भांकरोटा, विद्याधर नगर, जवाहर सर्किल आदि थानों में भी विभिन्न आपराधिक मामले दर्ज है।

टोडारायसिंह थाना क्षैत्र के एक हिस्ट्रीशीटर व दो बदमाशों को गिरफ्तार किया।

- आरोपी किशन के विरूद्ध टोडारायसिंह थाना सहित जयपुर के कई थानों में मामले दर्ज

प्रशासन ने हटाया अतिक्रमण

फागी, (निसं)। उपखंड की माधोराजपुरा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत भांकरोटा में मालियों की ढाणी में दबंगों द्वारा किए गए अतिक्रमण को पीड़ित पक्ष की बार बार मांग करने पर तहसीलदार व विकास अधिकारी की मौजूदगी में ग्राम पंचायत प्रशासन व हल्का गिरदावर पटवारी ने पुलिस प्रशासन की उपस्थिति में अतिक्रमण हटवाया।

लेकिन दबंगों के बुलंद हौसले के आगे प्रशासन बौना साबित हुआ और दूसरे दिन ही अतिक्रमणकारियों ने जाली व रास्ते में सामान डालकर अतिक्रमण कर लिया। इस संबंध में पीड़ित रामस्वरूप जांगिड़ द्वारा शिकायत की थी कि उसकी खातेदारी भूमि में जाने के लिए ग्यारसी लाल मालिक के मकान के बराबर से शामलाती रास्ता पर अतिक्रमण कर लिया गया था। जिसका प्रकरण उपखंड स्तर व जिला कलेक्टर तक पहुंच गया था। जिस प्रकरण का ग्राम पंचायत द्वारा अतिक्रमण करने वाले ग्यारसी लाल को ग्राम पंचायत द्वारा नोटिस देकर हटाने के लिए अवगत कराया था। लेकिन अतिक्रमणकारियों ने उस अतिक्रमण को नहीं हटाया। जिस पर ग्राम पंचायत ने संज्ञान लेते हुए तहसीलदार ममता यादव, विकास अधिकारी बृजेंद्र सिंह धाकड़, सहायक विकास अधिकारी कानाराम जाट, गिरदावर विजय सिंह, हल्का पटवारी भांकरोटा मुरारी लाल ग्राम विकास अधिकारी शशिकांत शर्मा व पुलिस की मौजूदगी में रास्ते को अतिक्रमण मुक्त कराया था।

सांभर को उप जिला बनाने के लिये क्षेत्र के लोग रखेंगे सामूहिक उपवास

सांभरझील, (निसं)। सांभर उप जिला को जिला घोषित करवाने के लिये सात दशकों पुरानी मांग व क्षेत्र के लोगों का सपना साकार करवाने के लिये सोमवार को स्थानीय ब्राह्मण समाज की धर्मशाला में विधानसभा क्षेत्र के जनप्रतिनिधयों व आम नागरिकों की सभा का आयोजन कर इस विषय में आगामी रणनीति व रूपरेखा तैयार किये जाने के लिये विचार व सुझाव आमंत्रित किये गये।

सांभर, फुलेरा व नरेना के जनप्रतिनिधयों के अलावा कुछ ग्राम पंचायतों से आये हुये सरपंचों ने भी इसमें सहभागिता निभाई। जिला संघर्ष समिति के युवा नेता व संयोजक विवेक शर्मा की ओर से इस मुहिम को सफल बनाने के लिये की गयी अपील व इसे मजबूती प्रदान करने के लिये अब उनकी टीम में सांभर-फुलेरा-नरायना के राजनीतिक दलों से जुड़े नेताओं व आम नागरिकों की ओर से भी तेजी से लगातार समर्थन दिये जाने का ऐलान किया है। क्षेत्र के लोगों को आस जगी है कि इस बार संयोजक के नेतृत्व में सांभर को जिला बनाने की जो मुहिम शुरू की गयी है वह अब अपने परिणाम तक जाकर ही दम लेगी।

- विधानसभा क्षेत्र के जनप्रतिनिधयों व आम नागरिकों की हुई बैठक

संयोजक विवेक शर्मा की ओर से अनुभवी राजनेताओं व वर्ष 1952 से लेकर सांभर को जिला घोषित करवाने के लिये जिन जिन लोगों ने भी अपनी प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से सक्रिय भूमिका निभाई है उनको इस प्लेटफार्म पर आकर इसमें समुचित मार्गदर्शन व नेतृत्व को मजबूती प्रदान किये जाने के लिये अपनी इच्छा जतायी है।

इसी कड़ी में यह भी निर्णय लिया गया कि प्रदेश के मुखिया का ध्यान आकृष्ट करवाने व आमजन में जोश व जज्बा पैदा करने के लिये अब क्षेत्र के जनप्रतिनिधि 25 सितंबर रविवार को नया बस स्टेण्ड पर सामूहिक उपवास रखेंगे, अपने-अपने इस्ट से प्रार्थना कर मुहिम को सफल बनाये जाने की भी कामना करेंगे।

'सेवा का भाव ही इंसान और देश को आगे बढ़ाता है'

किशनगढ़ बास, (निसं)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर भाजपा की ओर से 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलाए गए पखवाड़े के रूप में मंगलवार को नि:शुल्क हिलीग फिजियोथेरेपी शिविर का शुभारंभ पूर्व विधायक रामहेत यादव ने किया।

भाजपा मंडल महामंत्री मनोज मित्तल ने बताया कि कस्बे के गंज रोड स्थित गुलाब देवी धर्मशाला मैं संजीव सेवा संस्थान व भाजपा के तत्वाधान में शुरू की किए गए नि:शुल्क हिलीग फिजियोथेरेपी शिविर 1 महीने तक चलेगा जिसमें आधुनिक मशीनों से उपचार किया जाएगा।

शिविर का शुभारंभ पूर्व विधायक रामहेत यादव गुरुदेव भास्कर भारद्वाज चेयरमैन पति सतीश सिंघल, भाजपा मंडल अध्यक्ष उमेश कांत वशिष्ठ, गुलाब देवी धर्मशाला के मालिक पुष्कर राज गोयल विश्व हिंदू परिषद के योगेश गोयल संजीव सेवा संस्थान के अध्यक्ष मुनेश कुमार ने किया।

इस अवसर पर अतिथियों ने धर्मशाला निशुल्क उपलब्ध कराए जाने पर पुष्कर राज गोयल का सम्मान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक रामहेत यादव ने नि:शुल्क शिविर लगाए जाने पर संजीव सेवा संस्थान व शिविर के लिए नि:शुल्क जगह उपलब्ध कराने धर्मशाला प्रबंधक का आभार व्यक्त करते हुए कहा सेवा का भाव ही इंसान और देश को आगे बढ़ाता है।

विभिन्न मांगों को लेकर थानागाजी में डॉ. किरोड़ी की सभा, सरिस्का कूच किया

अलवर/थानागाजी। (निसं)। सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा सरिस्का के जंगल को बचाने और स्थानीय को रोजगार दिलाने सहित कई मुद्दों को लेकर थानागाजी में कई हजार लोगों की भीड़ के साथ जुटे। बड़ी तादाद में जुटे लोगों के साथ किरोड़ी लाल मीणा ने सरिस्का की तरफ कूच किया।

डॉ. किरोड़ी ने एक दिन पहले ही सरिस्का के मौजूदा बड़े अफसरों पर वन विभाग की जमीन पर कब्जा करने के आरोप लगाए थे। इतना तक कहा कि अवैध होटल बनवाने में सरिस्का के अफसर मिले हुए हैं। इन होटलों में स्थानीय को रोजगार तक नहीं मिलता। वहीं ईआरसीपी योजना को लेकर प्रदेश की कांग्रेस सरकार को घेरने की तैयारी है। इन सब मसलों पर व थानागाजी के ग्रामीणों के बीच पहुंचे।

थानागाजी में राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल में बड़ी भीड़ पहुंची। लोगों को संबोधित कर किरोड़ी लाल मीणा ने पैदल कूच का ऐलान किया। वे 10 किलोमीटर की पैदल रैली निकाल सकते हैं। वे सरिस्का गेट की तरफ आगे बढे। इसके बाद सरिस्का के जंगल को बचाने को लेकर प्रशासन के अधिकारियों को ज्ञापन देंगे।

डॉ. किरोड़ी ने सरिस्का में मौजूदा फील्ड डायरेक्टर आरएन मीणा सहित तीन पूर्व अधिकारियों का नाम लेकर कहा कि इन्होंने खुद ने सरिस्का की जमीन पर अतिक्रमण किया हुआ है। ये सरिस्का के जंगल से लगती छोटी जमीन खरीदते हैं और फिर आसपास की जमीन पर अतिक्रमण कर लेते हैं। सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन की धज्जियां उड़ाते हुए पहाड़ों से आने वाले पानी यानी वाटर फ्लो को भी रोक देते हैं। ऐसे अफसरों के कारण सरिस्का में अवैध होटलें बन गई हैं।

सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा कई मुद्दों को लेकर थानागाजी में भीड़ के साथ जुटे।

- 'अफसर हड़प रहे जंगल की जमीन, अवैध होटल बनवा रहे'

एक तरह आम किसान व पशुपालक को जरा भी कॉमर्शियल गतिविधि नहीं करने देते हैं। जबकि उनके पूर्वज वहां रहते आए हैं। दूसरी तरफ बड़े लोगों के आगे अफसर चुप्पी साध बैठ जाते हैं। खुद को मौका मिलने पर सरकारी जमीनों को अतिक्रमण कर लेते हैं। मौजूदा फील्ड डायरेक्टर पर लगाए आरोपों पर बात करने का प्रयास किया गया। लेकिन, उनका फोन नोट रिचेबल आता रहा।

डॉ. किरोड़ी मीणा का कहना है कि सरिस्का के क्षेत्र में अवैध होटलें बन गई हैं। जो अलवर की जमीन व पानी इस्तेमाल करते हैं। लेकिन, रोजगार बाहर के लोगों को देते हैं। यह हमारे युवाओं के साथ अन्याय है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अभी हम बड़ी संख्या में रैली निकाल कर ज्ञापन देंगे। सरकार ने अवैध गतिविधियों को नहीं रोका और अवैध अतिक्रमण को नहीं हटाया तो बहुत जल्दी यह आंदोलन बड़ा हो सकता है। वहीं, ईआरसीपी को लेकर सरकार को घेरने पहुंचे हैं। उनका कहना है कि सरकार ईआरसीपी में गांवों के बांधों को नहीं जोड़ रही है। ऐसा नहीं होने से जनता का भला नहीं हो पाएगा। राज्य सभा सांसद मीणा की थानागाजी में विभिन्न मांगों को लेकर हुई जन सभा में सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने विभिन्न मुद्दों को लेकर सरिस्का में जिला प्रशासन के प्रतिनिधि मंडल से वार्तालाप हुई। क्षेत्र में व्याप्त जन समस्याओ में थानागाजी कस्बे की ग्राम पंचायत द्वारापुर द्वारापुर ग्राम पंचायत खेल मैदान में हो रहे अवैध अतिक्रमण हटाने की लम्बित मांग को लेकर एक व्यक्ति उम्मीद लेकर बारिश में भीगते हुए सरिस्का मुख्यालय पहुंचा। तब तक सांसद मीणा वहां से निकल चुके थे। ग्रामीण ने जिला कलेक्टर जितेंद्र सोनी को राज्यसभा सांसद किरोडी लाल मीणा के नाम ज्ञापन सौंपकर काम होने की उम्मीद में राहत की सांस ली।

दुष्कर्म पीड़िता को न्याय की मांग

जयपुर। कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय,जयपुर में लैंगिक उत्पीड़न एवं दुराचार के दोषी अधिकारी एवं कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही कर पीड़िता को त्वरित न्याय की मांग के लिए जारी प्रयासों की कड़ी में अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति (एडवा) की प्रदेश उपाध्यक्ष रईसा खान एवं राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ (रुक्टा डेमोक्रेटिक के प्रदेश संयोजक डॉ रमेश बैरवा ने मुख्यमंत्री एवं राज्य महिला आयोग अध्यक्ष को ज्ञापन भेजे हैं। ज्ञापन में लिखा है कि रुक्टा डेमोक्रेटिक के प्रदेश संयोजक डॉ.रमेश बैरवा एवं एडवा की प्रदेश उपाध्यक्ष रईसा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय में दुष्कर्म पीड़िता से उसके घर पर मिला। पीड़िता अल्पसंख्यक तबके की एकल महिला है जो शिक्षा संकुल स्थित कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय के महत्वपूर्ण सेक्शन में अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यरत रही है। इस सेक्शन के संयुक्त निदेशक डॉ.आर सी मीणा हैं।

पीड़िता ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय में महिलाकर्मियों की इज्जत सुरक्षित नहीं है। आयुक्तालय भ्रष्टाचार एवं व्यभिचार का अड्डा बन गया है।

- पीड़िता के साथ न्याय करने की पुरजोर मांग

महिलाकर्मी शारीरिक एवं मानसिक शोषण की शिकार होती रहती हैं। राजनीतिक संरक्षण प्राप्त आयुक्तालय में पदस्थापित प्रभावशाली अधिकारी ही नहीं,आयुक्त के निजी सचिव जैसे कर्मचारी भी महिलाकर्मियों को गलत निगाह से देखते हैं।

राजनीतिक संरक्षण प्राप्त डॉ. सुभाष यादव, डॉ बनयसिंह, डॉ आर सी मीणा एवं अन्य के प्रभाव के कारण आयुक्तालय में लैंगिक उत्पीड़न की स्थिति बदतर हुई। उच्च शिक्षा मंत्री,उच्च शिक्षा शासन सचिव एवं कॉलेज शिक्षा आयुक्त को ज्ञापन भेजकर दुष्कर्म पीड़िता के साथ न्याय करने एवं सेवा में बहाल करने की पुरजोर मांग की है।

कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय के इस प्रकरण में लैंगिक उत्पीड़न एवं दुराचार के दोषी अधिकारी एवं कर्मचारियों के खिलाफ राजस्थान सिविल सेवायें (आचरण) नियम 1971 के तहत कार्यवाही की जाए। पीड़िता के साथ न्याय किया जाए। सेवा में बहाल किया जाए।

सार-समाचार

प्रतिमा को सौंपने की मांग करेंगे

जयपुर। जिला जाट महासभा समिति अलवर की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की शिवाजी पार्क थाने में जब्त प्रतिमा को समाज को

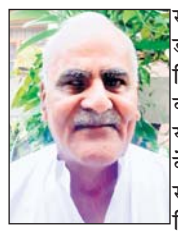

सौंपने की मांग को लेकर शिष्टमंडल जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी एवं जिला प्रमुख बलवीर सिंह से मिलेगा एवं पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा को जल्द से जल्द सौंपने की मांग करेगा। यह जानकारी देते हुए जिला जाट महासभा समिति के जिला अध्यक्ष शेर सिंह चौधरी ने बताया कि इस संबंध में राजस्थान से पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के पोते जयंत चौधरी की पार्टी के विधायक एवं गहलोत सरकार में मंत्री सुभाष गर्ग से भी मिलकर पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा को जल्द से जल्द लाए जाने के लिए संपर्क करेगा। इसके अलावा राष्ट्रीय लोक दल के अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के पोते जयंत चौधरी से भी संपर्क किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा को जाट समाज को मिलने के बाद अहिंसा सर्किल स्थित जाट समाज की परिसर में लगाए जाने का प्रस्ताव लिया है। उन्होंने बताया कि जाट समाज अपने निजी समाज की जमीन पर यह प्रतिमा सम्मान एवं शांति के साथ लगाई जाएगी। जिलाध्यक्ष शेर सिंह ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा को जाट समाज द्वारा 29 मई 2012 को हनुमान चौराहे पर लगाने का प्रयास किया गया था लेकिन जिला प्रशासन ने यह मूर्ति हनुमान चौराहे पर नहीं लगाने दी थी।

लम्पी से गायों को बचाने में जुटा पटवारी

बस्सी, (निसं)। बस्सी तहसील के हल्का पटवारी नांगल बोहरा कृष्ण कुमार लाखीवाल ने अपने हल्का ग्राम बोरई व पेईपुरा में लम्पी रोग से गायों को बचाने की पहल कर एक टीम तैयार की। पटवारी कृष्ण कुमार ने बताया कि पूर्व सरपंच गिर्राज प्रसाद शर्मा, रामदयाल शर्मा मास्टर, रामवतार, शिवदयाल शर्मा, निरंजन शर्मा, रामराय, जयराम, देवीसहाय, गोपीलाल, कन्हैयालाल, दीनदयाल, भवानी सिंह, किशनलाल, रमेशचंद्र, योगेश, राकेश, कमलेश, सीताराम, गोपीलाल व स्थानीय ग्रामवासियों के सहयोग से आयुर्वेदिक औषधियों से लड्डू तैयार कर लम्पी रोग से पीड़ित गायों को खिला रहे हैं। इससे गायें ठीक भी हो रही है। पटवारी कृष्ण कुमार ने इलाके के सभी लोगों से अपील की है कि गायों की पीड़ा को समझकर भामाशाह व आम लोग अपना सहयोग दें तो लम्पी से गायों की जान बचाई जा सकती है। इस काम में पटवारी व रामदयाल मास्टर की भूमिका विशेष रूप से सराहनीय रही।

सम्मेलन 23-25 सितंबर को जयपुर में

अलवर। जनवादी लेखक संघ का राष्ट्रीय सम्मेलन जयपुर के इंदिरा गांधी पंचायतीराज भवन सभागार में 23-25 सितंबर को आयोजित होगा। जलेस के प्रांतीय उप सचिव डॉ भरत मीणा ने बताया कि 23 सितंबर को गांधी सर्किल से पंचायतीराज भवन तक लेखकों, कलाकारों व संस्कृतिकर्मियों का मार्च होगा, तत्पश्चात जननाट्यय मंच की प्रस्तुति होगी। वहीं उद्घाटन सत्र का आयोजन प्रसिद्ध चिंतक राम पुनियानी के मुख्य आतिथ्य में होगा, जिसमें इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश गोविंद माथुर स्वागत उद्बोधन देंगे, जबकि अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कृषि विशेषज्ञ पी साईंनाथ उद्घाटन भाषण देंगे। शाम चार बजे विचार सत्र का आयोजन असगर वजाहत, मुरली मनोहर प्रसाद सिंह व डॉ जीवनसिंह मानवी की संयुक्त अध्यक्षता में आयोजित किया जायेगा, जिसमें प्रसिद्ध समाजशास्त्री एवं जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर आनंद कुमार, चंचल चौहान, विल्सन वेजवाड़, अर्जुमंद आरा, दिल्ली विश्वविद्यालय टीचर्स एसोसिएशन की अध्यक्ष डॉ नंदिता नारायण, प्रोफेसर रतन लाल अपना उद्बोधन देंगे। इस अवसर पर जनवादी लेखकों, कलाकारों और संस्कृतिकर्मियों द्वारा जयपुर घोषणा भी प्रस्तुत की जाएगी। इस राष्ट्रीय अधिवेशन की तैयारी को लेकर आज जलेस अलवर इकाई की मीटिंग सरुप विलास में नीलाभ पंडित की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस अवसर पर जलेस राजस्थान के अध्यक्ष डॉ, जीवनसिंह मानवी का 75वें जन्म वर्ष के अवसर पर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. भरत मीणा ने किया।

सैनी विकास समिति ने सौंपा ज्ञापन

श्रीमाधोपुर, (निसं)। सैनी विकास समिति श्रीमाधोपुर ने मुख्यमंत्री के नाम लिखा गया ज्ञापन मंगलवार को यहां के उपखंड अधिकारी दिलीप सिंह राठौड़ को सौंपकर आग्रह किया है कि गत 15 सितंबर को समाज के लोगों द्वारा किए जा रहे शांतिप्रिय तरीके के प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने समाज के लोगों पर लाठी चार्ज करते हुए मारपीट की व असंवैधानिक तरीके से कुछ लोगों को गिरफ्तार कर उनकी विरूद्ध मुकदमे दर्ज कर लिए गए। ज्ञापन में मांग की गई है कि उस दिन दर्ज सभी मुकदमों में को वापस लिया जाए। ज्ञापन पर समिति के अध्यक्ष नाथूलाल सतरावला, बलदेव सैनी, राजेंद्र कुमार सैनी, सोलू राम सैनी, सुभाष सैनी, मनोनीत पार्षद पीडी सैनी, रमेश कुमार सैनी, मुकेश सैनी, राजू बागवान, महेंद्र सैनी, रवि कुमार, नरेंद्र शिवम, केदारमल सैनी, दयाराम सैनी व अन्य के हस्ताक्षर हैं।

मैं यह पहले भी कह चुका हूं और फिर से कह रहा हूं भारत (टी-20) विश्वकप नहीं जीत सकता। अगर वह ऑस्ट्रेलिया को नहीं हराते।

- गौतम गंभीर

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, टी-20 विश्वकप को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

दिलीप टिर्की

भारत के पूर्व कप्तान और ओलंपियन दिलीप टिर्की ने हॉकी इंडिया के अध्यक्ष पद के लिए नामांकन भरा। नामांकन पत्र जमा करने के बाद टिर्की ने कहा कि उनका उद्देश्य इस खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है। टिर्की ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर लिखा, आप सभी की शुभकामनाओं के साथ हॉकी इंडिया के अध्यक्ष पद के लिए नामांकन भर दिया है। मैं भारतीय हॉकी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हूं।'' भारतीय टीम के पूर्व फुल बैक 44 वर्षीय टिर्की को बीजू जनता दल के उम्मीदवार के रूप में निर्विरोध राज्यसभा के लिए चुना गया था।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिकेट इतिहास के 1877 में सबसे पहले टैस्ट में खेलने वाले एडवर्ड ग्रेगरी, उनके पुत्र सिड ग्रेगरी और उनके भतीजे जैक ग्रेगरी ने अपने टैस्ट जीवन की शुरुआत शून्य (0) से की।

ग्रीन, वेड की आतिशी पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 4 विकेट से मात दी

मोहाली, 20 सितंबर। ऑस्ट्रेलिया ने कैमरन ग्रीन (61) के विस्फोटक अद्धर्शतक और मैथ्यू वेड (46 नाबाद) की आतिशी पारी की बदौलत भारत को पहले टी20 मैच में मंगलवार को चार विकेट से मात दी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 208 रन बनाये थे, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने चार गेंदें रहते हुए हासिल कर लिया। मोहाली के बड़े मैदान में 209 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कैमरन ग्रीन ने ऑस्ट्रेलिया को विस्फोटक शुरुआत दिलायी। बीच के ओवरों में ग्लेन मैक्सवेल (01) और जॉश इंग्लिस (17) का विकेट जल्दी गिरने के बाद भारत के लिये कुछ उम्मीदें जगीं, लेकिन मैथ्यू वेड ने डेब्यूटांट टिम डेविड (18) के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलिया को जीत तक पहुंचाया। वेड ने अपनी मैच जिताऊ पारी में सिर्फ 21 गेंदें खेलकर छह चौके और दो छक्के लगाते हुए नाबाद 45 रन बनाये। आखिरी गेंद पर पैट कमिंस ने चौका लगाकर ऑस्ट्रेलिया को विजय दिलायी।

ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी के लिये आमंत्रित किया और रोहित शर्मा (11) एवं विराट कोहली (02) के जल्दी आउट होने के बावजूद भारत ने विस्फोटक बल्लेबाजी के साथ पावरप्ले में 46 रन जोड़े। राहुल ने स्ट्राइक रेट से जुड़े सवालों का जवाब देते हुए 35 गेंदों पर चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 55 रन बनाये, और सूर्यकुमार यादव के साथ तीसरे विकेट के लिये 68 रन की साझेदारी की। सूर्यकुमार ने आउट होने से पहले 25 गेंदों पर दो चौके और चार छक्के लगाते हुए 46 रन की पारी खेली।

राहुल (12वां ओवर) और सूर्यकुमार (14वां ओवर) का विकेट गिरने के बाद अक्षर पटेल भी 16वें ओवर में छह रन बनाकर आउट हो गये। दिनेश कार्तिक (06) भी महत्वपूर्ण योगदान नहीं दे सके, लेकिन हार्दिक पांड्या ने अपना दूसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय अद्धर्शतक जमाते हुए भारत को 200 रन के आंकड़े के पार पहुंचाया। पांड्या ने 30 गेंदों पर सात चौकों और पांच छक्कों की बदौलत ताबड़तोड़ 71 रन बनाये, जिसमें आखिरी ओवर में लगाये गये तीन छक्के शामिल थे। हार्दिक की विस्फोटक बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने अंतिम पांच ओवर में 67 रन जोड़ते हुए 20 ओवर में 208 रन बनाये।

भारत ने पहली बार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 200 रन का आंकड़ा पार किया है। ऑस्ट्रेलिया की ओर से नेथन एलिस ने चार ओवर में 30 रन देकर तीन विकेट लिये, जबकि जॉश हेजलवुड को दो और कैमरन ग्रीन को एक विकेट प्राप्त हुआ।

कप्तान आरोन फिंच और ग्रीन की सलामी जोड़ी ने 209 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया को विस्फोटक शुरुआत दिलायी और पहले विकेट के लिये 21 गेंदों पर 39 रन की साझेदारी की। पारी की शुरुआत छक्के से करने वाले फिंच ने 13 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 22 रन बनाये।

ग्रीन ने स्टीव स्मिथ के साथ भी दूसरे विकेट के लिये 70 रन जोड़े। स्मिथ ने 24 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की बदौलत 35 रन बनाये, जबकि ग्रीन ने अक्षर की गेंद पर बोल्ड होने से पहले 61 रन की विस्फोटक पारी में 30 गेंदें खेलकर आठ चौके और चार छक्के लगाये।

उमेश यादव ने 12वें ओवर में स्मिथ और मैक्सवेल को आउट करके भारत के लिये उम्मीदें जगायीं, लेकिन वेड और डेविड की जोड़ी ने भारत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

ऑस्ट्रेलिया को आखिरी छह ओवर में 64 रन की आवश्यकता थी, लेकिन वेड और डेविड की जोड़ी ने 30 गेंदों पर 62 रन की साझेदारी करके मैच को 19वें ओवर में ही समाप्त कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने हर्षल पटेल के 18वें ओवर में 22 रन और भुवनेश्वर कुमार के 19वें ओवर में 16 रन बटोरे, जिसके बाद कंगारुओं को आखिरी ओवर में मात्र दो रन की दरकार थी। टिम डेविड युज़वेंद्र चहल की पहली गेंद पर आउट हो गये, लेकिन कमिंस ने चौका लगाकर ऑस्ट्रेलिया को तीन मैचों की टी20 शृंखला में 1-0 की बढ़ त दिलायी।

भारत की ओर से अक्षर पटेल ने चार ओवर में सिर्फ 17 रन देकर तीन विकेट लिये, जबकि उमेश यादव ने दो विकेट के बदले दो ओवर में 27 रन दिये। चहल ने एक विकेट लिया लेकिन इसके बदले 3.2 ओवर में 42 रन दिये। चार ओवर में 52 रन देने वाले भुवनेश्वर और चार ओवर में 49 रन देने वाले हर्षल को कोई विकेट हासिल नहीं हुआ।

श्यामलाल, श्रद्धानंद कॉलेज प्री इंटर कॉलेज कबड्डी के सेमीफाइनल में

नयी दिल्ली, 20 सितंबर। राष्ट्रीय राजधानी के श्यामलाल कॉलेज और स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज ने मंगलवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के पहले प्री इंटर कॉलेज कबड्डी पुरुष टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। श्यामलाल कॉलेज ने जहां अरविंदो कॉलेज को 59-46 से हराकर तीनों लीग मैच जीतते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई। वहीं स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज ने इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजूकेशन को 67-41 से हराकर सेमीफाइनल में कदम रखा है।

मोहाली स्टेडियम में पहुंची बम-डॉग स्क्वायड टीम, खंगाला चप्पा-चप्पा

मोहाली, 20 सितंबर। मोहाली पुलिस ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले प्रथम टी20 मैच से पहले मंगलवार को बम स्क्वायड एवं डॉग स्क्वायड के साथ मोहाली के आईएस बिंद्रा क्रिकेट स्टेडियम का दौरा किया और स्टेडियम के चप्पे-चप्पे की गहरायी से जांच की। दोनों टीमों के खिलाड़ी दो दिन से इसी मैदान में अभ्यास कर रहे हैं। मोहाली जिला प्रशासन ने सुरक्षा को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। मैच से पहले मोहाली स्टेडियम में सुरक्षा के प्रबंधों का जायजा लेने के लिए पंजाब पुलिस के बड़े अधिकारी पहुंचे। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव, पुलिस उपमहानिरीक्षक रोपड़ रेंज गुरप्रीत सिंह तूर और मोहाली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवेकशील सोनी ने पूर्वाह्न करीब 11 बजे स्टेडियम का दौरा कर सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया। उल्लेखनीय है कि मोहाली में मैच को देखते हुए पुलिस के 1500 से ज्यादा जवानों को सुरक्षा में तैनात किया गया है। मोहाली पंजाब के सीमा क्षेत्र में आने के कारण राज्य का संवेदनशील हिस्सा है। बीते दिनों मोहाली में कई बड़ी घटनाएं भी हुईं, जिनमें 10 मई को मोहाली स्थित पंजाब पुलिस इंटेलिजेंस हेडक्वार्टर पर हुआ ठोनेड हमला शामिल है। ऑस्ट्रेलिया के भारत दौरे पर दोनों टीमों के बीच तीन टी20 मैच होंगे। पहला मैच 20 सितंबर को मोहाली के आईएस बिंद्रा स्टेडियम में होने वाला है। दूसरा टी20 मैच 23 सितंबर को नागपुर में जबकि तीसरा टी20 मैच 25 सितंबर को हैदराबाद में होगा।

— बारिश ने खेल बिगाड़ा, गीले आउटफील्ड के कारण इंडिया लीजेंड्स बनाम न्यूजीलैंड लीजेंड्स मुकाबला रद्द

इंदौर, 19 सितंबर। इंडिया लीजेंड्स और न्यूजीलैंड लीजेंड्स के बीच सोमवार को होल्कर स्टेडियम में निर्धारित रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज 2022 के मैच नंबर-12 को भारी बारिश के बाद रद्द कर दिया गया। खेल शुरू होने के एक घंटे बाद हुई भारी बारिश ने मैदान को खेल के लिए अयोग्य बना दिया। अंपायार और मैच रेफरी ने मैदान का पूरी तरह से निरीक्षण करने के बाद अंतिम फैसला लिया। मैच अधिकारियों के साथ चर्चा के बाद दोनों कप्तानों ने हाथ मिलाया और मैच को रद्द करने का फैसला किया। इंडिया लीजेंड्स के कप्तान सचिन तेंदुलकर ने अपने साथियों के साथ स्टेडियम का चक्कर लगाते हुए घंटों मैच शुरू होने का इंतजार कर रहे दर्शकों का धन्यवाद दिया। इससे पहले, न्यूजीलैंड के कप्तान रॉस टेलर ने टॉस जीतकर मेजबान टीम के खिलाफ पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। शेन बॉन्ड ने नमन ओझा को 18 रन पर आउट कर न्यूजीलैंड के लिए पहली सफलता हासिल की। तेंदुलकर ने हालांकि अपनी बल्लेबाजी से प्रशंसकों का मनोरंजन किया। मास्टर ब्लास्टर की मैच की पहली बाउंड्री कवर क्षेत्र की ओर उनका ट्रेडमार्क बैक फुट पंच था। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने पैडल स्वीप भी खेला और गेंद को विकेटकीपर के सिर के ऊपर से सीमा रेखा के बाहर पहुंचा दिया। सुरेश रैना को सात रन पर जीवनदान मिला। पावरप्ले के अंतिम ओवर में क्षेत्ररक्षक ने हामिश बेनेट की गेंद पर मिड ऑन पर आसान कैच गिरा दिया। कुछ गेंदों के बाद ही पानी बरसने लगा। जब खेल रोका गया तब भारत का स्कोरकार्ड 5.5 ओवर में 49/1 था। बारिश के कारण खेल लगभग दो घंटे रुका रहा। बारिश बंद होने के बाद ग्राउंड स्टाफ ने मैदान को मैच के लिए तैयार करने के लिए तेजी से काम किया, लेकिन मैदान पर कुछ स्थान इतने नम थे, जिनके रहते हुए खेलना नामुमकिन था। मैदान से बाहर निकलने से पहले इंडिया लीजेंड्स ने मैदान को खेलने लायक बनाने के लिए अथक मेहनत करने वाले होल्कर स्टेडियम के ग्राउंड स्टाफ के साथ एक तस्वीर खिंचवाई और उनके योगदान की तारीफ की।

रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज के लिए सचिन, युवराज देहरादून पहुंचे

देहरादून, 20 सितंबर। भारत के दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और युवराज सिंह रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज 2022 में चौकों-छक्कों की बरसात करने के लिये मंगलवार को देहरादून पहुंचे।

भारत सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिये आयोजित रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज 2022 लखनऊ और इंदौर से होते हुए देहरादून पहुंची है, जहां पहला मैच 21 सितंबर को खेला जायेगा। 22 सितंबर को भारतीय खिलाड़ी मैदान पर उतरेंगे। रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज के लिए मंगलवार को इंडिया लीजेंड्स, श्रीलंका लीजेंड्स, इंग्लैंड लीजेंड्स व न्यूजीलैंड लीजेंड्स के खिलाड़ी देहरादून पहुंचे। सचिन तेंदुलकर की कप्तानी वाली इंडिया लीजेंड्स के खिलाड़ी चार्टेड प्लेन से देहरादून पहुंचे हैं।

देहरादून में होने जा रहे क्रिकेट मैच को लेकर प्रदेशवासी उत्सुक हैं, वहीं मैच के लिए सोमवार को इंडिगो की फ्लाइट से इंदौर से चार देशों के 113 सदस्य देहरादून पहुंच गए थे। देहरादून के जौलीठांट एयरपोर्ट पर पहुंचने के बाद सभी सदस्य विभिन्न होटलों के लिए बसों एवं अन्य वाहनों से रवाना हुए।

वियतनाम पंसदीदा, लेकिन भारत में 'हंग थिन्ह टूर्नामेंट' जीतने की क्षमता : स्टिमक

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कोच इगोर स्टिमक ने कहा छोटी-छोटी चीजें हैं जो तय करती हैं कि कौन जीतेगा

कोलकाता, 20 सितंबर। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कोच इगोर स्टिमक ने मंगलवार को कहा कि वियतनाम हंग थिन्ह मैत्री फुटबॉल टूर्नामेंट जीतने की सबसे मजबूत दावेदार है, लेकिन भारत भी टूर्नामेंट जीतने की क्षमता रखता है। भारत को हंग थिन्ह मैत्री फुटबॉल टूर्नामेंट में मेजबान वियतनाम और सिंगापुर के खिलाफ दो मुकाबले खेलने हैं।

स्टिमक ने कहा, 'हम निश्चित रूप से टूर्नामेंट जीतने में सक्षम हैं, लेकिन मुझे लगता है कि छोटी-छोटी चीजें हैं जो तय करती हैं कि कौन जीतेगा। जाहिर है वियतनाम ने पिछले कुछ वर्षों में अपने प्रदर्शन के साथ काफी गति प्राप्त की है। उनके पास एक अच्छी टीम है और वे घर पर खेल रहे है। यही वजह है कि वे शायद पसंदीदा हैं, लेकिन हमारे पास एक अच्छा मौका भी है क्योंकि हमारे पास एक युवा टीम है।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हमारे पास उनकी बराबरी करने के लिए पर्याप्त गुण हैं, और अगर हम सकारात्मक रहते हैं और अच्छी मानसिकता के साथ खेलते हैं, तो हम ऐसा कर सकते हैं। यह हमारे लिए एक अच्छी चुनौती है, हालांकि हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि हम अपने खिलाड़ियों को सही तरीके से मिश्रित करें। हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि कोई भी चोटग्रस्त न हो।'

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने टूर्नामेंट के लिये मंगलवार को 23-सदस्यीय स्क्वाड की घोषणा की। ब्लू टाइगर्स टीम में कुछ नये चेहरे भी हैं, हालांकि स्टिमक का कहना है कि जो खिलाड़ी टूर्नामेंट के लिये टीम का हिस्सा नहीं हैं उनके लिये दरवाजे बंद नहीं किये गये हैं।' किसी को भी बाहर नहीं किया गया है। मेरी वास्तविक सूची में 40 खिलाड़ी हैं, और यह सिर्फ टूर्नामेंट की स्थिति के कारण है कि मैं उनमें से केवल 23 को चुन सकता हूं। मेरे तकनीकी स्टाफ और मुझे लगा कि खिलाड़ियों का यह सेट आने वाले दो मैचों के लिए सबसे उपयुक्त और सबसे अनुकूल था। उन्होंने कहा, 'इस तरह हम खिलाड़ियों के बारे में अधिक सीखते हैं। इससे पहले मैंने अपने सभी खिलाड़ियों के साथ बैठक की थी। मैंने उन्हें बताया था कि हम इस मौजूदा सूची के साथ क्यों जा रहे हैं। जो खिलाड़ी सूची में नहीं है वह जानता है कि ऐसा क्यों है, लेकिन हर कोई मार्च की तैयारी कर रहा है।

हंग थिन्ह मैत्री फुटबॉल टूर्नामेंट के लिये भारतीय टीम : गोलकीपर: गुरप्रीत सिंह संधू, धीरज सिंह मोइरंगथेम और अमरिंदर सिंह।

डिफेंडर्स: संदेश झिंगन, रोशन सिंह नौरेम, अनवर अली, आकाश मिश्रा, चिंगलेनसाना सिंह कोनशाम, हरमनजोत सिंह खाबरा और नरेंद्र।

मिडफील्डर: लिस्टन कोलाको, मोहम्मद आशिक कुरुनियान, विक्रम प्रताप सिंह, उदंता सिंह कुमम, अनिरुद्ध थापा, ब्रैंडन फर्नांडीस, यासिर मोहम्मद, जैकसन सिंह थौनाओजम, सहल अब्दुल समद, राहुल कन्नोली प्रवीण और लल्लियांजुआला छंगटे।

फॉरवर्ड : सुनील छेत्री और ईशान पंडिता।

शौचालय में खाना परोसे जाने के बाद खेल अधिकारी निलंबित

लखनऊ/सहारनपुर, 20 सितंबर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में एक प्रमुख खेल स्टेडियम के शौचालय में महिला कबड्डी खिलाड़ियों को भोजन परोसे जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राज्य सरकार ने मंगलवार को एक क्षेत्रीय खेल अधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। सहारानपुर के डॉ. भीमराव अंबेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम में हुई इस घटना के बाद शासन स्तर के खेल अधिकारी अनिमेष सक्सेना को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। अपर मुख्य सचिव खेल नवनीत सहगल ने बताया कि मामले की जांच सहारनपुर के जिलाधिकारी अखिलेश सिंह को सौंप दी गयी है। उनसे तीन दिन के भीतर पूरी रिपोर्ट मांगी गई है। इस मामले का वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया है। सहगल ने कहा, जिस ठेकेदार को खिलाड़ियों को खाना बनाने और उपलब्ध कराने का ठेका दिया गया था, उसे ब्लैकलिस्ट (काली सूची में डालने) करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही निर्देश दिया गया है कि उसे भविष्य में कोई काम न दिया जाये।

मंधाना ने करियर की सर्वश्रेष्ठ ट्वंटी-20 रैंकिंग हासिल की

दुबई, 20 सितंबर। भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन की बदौलत अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ टी20 रैंकिंग हासिल कर ली है। आईसीसी की ओर से मंगलवार को जारी नवीनतम रैंकिंग के अनुसार मंधाना ने तीन मैचों की शृंखला में बनाये गये 111 रन की बदौलत टी20 में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ टी20 रैंकिंग है। साथ ही, मंधाना ने पहले एकदिवसीय मैच में खेली गयी 91 रन की सहायता से एकदिवसीय रैंकिंग में तीन पायदान की छलांग लगायी और अब वह सातवें स्थान पर है। भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर एकदिवसीय मैचों में चार पायदान की बढ़ त के साथ नौवें स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि हरफनमौला खिलाड़ी दीप्ति शर्मा एक पायदान के फायदे से 32वें स्थान पर पहुंच गई हैं। विकेटकीपर यास्तिका भाटिया ने शनिवार को होव में भारत की सात विकेट से जीत के बाद एकदिवसीय रैंकिंग में आठ स्थान चढ़ कर 37वां स्थान हासिल किया है। भारत-इंग्लैंड टी20 शृंखला के बाद हरमनप्रीत (बल्लेबाजों में एक स्थान ऊपर 14वें स्थान पर), नयी गेंद की गेंदबाज रेणुका सिंह (गेंदबाजों में तीन स्थान ऊपर 10वें स्थान पर) और स्पिनर राधा यादव (गेंदबाजों में चार स्थान ऊपर 14वें स्थान पर) ने भी रैंकिंग में सुधार किया है। हरफनमौला स्नेह राणा और पूजा वस्त्राकर संयुक्त-41वें स्थान पर हैं।

आईसीसी ने नये नियमों की घोषणा की, लार पर प्रतिबंध को स्थायी किया

नये नियम एक अक्टूबर 2022 से लागू होंगे, 16 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप में भी प्रयोग में लिये जायेंगे

दुबई, 20 सितंबर। वैश्विक क्रिकेट की नियामक संस्था अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने मंगलवार को खेल के नियमों में बदलाव करते हुए लार के प्रयोग पर स्थायी प्रतिबंध लगा दिया।

आईसीसी ने यहां जारी विज्ञिप्त में कहा कि सौरव गांगुली के नेतृत्व वाली पुरुष क्रिकेट समिति ने महिला क्रिकेट समिति की सहमति के साथ एमसीसी की क्रिकेट नियमों की 2017 संहिता में बदलावों की सिफारिश की थी, जिसे मुख्य कार्यकारी समिति ने मंजूरी दी। नये नियम एक अक्टूबर 2022 से लागू होंगे और 16 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप में भी प्रयोग में लिये जायेंगे।

आईसीसी ने कहा कि जून 2020 में लार के प्रयोग पर लगाये गये प्रतिबंध को स्थायी कर दिया गया है। कोरोना महामारी के कारण क्रिकेट को बायो-बबल के भीतर कर दिया गया था और गेंद को चमकाने के लिए लार के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाया गया था। आईसीसी ने दो साल की अवधि के बाद इस प्रतिबंध को स्थायी बनाने का फैसला किया, जबकि बायो-बबल अब अनिवार्य नहीं है। नये नियमों के अनुसार जब कोई बल्लेबाज कैच आउट होगा तो नया बल्लेबाज ही स्ट्राइक लेगा, भले ही पिछले दोनों बल्लेबाज विपक्षी टीम के खिलाड़ी के कैच लेने से पहले रन लेते समय एक दूसरे को पार कर गये हों। यह नियम मार्च 2022 में दुनिया के सामने आ गया था और एक अक्टूबर से आधिकारिक रूप से अमल में लिया जायेगा।

आईसीसी ने क्रीज से बाहर निकले नॉन-स्ट्राइकर बल्लेबाज को रनआउट करने को अनुचित खेल से हटाकर रनआउट श्रेणी में स्थानांतरित कर दिया है। आउट करने की इस पद्धित को अब मांकडिंग की जगह नियमित रनआउट माना जायेगा। आईसीसी ने नये बल्लेबाज को क्रीज पर आने के लिये मिलने वाले समय को भी कम किया है। पहले एकदिवसीय और टेस्ट मैच में एक बल्लेबाज के पास विकेट गिरने के बाद क्रीज पर आने और स्ट्राइक लेने के लिए तीन मिनट का समय होता था।

सुब्रतो कप अंडर-17 गर्ल्स : बिहार, हरियाणा ने दर्ज की बड़ी जीत

नयी दिल्ली, 20 सितंबर। आरकेएस गर्ल्स हाई स्कूल (बिहार) और जीएसएसएस अलखपुरा (हरियाणा) ने 61वें सुब्रतो कप में अंडर-17 बालिका वर्ग के ग्रुप चरणों में बड़े अंतर से जीत दर्ज की है। आरकेएस गर्ल्स हाई स्कूल ने प्रतियोगिता के पहले दिन फाउंटेनहेड स्कूल (सूरत) को 11-0 से हराया और दूसरे दिन रिवरसाइड नेचुरल स्कूल (मध्य प्रदेश) को 14-0 से मात दी। जीएसएसएस अलखपुरा ने जीएचएसएस (अरुणाचल प्रदेश) को पहले दिन 6-0 और हातिमारी हाई स्कूल (पश्चिम बंगाल) को दूसरे दिन 7-0 से शिकस्त दी। पूल एच ने भी पिछले दो दिनों में बड़े स्कोर वाले मैच देखे। नेशनल कैडेट कोर (इंफाल) ने दूसरे दिन कोस्ट गार्ड पब्लिक स्कूल (दमन और दीव) के खिलाफ 25-0 की विशाल जीत दर्ज की। कोस्ट गार्ड पब्लिक स्कूल को पहले दिन सेंट जेवियर्स हाई स्कूल (कर्नाटक) से 14-0 की हार मिली थी। सेंट पैट्रिक हाई स्कूल (झारखंड) ने दूसरे दिन सेंट जेवियर्स हाई स्कूल (कर्नाटक) को 13-0 के स्कोर से हराया। इसी बीच, रिवरसाइड नेचुरल स्कूल (मध्य प्रदेश) ने केंद्रीय विद्यालय (देहरादून) के खिलाफ 9-0 से जीत हासिल की।

न्यूजीलैंड ने टी-20 विश्वकप टीम में मिल्ने को शामिल किया

ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप के लिये 15 सदस्यीय स्क्वाड की घोषणा की

ऑकलैंड, 20 सितंबर। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड (एनजेडसी) ने अगले महीने ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप के लिये मंगलवार को 15 सदस्यीय स्क्वाड की घोषणा की जिसमें तेज गेंदबाज एडम मिल्ने को शामिल किया गया है।

मिल्ने को पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित टी20 विश्व कप के लिये चोटग्रस्त लोकी फर्ग्यूसन की जगह टीम में शामिल किया गया था। 31 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 32 विकेट लेने वाले मिल्ने, फर्ग्यूसन, टिम साउदी और ट्रेंट बोल्ट के साथ कीवी टीम के प्रमुख गेंदबाज हैं, हालांकि एड़ी की चोट के कारण वह पिछले कुछ दौरों पर टीम का हिस्सा नहीं थे।

न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने कहा कि वह टी20 विश्व कप से पहले पाकिस्तान और बंगलादेश के खिलाफ टी20 शृंखला में मिल्ने के प्रदर्शन पर नजर रखेंगे, हालांकि उन्हें विश्वास है कि तेज गेंदबाज विश्व कप के लिये पूरी तरह तैयार होंगे।

स्टीड ने कहा 'हमने एडम और उसके आसपास के चिकित्सा दल के साथ बहुत सारी बातचीत की है। हमें विश्वास है कि अगर उसके लिए सब कुछ ग्रेक रहा तो वह

त्रिकोणीय शृंखला के लिए पहले से उपलब्ध होगा। मुझे लगता है कि अंततः मिल्ने के सामने यह सुनिश्चित करने के लिये एक अंतिम परीक्षा है कि वह उस स्थिति में है जैसी स्थिति में हम उसे चाहते हैं। हमें विश्वास है कि वह तैयार होगा और इसलिए उसे चुना गया।'

15 खिलाड़ियों की टीम में फिन एलन और माइकल ब्रेसवेल भी शामिल हैं जो अपने पहले विश्व कप में दिखाई देंगे। डेवोन कॉनवे टीम के विकेटकीपर होंगे जबकि मार्क चैपमैन और ईश सोढ़ी ने टीम में अपनी जगह बरकरार रखी है। कप्तान केन विलियमसन की टीम के पास विकेटकीपर के रूप में कॉनवे का कोई विशिष्ट विकल्प नहीं है।

विश्व कप की तैयारी में प्रो. लीग मुकाबले सहायक होंगे : मनप्रीत

नयी दिल्ली, 20 सितंबर। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के फॉर्वर्ड मनदीप सिंह ने मंगलवार को कहा कि एफआईएच पुरुष हॉकी प्रो लीग 2022/23 में न्यूजीलैंड और स्पेन के खिलाफ होने वाले मुकाबले विश्व कप की तैयारी में सहायक साबित होंगे। मनदीप ने कहा, 'एक बड़ी प्रतियोगिता से पहले मजबूत टीमों के खिलाफ खेलना हमेशा अच्छा होता है। एफआईएच पुरुष हॉकी प्रो लीग 2022/23 एक बार फिर विश्व कप के लिए खुद को तैयार करने में मददगार होगी, और हमें टूर्नामेंट से पहले खुद को परखने का मौका भी देगी।'

उल्लेखनीय है कि एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरुष विश्व कप 2023 से पहले भारतीय पुरुष हॉकी टीम 28 अक्टूबर 2022 से छह नवंबर 2022 तक एफआईएच पुरुष हॉकी प्रो लीग 2022/23 के पहले चरण में न्यूजीलैंड और स्पेन के खिलाफ खेलेगी।

एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप का आयोजन ओडिशा के राउरकेला और भुवनेश्वर में 13 जनवरी 2023 से 29 जनवरी 2023 तक किया जायेगा। विश्व रैंकिंग में पांचवें नंबर की भारतीय टीम को पूल डी में इंग्लैंड, वेल्स और स्पेन के साथ रखा गया है। मनदीप ने टीम की तैयारियों के बारे में कहा, 'हमारे कोच ग्राहम रीड हमेशा हमें उन चीजों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहते हैं जो हमारे नियंत्रण में है, न कि उन पर जो हमारे नियंत्रण से परे हैं।

वर्ष 1975 में कोरिया प्रायद्वीप के दक्षिण पश्चिम समुद्र में शिनान द्वीपों के पास, मछुआरों के जाल में मछलियों के साथ-साथ चीन में बनी सरैमिक (चीनी मिट्टी) की 6 कलाकृतियां भी फंसकर ऊपर आ गईं। अनायास हुई इस खोज ने 14 वीं सदी में डूबे एक जहाज की खोज का मार्गप्रशस्त किया, जिसमें सरैमिक की कलाकृतियां व अन्य कीमती वस्तुओं का जखीरा था। शिप में लदा अधिकांश सामान लगभग साबुत स्थिति में था, इसलिए वैज्ञानिकों ने इस डूबे हुए जहाज को अब तक खोजा गया सबसे प्राचीन व मूल्यवान "शिप रैक" करार दिया। वर्ष 1976 से 1984 तक कोरिया के गोताखोर इस मध्यकालीन चीनी जहाज से कलाकृतियां निकालते रहे। हालांकि, जहाज पानी में सिर्फ 20 मीटर नीचे ही था, लेकिन तेज धाराओं और देखने में आ रही मुश्किल के कारण खोजबीन का काम ना केवल कठिन था बल्कि तब ही हो सकता था जब समुद्र शांत हो, और दिन में मात्र एक घंटे ही यह संभव था। पानी के अंदर घने अंधेरे में काम करते हुए 20,000 से ज्यादा सरैमिक कलाकृतियां, 200 मैटल कलाकृतियां, दो दर्जन पत्थर से बनी कृतियां और 28 टन चीनी सिक्के निकाले गए। इसके अलावा लाल चंदन से बनी कई चीजें, और रोजमर्रा की कई वस्तुएं भी जहाज से मिलीं। जहाज को तोड़कर और पेंदे को उठाकर सारा सामान बाहर निकाला गया। अनुमान है कि, जहाज 32 मीटर लम्बा था और 200 टन तक भार ढो सकता था। इतनी महत्वपूर्ण खोज के बाद भी जहाज की पहचान अज्ञात है और यह भी पता नहीं है कि यह किस बंदरगाह से रवाना हुआ था। संभावना है कि, यह जहाज चीन से रवाना हुआ था और जापान जा रहा था। जहाज पर लकड़ी से बने टैग मिले हैं जिन पर स्याही से जापानी मंदिरों, जैसे क्योटो के तोफूकूजी मंदिर और हाकाता के हाकोसाकी मंदिर, के नाम लिखे हैं। इसके अलावा समुद्र मार्ग से व्यापार करने वालों व भिक्षुकों के नाम भी टैग्स पर लिखे हैं। इससे संकेत मिलता है कि यह जहाज जापान के हाकाता बंदरगाह जा रहा था। डूबे हुए जहाज से प्राप्त कलाकृतियां व जहाज का मॉडल दक्षिण कोरिया के नैशनल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ मैरीटाइम कल्चरल हैरिटेज में प्रदर्शित हैं।

सवर्ण निर्धनों को आरक्षण देने पर सुप्रीम कोर्ट में बहस जारी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट की संविधान बैंच को मंगलवार को बताया कि जनरल कैटेगरी की आबादी में से इकोनॉमिकली वीकर सैक्शन्स (ई.डब्ल्यू.एस.) को दिया गया 10 प्रतिशत आरक्षण एक "सकारात्मक कार्रवाई" है और यह शिड्यूल्ड कास्ट्स (एस.टी.) व अदर बैकवर्ड क्लासेस (ओ.बी.सी.) के 50 प्रतिशत आरक्षण से अलग है।

केन्द्र सरकार ने कहा कि संविधान के 103वें संशोधन के जरिए लाया गया ई.डब्ल्यु.एस. कोटा एस.सी., एस.टी. और ओ.बी.सी. को दिए गए आरक्षण का अतिक्रमण नहीं करता, अत: इसे इस रूप में ना समझा जाए कि यह उनके लिए तय अधिकतम 50 प्रतिशत आरक्षण से अधिक है।

चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया (सी.जे.आई.) उदय उमेश ललित, जस्टिस दिनेश महेश्वरी, जस्टिस एस. रविन्द्र भट, बेला एम. पारदीवाला से युक्त एक संविधान बैंच को अटॉर्नी जनरल के.के. वेणुगोपाल ने बताया कि 103वें संविधान संशोधन का उद्देश्य जनरल कैटेगरी के इकोनॉमिकली वीकर सैगमैन्ट की करीब 18 करोड़ आबादी को लाभान्वित करना है। उनके निवेदन

- **एटॉर्नी जनरल वेणुगोपाल ने तर्क दिया कि, गरीब सवर्णों को दिया गया यह आरक्षण, एस.सी., एस.टी. व ओ.बी.सी. को दिये गये आरक्षण को कम नहीं करता, बल्कि शेष 50 प्रतिशत जनरल जनता को दिये गये अवसर में से काट कर दिया जायेगा।**
- **अतः सवर्ण गरीबों को दिया गया यह आरक्षण 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा का उल्लंघन नहीं करता।**

अधूरे रहे, लेकिन बुधवार को जारी रहेंगे।

वेणुगोपाल ने कहा कि सिन्हा आयोग ने जहां ई.डब्ल्यु.एस. लोगों की संख्या 18 करोड़ मानी है, वहीं नीति आयोग ने मल्टीडायमैन्शनल पावर्टी इन्डैक्स ने उनकी संख्या 25.1 करोड़ बतायी है।

याचिकाकर्ताओं के तर्कों का जवाब देते हुए, जिनका कहना है कि ई.डब्ल्यु.एस. आरक्षण वर्ष 1992 के इंदिरा साहनी केस के निर्णय में तय 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा से अधिक है, अटॉर्नी जनरल ने कहा कि 50 प्रतिशत की सीमा सजातीय समूह रखने वाले एस.सी., एस.टी. और ओ.बी.सी. के आरक्षण के लिए है और ई.डब्ल्यु.एस. जनरल कैटेगरी में से है। यह दोनों ही भिन्न हैं।

अटॉर्नी जनरल ने इस पर जोर दिया कि ई.डब्ल्यु.एस. का 10 प्रतिशत आरक्षण हिस्सा जनरल कैटेगरी के लिए बचे 50 प्रतिशत आरक्षण में से है तथा इसे एस.सी., एस.टी. और ओ.बी.सी. के वर्तमान 50 प्रतिशत आरक्षण से जोड़कर ना देखा जाए।

इस तर्क का जिक्र करते हुए कि ई.डब्ल्यु.एस. आरक्षण भेदभावपूर्ण है क्योंकि यह एस.सी., एस.टी. व ओ.बी.सी. के इसी तरह की इकोनॉमिकली वीकर केटेगरीज़ के लिए लागू नहीं होता, अटॉर्नी जनरल वेणुगोपाल ने कहा कि एस.सी., एस.टी. व ओ.बी.सी. के आरक्षण में यह स्व-निहित है क्योंकि इसमें इस वर्ग के इकोनॉमिकली वीकट सैक्शन्स भी शामिल है। उन्होंने कहा कि एस.सी., एस.टी. और ओ.बी.सी. शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में आरक्षण लेने के अलावा कई अतिरिक्त लाभ ले रहे हैं।

एस.सी., एस.टी. तथा ओ.बी.सी. और दूसरी तरफ ई.डब्ल्यु.एस. आरक्षण में अंतर स्पष्ट करते हुए अटॉर्नी जनरल ने कहा कि ई.डब्ल्यु.एस. आरक्षण एस.टी. व एस.सी. आरक्षण का विस्तार नहीं है, बल्कि यह एक भिन्न कैटेगरी है, जो एक समयावधि में उभरकर सामने आयी है।

अटॉर्नी जनरल वेणुगोपाल के अलावा, चौथे दिन दिनभर चली सुनवाई में, याचिकाकर्ता एन.जी.ओ. "यूथ फॉर इक्वालिटी" का पक्ष भी सुनने को मिला। वह ई.डब्ल्यु.एस. आरक्षण के पक्ष में तो है, लेकिन जनरल कैटेगरी की शेष 50 प्रतिशत सीटों के आरक्षण में से इसे लेने के खिलाफ है। उसने कहा कि यह संविधान की मूल संरचना का उल्लंघन है।

ई.डब्ल्यु.एस. आरक्षण का विरोध कर रही तमिलनाडू सरकार की तरफ से पेश हुए सीनियर एडवोकेट शेखर नाफाडे ने तर्क दिया कि आरक्षण देने में आर्थिक मापदण्ड अपने आप में एक वर्गीकरण नहीं हो सकता क्योंकि यदि आर्थिक पिछड़ेपन को आरक्षण का आधार माना जाता है तो फिर वर्ष 1992 के इंदिरा साहनी केस में नौ जजों की बैंच के फैसले पर दोबारा से चर्चा करने की जरूरत पड़ेगी।

संविधान बैंच को यह बताते हुए कि कोर्ट के विचार के लिए मुद्दे की जड़ यह है कि क्या हम सवर्ण जातियों को आरक्षण देने के बारे में सोच सकते हैं, वोफाडे न कहा कि यह हमें संविधान के अनुच्छेद 14 जोकि संविधान की मूल संरचना का हिस्सा है, के अन्तर्गत समानता के अधिकार की एक नई समझ की ओर ले जाएगा और ऐसी स्थिति में वर्ष 1973 के केशवानंद भारती केस में दिए गए शीर्ष अदालत के निर्णय पर फिर से विचार करने की जरुरत होगी। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ललित ने कहा कि कोर्ट ई.डब्ल्यु.एस. आरक्षण की मंजूरी के मानदण्डों पर निर्णय नहीं कर रही है, बल्कि आर्थिक आधार पर किए गए आरक्षण के विधिक और संवैधानिक सिद्धांत पर विचार कर रही है।

जब एक वकील ने कोर्ट से यह अनुरोध किया कि क्या 50 हजार रूपए महीने की आय प्राप्त करने वाले या 4 एकड़ कृषि भूमि अथवा शहरी क्षेत्रों में 1 हजार वर्ग मीटर के प्लाट के मालिक को इकोनॉमिकली वीकर पृष्ठभूमि का माना जा सकता है, तब सी.जे.आई. ने यह बात कही।

चीतों को कूनो नैशनल पार्क में बसाने को लेकर विवाद गहराया

विश्नोई समाज ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया

जोधपुर, 20 सितम्बर (कासं)। देश में लुप्त हुए चीतों को मध्यप्रदेश के कूनो नैशनल पार्क में बसाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। इन 8 चीतों का शिकार बनने के लिए

- **चीतों के लिए मध्य प्रदेश के ही राजगढ़ वन मंडल से 181 चीतल कूनो नैशनल पार्क भेजे गए हैं, इस पर विश्नोई समाज ने गहरी नाराजगी जताई है और राष्ट्रपति को ज्ञापन दिया है।**

मध्यप्रदेश के राजगढ़ वन मंडल से 181 चीतल कूनो भेजे गए हैं। इस फैसले से वन्यजीव रक्षा के लिए पहचान रखने वाला बिश्नोई समाज आहत है। समाज के लोगों ने आज जिला कलैक्टर को राष्ट्रपति के नाम पर ज्ञापन सौंपा है।

ज्ञापन में, कूनो नैशनल पार्क में चीतों का भोजन बनाने के लिए चीतल भेजने पर विरोध जताया गया है। जिला कलैक्टर को राष्ट्रपति के नाम से समाज की तरफ से यह ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन देने वालों में समाज के कई लोग मौजूद थे।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर को मध्यप्रदेश में श्योपुर के कूनो नैशनल पार्क में नामीबिया से लाए गए 8 चीतों को छोड़ा था।

राजगढ़ वन मंडल के वन परिक्षेत्र नरसिंहगढ़ के अधिकारी गौरव गुप्ता ने बताया कि वन क्षेत्र से 181 चीतल कूनो भेजे गए हैं। अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के अध्यक्ष देवेंद्र बुडिया ने प्रधानमंत्री और वन मंत्री भूपेंद्र यादव को पत्र लिखकर अफ्रीका से आए चीतों को चीतल नहीं परोसने की अपील की।

मोहन भागवत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ग्रुप के साथ मीटिंग की थी।

आज एक घंटे चली मीटिंग में, भागवत ने विभिन्न प्रकार के मुद्दों पर चर्चा की, जिनमें शामिल प्रमुख मुद्दे थे- ज्ञानवापी विवाद, नफरत जन्य अपराध तथा जनसंख्या-नियंत्रण। मीटिंग में शामिल हुये एक व्यक्ति ने कहा कि इस मीटिंग का उद्देश्य मुस्लिम समुदाय से सम्बंधित मुद्दों पर जोर देना था। बताया जाता है कि आर.एस.एस. प्रमुख ने मीटिंग में अपने विचार रखते समय, मीटिंग में मौजूद लोगों को "शिवलिंग" सम्बंधी अपनी टिप्पणी के बारे में भी स्मरण दिलाया तथा कहा कि मुस्लिम बुद्धिजीवियों को वह टिप्पणी आगे बढ़ानी चाहिये थी जिससे कि आर.एस.एस. और मुस्लिम समुदाय के बीच की खाई पर पुल बनाने की दिशा में और आगे बढ़ा जा सकता।

टाइगर एस-24 जमुवारामगढ़ में दिखा, सरिस्का प्रशासन की चिंता कुछ कम

करीब एक महीने से सरिस्का में नजर नहीं आया था, अब पहले पगमार्क फिर कैमरा ट्रैप में दिखाई दिया

अलवर, 20 सितम्बर। सरिस्का का टाइगर, एसटी -24 जमुवारामगढ़ के जंगलों में है। चौबीस दिन पहले टाइगर के पगमार्क मिले थे। अब करीब 28 दिन बाद टाइगर कैमरा ट्रैप में नजर आया है, जिससे सरिस्का प्रशासन की चिंता कुछ कम हुई है। ज्ञातव्य है कि, काफी दिनों तक टाइगर का पता नहीं चला था।

अब कैमरा में ट्रैप होने के बाद बड़ी राहत मिली है। असल में सरिस्का से दो-तीन टाइगर गायब हो चुके हैं, जिनका पता ही नहीं चला है। इसी कारण केवल दो वर्ष के टाइगर, एस.टी. 24 के गायब होने पर अधिक चिंता हो गई थी।

सरिस्का के टहला क्षेत्र से टाइगर एसटी 24 जमुवारामगढ़ के जंगलों में पहुंच गया। करीब 25 दिनों से टाइगर वहीं है। जब सरिस्का में टाइगर के पगमार्क नहीं मिले तो उसकी तलाश शुरू हुई। इसके बाद जमुआरामगढ़ में पगमार्क मिले। लेकिन, अब टाइगर के वहां होने की पुष्टी कैमरा ट्रैप से हो गई है।

टाइगर एसटी -24, बाघिन एसटी 12 का शावक है। जिसकी उम्र करीब 2 साल है। दो महीने पहले ही इसने अपनी टैरिटरी बनानी शुरू की थी। पहले यह टहला आया। फिर अजबगढ़ की तरफ पहुंचा। वहां से होता हुआ जमुवारामगढ़ पहुंचा है। जबकि इस टाइगर की मां, बाघिन एसटी -12 टैरिटरी तालवृक्ष के जंगलों की तरफ रही है। वहां से टाइगर एस.टी. 24 करीब 20 महीने के बाद टहला की तरफ निकल गया, फिर आगे बढ़ते हुए वह जमुवारामगढ़ पहुंचा है।

बाघ एसटी 24 के पगमार्क सबसे पहले जमवारामगढ़ के झोल नाका स्थित पापड़ गांव के आसपास मिले थे। वहीं आसपास में कैमरा ट्रैप में एस.टी. 24 नजर आया है। सरिस्का के उप वन संरक्षक डीपी जागावत ने बताया कि, फरवरी माह में बाघ एसटी 24 व 25 अजबगढ़ रेंज के जंगल में पहुंच गए थे।

कोविड का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में महाराष्ट्र और हरियाणा में दो-दो तथा राजस्थान, गुजरात, यू.पी., उत्तराखण्ड और पश्चिम बंगाल में एक-एक मौत हुई। इससे देश में अब तक इस बीमारी से मरे लोगों की संख्या 5 लाख 28 हजार 370 हो गई है।

देश में अब तक 4 करोड़, 45 लाख 43 हजार 84 लोग इस बीमारी से संक्रमित हो चुके हैं और उनमें से 4 करोड़ 39 लाख 67 हजार 340 रिकवर हो चुके हैं। दैनिक पॉज़िटिविटी रेट कम होकर 1.37 प्रतिशत हो गई है, जबकि साप्ताहिक पॉज़िटिविटी रेट 1.81 प्रतिशत है। कोविड-19 के राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान में अब तक 216.83 करोड़ वैक्सीन लगाई जा चुकी है, जबकि पिछले 24 घंटों में 10.10 लाख वैक्सीन्स लगाई गईं। अब तक कुल 89.20 करोड़ टैस्ट किए जा चुके हैं। इनमें से भी 2.95 लाख टैस्ट पिछले घंटों में किया गया।

नीतीश ने तेजस्वी यादव को बिहार की सत्ता सौंपने के संकेत दिये

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा के विरोध में विपक्ष को एकजुट करने के कड़े प्रयास में जुटे नीतीश कुमार जल्द ही उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को बिहार की सत्ता सौंप सकते हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मीडिया से बातचीत में इसके संकेत दिए। उन्होंने तेजस्वी की ओर इशारा करते हुए कहा कि, मैं अपने लिए नहीं बल्कि लोगों के लिए काम कर रहा हूं और इन्हें आगे बढ़ते हुए देखना चाहता हूं। मुख्यमंत्री नीतीश ने साफ किया है कि उनकी इच्छा अब राजनीति में नई पीढ़ी को आगे बढ़ाने की है।

सी.एम. नीतीश कुमार ने पटना में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कई सवालों के जवाब दिए। उन्होंने कहा कि कि वे 2024 में बीजेपी के खिलाफ ज्यादा से ज्यादा पार्टियों को एकजुट करना चाहते हैं ताकि चुनाव में बड़ी सफलता हासिल हो। पी.एम. पद की उम्मीदवारी को लेकर नीतीश ने कहा कि हम सिर्फ विपक्ष को एकजुट करने में लगे हैं, इसमें अपने लिए कुछ नहीं कर रहे

- **नीतीश ने तेजस्वी यादव की ओर हाथ से इशारा करते हुये कहा कि, मैं अपने लिए नहीं अपने लोगों के लिए काम कर रहा हूँ, इन्हें आगे बढ़ते देखना चाहता हूँ।**

हैं। इसके बाद उनके पास में खड़े तेजस्वी की ओर इशारा करते हुए नीतीश बोले कि हर चीज में इन लोगों को आगे बढ़ाना है। हमें अपने लिए कुछ नहीं चाहिए।

यू.पी. के फूलपुर से लोकसभा चुनाव लड़ने के कयास पर मुख्यमंत्री नीतीश ने अपनी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने कहा कि बोलने वाले कुछ भी बोलते रहते हैं यह सब बेकार की बात है। हमको आश्चर्य भी होता है हमारा इससे कोई मतलब नहीं है। कौन क्या बोलता है उस पर हम ध्यान नहीं देते।

'हिजाब कुछ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकार के हिजाब विवाद जैसी गतिविधियों में अल्पसंख्यक समुदाय को हाशिए पर धकेलने की प्रवृति नजर आती है।

उन्होंने कहा कि भारत का निर्माण उदार परम्पराओं व धार्मिक विश्वास पर हुआ है। आज जो प्रस्ताव पारित उसे यूनीफॉर्म से सम्बंधित बता रहे हैं। लेकिन असल में इसका उद्देश्य अलग है। इसका उद्देश्य यह है कि धार्मिक समुदाय से कहा जाए कि आपको अपनी आस्था दिखाने का हक नहीं है आप अपनी आत्मा की आवाज़ नहीं सुन सकते आपको वही करना जो मैं कहूँगा।

दवे ने कहा कृपया यह भी नोट कीजिए कि, हिजाब पहनकर हमने किसी भी धार्मिक भावनाएं आहत नहीं हुई हैं। हिजाब हमारी पहचान है। "उन्होंने संविधान की उदार व्याख्या हुई है प्रतिबंधात्मक स्वरुप में नहीं क्यों अनुच्छेद 19 ओर 21 का दायरा बेहद विस्तृत है।

दवे ने सवाल दागा कि "क्या हिजाब पहनना देश की एकता व अखंडता के लिए खतरा है?"

पश्चिमी देशों में एक सप्ताह...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्या प्रभाव पड़ सकता है खासकर इस तथ्य को देखते हुए कि इस चर्चा का रूस के रुख पर विपरीत असर पड़ा है। अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय की विपरीत प्रतिक्रिया को देखते हुए रूस ज्यादा प्रतिफल हासिल करने की स्थिति में नहीं है।

प्रेम, जंग और राजनीति में कुछ भी पक्का नहीं होता और रूस निश्चित रूप से मोदी के कठोर बयान की कीमत वसूलना चाहेगा। रूस के द्वारा आयोजित और टी.वी. पर प्रसारित इंटरव्यु में रूस को भारत से तगड़े समर्थन की उम्मीद थी, पर यह दांव उलटा पड़ गया।

रूसी राष्ट्रपति मोदी के स्वागत की प्रतीक्षा में थे तथा उनकी एकांतिक मीटिंग शुरु हो गई तथा प्रारम्भिक बयान ने अपना प्रभाव दिखाया तथा बातचीत का अपेक्षित एवं इच्छित माहौल बन गया। मोदी के तुरंत बाद बोले पुतिन ने भारत के रुख की सराहना की तथा रूस की स्थिति को समझाने की कोशिश की।

कम से कम, फिलहाल तो भारत एक बहुत अच्छी स्थिति में है। उसे ऊर्जा पदार्थों की भरपूर सप्लाई मिल रही है, जो इस समय देश की एक बड़ी जरूरत भी है। इन पदार्थों का बड़ा हिस्सा आयातित है। दो बड़े उत्पादकों- रूस और सऊदी अरब में इन्हें भारत भेजने की होड़ लगी हुई है।

भारत की जरूरतें बहुत बड़ी भी हैं तथा इसलिये वह सप्लायर के व्यवहार पर सकारात्मक असर डालने की स्थिति में है। ऊर्जा के उपयोग में ज्यादा लिप्त होना तथा इस पर बढ़ती निर्भरता का परिणाम आगे चलकर विनाशकारी साबित हो सकता है।

जर्मनी से ज्यादा प्रदर्शन और कोई देश नहीं करता तथा उसने रूसी गैस और तेल की सतत सप्लाई सस्ती कीमत पर करने में यकीन रखा है। जर्मनी के सामने इस समय ऊर्जा का गंभीर संकट है तथा ऊर्जा की यह कमी सर्दियों में और ज्यादा पीड़ा देने वाली हो जायेगी।

अब कूटनीतिक मोर्चे पर भी भारत को नया माहौल बनाना चाहिये तथा एशिया एवं अफ्रीका के मध्यम स्तर के देशों के बीच जाल फैंककर अपना स्वयं का सपोर्ट बेस विकसित करना चाहिये।

26 को पर्चा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निर्वाचकों के नाम हैं जो 17 अक्टूबर को होने वाले मतदान में वोट देंगे।

मंगलवार को कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश ने एक बार फिर ट्वीट किया, संगठन के चुनाव में कोई भी चुनाव लड़ सकता है। नामांकन भरने के लिए आपको राहुल जी या सोनिया जी की अनुमति की जरूरत नहीं है।

कांग्रेस सांसद शशि थरुर, जो सोमवार को सोनिया गांधी से मिले थे, को भी सोनिया ने कहा है कि उनकी इच्छा चुनाव लड़ने की है तो लड़ सकते हैं। इसके लिए किसी की अनुमति की जरुरत नहीं है।

इधर संकेत है कि गहलोत 26 सितम्बर को नामांकन दाखिल कर सकते हैं।

म्यांमार में 300 भारतीय बंधक बनाये गये

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। म्यांमार में 300 भारतीयों को बंधक बनाए जाने का मामला सामने आया है। इनमें से 60 लोग तमिलनाडु के हैं। जानकारी के मुताबिक इन लोगों को म्यांमार के म्यावडी में एक गैंग ने बंधक बनाया है। इन लोगों को यहां पर साइबर क्राइम करने पर मजबूर किया जा रहा है। यहां पर कई अन्य देशों के लोगों को भी बंधक बनाकर रखा गया है। बताया जाता है इन सभी को नौकरी झांसा देकर ले जाया गया था।

बताया जाता है कि सभी पीड़ितों को जिस म्यावडी में बंधक बनाया गया है, वह इलाका म्यांमार सरकार के नियंत्रण में नहीं है। यह इलाका एथनिक आर्म्ड ग्रुप के दबदबे वाला है। बंधक बनाए गए कुछ लोगों में अपने परिवार को संदेश भेजे थे।

हाई कोर्ट में कोटपूतली नगर परिषद द्वारा सामूहिक तोड़-फोड़ की सुनवाई 23 को

अदालत ने नगर परिषद के वकील को कहा है कि, वह इस मामले का पूरा ब्यौरा व दस्तावेज अगली तारीख को लेकर आएं

जयपुर, 20 सितम्बर (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने कोटपूतली नगर परिषद द्वारा सरदार विद्यालय रोड के आसपास सामूहिक तोड़-फोड़ के संबंध में न्यायाधीश महेन्द्र कुमार गोयल ने नगर परिषद के वकील को फटकार लगाते हुए कहा कि वह इस मामले का समस्त रिकॉर्ड सुनवाई की अगली तारीख को पेश करें। इसके साथ ही अदालत ने आज 43 मामलों में से उन मामलों, जिनमें नगर परिषद द्वारा इमारतें तोड़ दी गई हैं, की सुनवाई 23 सितम्बर को तय की है और उन मामलों में जहां नगर परिषद द्वारा पट्टा आवंटित करने के बाद पट्टा रद्द करने के लिए नोटिस दिया गया, उन मामलों की सुनवाई 29 सितम्बर को तय की है।

नगर परिषद की ओर से सुनवाई के दौरान अपना जवाब प्रस्तुत करने के लिये फिर से दो सप्ताह का समय मांगा गया है, जिस पर अदालत ने काफी नाराजगी जताई क्योंकि इस मामले की पिछली दो सुनवाई में नगर परिषद ने अपना जवाब प्रस्तुत नहीं किया था।

उल्लेखनीय है कि 15 सितम्बर को भी न्यायाधीश प्रकाश गुप्ता और न्यायाधीश अनूप कुमार ढंड के समक्ष नगर परिषद की तोड़-फोड़ के संबंध में गोविन्द नारायण शर्मा द्वारा अवमानना याचिका दायर की गई थी क्योंकि हाईकोर्ट के ही फरवरी के आदेश के अनुरूप नगर परिषद ने याचिकाकर्ता को अपनी आपत्ति दायर करने के लिये नोटिस नहीं दिया था और बिना नोटिस ही तोड़-फोड़ की कार्रवाई की थी।

- **अदालत ने इस बात पर नाराजगी जताई कि, नगर परिषद के वकील ने अपना जवाब प्रस्तुत करने के लिए दो और हफ्तों का समय मांगा है, जबकि पिछली दो सुनवाई में भी नगर परिषद को अपना जवाब प्रस्तुत करने के लिये समय दिया गया था।**

इस मामले की सुनवाई के दौरान 15 सितम्बर को नगर परिषद ने जवाब प्रस्तुत किया कि याचिकाकर्ता को नोटिस देने के लिये अधिकारियों को भेजा था, परंतु मौके पर उनके साथ याचिकाकर्ता के मकान के बाहर उनके साथ धक्का-मुक्की की गई और याचिकाकर्ता ने नोटिस लेने से इंकार कर दिया। जवाब में आगे कहा गया कि नगर परिषद के अधिकारियों ने याचिकाकर्ता की दुकान व मकान पर नोटिस चस्पा किया और 4 जुलाई को आपत्ति सुनने के लिये आमंत्रित किया। यहां गौर फरमाने की बात यह है कि नगर परिषद ने एक ही मामले में अपना जवाब प्रस्तुत किया है परंतु आज सुनवाई के लिये आये 40 से भी ज्यादा मामलों में अपना जवाब प्रस्तुत नहीं किया है। अटकलें लगाई जा रहीं हैं कि क्या नगर परिषद 50 से भी अधिक याचिकाकर्ताओं को नोटिस देने में असफल रही और वहां भी नोटिस चस्पा करना पड़ा? हैरानी की बात है कि पिछले कुछ महीनों से कोटपूतली में पुलिस का भारी जाब्ता तैनात किया गया है और कई बार कर्फ्यू भी लगाया गया है परंतु फिर भी नगर परिषद के अफसरों के साथ धक्का-मुक्की करने और नोटिस नहीं लेने के संबंध में किसी भी व्यक्ति विशेष के खिलाफ शिकायत दर्ज करने की घटना सामने नहीं आई।

यू.एन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पूर्ण माहौल रहने की संभावना है। यूक्रेन युद्ध, बढ़ता खाद्य एवं ऊर्जा संकट और जलवायु परिवर्तन जैसे पाकिस्तान में बाढ़ जैसे मुद्दे छाए रह सकते हैं।

रूस, अमेरिका व यूरोपीय देशों में यूक्रेन को लेकर तनाव रहने की उम्मीद है और ताईवान और व्यापार के मसले पर चीन व अमेरिका आमने-सामने हो सकते हैं। पुतिन और शी ज़िनपिंग के भी शामिल होने की संभावना नहीं। अमेरिका व यूरोप न्यूक्लियर डील के मुद्दे पर इरान पर दबाव डाल सकते हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908